P-12

अनोखे अंदाज़ और निराले तेवर के साथ इंसाफ़ की डगर पर

टाइम्स ऑफ़ पीडिया

P-12

RNI.No. : DELMUL/2012/47011

www.timesofpedia.com

वर्ष : 14 | अकं: 47 | नई दिल्ली, सोमवार, 18 मई 2026 | Email.timesofpedia@gmail.com | पृष्ठ: 12 | मूल्य : 01./-

संक्षिप्त समाचार

20 हजार टन एलपीजी लेकर गुजरात पहुंचा अपना 'सिमी'

- 13 मई को पार किया था होर्मुज, अब तक 15 जहाज पहुंचे

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में चल रहे तनाव के बीच 20 हजार टन एलपीजी लेकर 'सिमी' कैरियर कांडला के दीनदयाल पोर्ट पर सुरक्षित रूप से पहुंच गया है। इस जहाज ने 13 मई को होर्मुज स्ट्रेट को पार किया था। इस जहाज पर 21 क्रू सदस्य सवार हैं, जिनमें आठ यूक्रेनी और 13 फिलिपीनी हैं। मौजूदा निगरानी वाले ऑपरेशन्स में होर्मुज स्ट्रेट को पार करने

वाला 'सिमी' 11वां एलपीजी टैंकर था। अधिकारियों के मुताबिक, डीजी शिपिंग और विदेश मंत्रालय, रक्षा मंत्रालय और पेट्रोलियम- प्राकृतिक गैस मंत्रालय के बीच करीबी तालमेल से इतनी सुरक्षा मुमकिन हो पाई। ये जहाज ऐसे समय में आया है जब पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति पर दबाव बना हुआ है। पिछले कुछ महीनों में भारत का कच्चा तेल भंडार तेजी से घटा है। भंडार में लगभग 15 फीसदी की गिरावट आई है। कमोडिटी एनालिटिक्स फर्म के आंकड़ों के अनुसार, भारत का कुल कच्चा तेल भंडार फरवरी के अंत में दर्ज 107 मिलियन बैरल से घटकर 91 मिलियन बैरल रह गया है। यह वही समय था जब संघर्ष शुरू हुआ था।

बिहार में 60000 करोड़ का निवेश करेंगे अडानी

- छपरा में किया ऐलान, बताया इनवेस्टमेंट का प्लान

छपरा (एजेंसी)। अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी ने रविवार को कहा कि हमारा लक्ष्य अगले तीन से चार वर्षों में बिहार राज्य के इन्फ्रास्ट्रक्चर पर 50 हजार करोड़ रुपए से लेकर 60000 करोड़ रुपए तक का निवेश करना है। उन्होंने सारण के मस्तीचक में अखंड ज्योति आई हॉस्पिटल- अडानी सेंटर फॉर आई डिजीज के उद्घाटन के दौरान बिहार को लेकर अडानी ग्रुप की प्रोजेक्ट्स का जिक्र करते हुए कहा कि हमने भागलपुर जिले के पीरपैंती में 2400 मेगावाट

पावर प्रोजेक्ट्स का शिलान्यास किया है। इस प्रोजेक्ट्स पर तेजी से काम चल रहा है। साथ ही रोड प्रोजेक्ट पर भी काम चल रहा है। गौतम अडानी ने आगे कहा कि हमारा लक्ष्य बिहार की प्रगति और इन्फ्रास्ट्रक्चर पर अगले तीन से चार वर्षों में बिहार राज्य के इन्फ्रास्ट्रक्चर पर 50 हजार करोड़ रुपये से लेकर 60 हजार करोड़ रुपए तक का निवेश करना है। गौतम अडानी ने कहा कि बिहार की ग्रोथ का समय आ गया है। बिहार में इन्फ्रास्ट्रक्चर की काफी आवश्यकता है। साथ रोड, इन्फ्रास्ट्रक्चर और औद्योगिकीकरण की भी काफी जरूरत है। इस समय का बिहार की जनता को पूरा लाभ उठाना चाहिए। अडानी ग्रुप के चेयरमैन सारण के मस्तीचक में अखंड ज्योति आई हॉस्पिटल- अडानी सेंटर फॉर आई डिजीज के उद्घाटन और नए परिसर के भूमिपूजन के लिए बिहार पहुंचे थे।

सुबह से गूंजे शंख और जयकारे, उमड़ी भीड़

धार भोजशाला में शुरू हुई पूजा-अर्चना, बदला-बदला था माहौल

धार (एजेंसी)। ऐतिहासिक भोजशाला में रविवार सुबह का माहौल पूरी तरह बदला हुआ नजर आया। सुबह होते ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु भोजशाला पहुंचने लगे। कई लोग अपने हाथों में मां वाग्देवी के चित्र लेकर आए थे। परिसर में प्रवेश करते ही श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना शुरू कर दी। सुबह से ही यहां मंत्रोच्चार, शंखध्वनि और जयकारों की आवाज सुनाई देती रही। एएसआई की ओर से जारी गाइडलाइन के बाद पहली बार इस तरह सुबह से धार्मिक गतिविधियां खुलकर दिखाई दीं।

विशेष रूप से सजाया गया गर्भगृह

भोजशाला के गर्भगृह को विशेष रूप से सजाया गया था। यहां रंगोली बनाई गई और पूजा से पहले पूरे स्थान को गोमूत्र से शुद्ध किया गया। इसके बाद ज्योति मंदिर में प्रज्वलित अखंड ज्योत को भी गर्भगृह तक लाया गया। सुबह सूर्योदय के साथ ही धार्मिक अनुष्ठान शुरू हो गए थे। परिसर में मौजूद श्रद्धालु भजन-कीर्तन करते नजर आए। कई लोग खुशी में झूमते और नाचते दिखाई दिए।

पुलिस बल भी रहा तैनात

भोजशाला में पूजा-अर्चना के दौरान प्रशासनिक अधिकारी भी पहुंचे। धार कलेक्टर राजीव रंजन मीना और एसपी सचिन शर्मा ने व्यवस्थाओं का जायजा लिया। दोनों अधिकारियों ने परिसर का निरीक्षण किया। पूरे क्षेत्र में पुलिस बल को तैनात किया गया है ताकि किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो। इस दौरान केन्द्रीय राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर भी भोजशाला पहुंचीं। उन्होंने यहां पूजा-अर्चना की और श्रद्धालुओं से मुलाकात की। उनके साथ मांडू के संत महामंडलेश्वर निसर्ग दास जी महाराज भी मौजूद रहे। सावित्री ठाकुर ने कहा कि पहले शुक्रवार को यहां तनाव की स्थिति बनती थी लेकिन अब माहौल सामान्य है। उन्होंने कहा कि अब लोग बिना किसी डर के यहां दर्शन कर पा रहे हैं।

गर्मी से बुरा हाल, जीना हुआ मुहाल

आसमान से बरस रही आग, आठ राज्यों में पारा 40 डिग्री पार

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम में राजस्थान, गुजरात और महाराष्ट्र-विदर्भ से लेकर मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश समेत 8 राज्य भीषण गर्मी की चपेट में हैं। इन इलाकों में पारा लगातार 40 डिग्री से ऊपर चल रहा है। दिन के साथ रातें भी गर्म हो रही हैं। शनिवार को महाराष्ट्र के अमरावती और वर्धा देश के सबसे गर्म शहर रहे। दोनों शहरों का तापमान 46 डिग्री रिकॉर्ड हुआ। यूपी के बांदा, मध्य प्रदेश का नौगांव और खंडवा में भी पारा 44 से ज्यादा रहा। इधर, गुजरात के एकता नगर में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के पास बनी जंगल सफारी (सरदार पटेल जूलॉजिकल पार्क) में जानवरों और पक्षियों के लिए एसी, कूलर और स्प्रिंकलर लगाए गए हैं। वडोदरा के सायाजीबाग जूलॉजिकल पार्क ने जानवरों और पक्षियों को गर्मी से बचाने के लिए ठंडक के कई इंतजाम किए हैं। इनमें पानी का छिड़काव शामिल है।

महाराष्ट्र का अमरावती-वर्धा देश में सबसे गर्म, तापमान 46 डिग्री

राजस्थान के 8 जिलों में हीटवेव की चेतावनी

प्रदेश के बीकानेर, चूरू, बाड़मेर, जैसलमेर में अधिकतम तापमान 40 से 43 डिग्री के बीच दर्ज हुआ। सीकर, हनुमानगढ़, जालोर, सिरोही में तापमान 40 से नीचे रहा। मौसम विभाग ने राज्य में अगले हफ्ते से गर्मी तेज हो सकती है। वहीं, सोमवार को 8 जिलों में हीटवेव का यलो अलर्ट है।

एमपी के 15 शहरों में पारा 43 डिग्री पार

प्रदेश में भीषण गर्मी पड़ रही है। इंदौर और उज्जैन संभाग में सबसे ज्यादा गर्मी है। शनिवार को नौगांव और खंडवा में पारा 44 डिग्री के पार रहा। वहीं, 15 शहरों में तापमान 43 या इससे ज्यादा दर्ज किया गया। रतलाम में इतनी तेज धूप थी कि मोबाइल बंद हो गया।

छत्तीसगढ़ में 3 दिन आंधी-बारिश का अलर्ट

पिछले 24 घंटों में उत्तर और मध्य छत्तीसगढ़ के कई इलाकों में तेज आंधी, गरज-चमक और हल्की से मध्यम बारिश हुई। शनिवार रात रायपुर में ओले भी गिरे। अगले 3 दिनों तक प्रदेश में तेज हवा के साथ बारिश की संभावना है। इस दौरान हवा की रफ्तार 40 से 50 किमी प्रतिघंटा तक पहुंच सकती है। हिमाचल प्रदेश में आज से गर्मी का प्रकोप बढ़ेगा। राज्य में 21 मई तक मौसम साफ रहने का पूर्वानुमान है। इससे तापमान में चार से पांच डिग्री का उछाल आएगा। इस बार मई माह में सामान्य से ज्यादा बारिश-ओलावृष्टि के कारण अधिकांश शहरों का पारा सामान्य से नीचे गिरा रहा। बीते 24 घंटे के दौरान भी ज्यादातर शहरों का पारा सामान्य से नीचे दर्ज किया गया। हरियाणा में गर्मी लगातार तेवर दिखा रही है। रविवार को प्रदेश के 7 शहरों में अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार दर्ज किया गया।

2 कोच में लगी आग, गार्ड ने लोको पायलट को दी सूचना

धू-धू कर जलने लगी त्रिवेंद्रम दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस

15 मिनट में 68 यात्रियों को बाहर निकाला, सभी सुरक्षित

कोटा (एजेंसी)। कोटा मंडल में त्रिवेंद्रम-हजरत निजामुद्दीन राजधानी एक्सप्रेस (12431) के 2 कोच में आग लग गई। हादसा रविवार सुबह करीब 5.15 बजे कोटा मंडल के लूणी रीछा-विक्रमगढ़ आलोट (मध्य प्रदेश) स्टेशन के बीच हुआ। आग ट्रेन के कोच नंबर बी-1 और उसके पीछे लगे सेकेंड लगेज कम गार्ड वैन में लगी थी। हादसे की जानकारी के बाद कोटा जंक्शन पर हूटर बजने लगे। राहत और बचाव टीम मौके के लिए रवाना हुई। सीनियर डिवीजनल कॉमर्शियल मैनेजर सौरभ जैन ने बताया कि कोच में 68 यात्री सवार थे। आग लगने की खबर गार्ड ने सबसे पहले लोको पायलट को दी थी। इसके बाद ट्रेन को रुकवाया गया। पैसेंजर्स को बाहर निकाला। करीब 15 मिनट में पूरा कोच खाली कराया गया। कुछ मिनटों में ही आग पूरे कोच में फैल गई थी। हालांकि, हादसा होने से बच गया।

8 से ज्यादा ट्रेनों के शेड्यूल पर असर

कोटा मंडल के डीआरएम अनिल कालरा ने बताया कि इस घटना के कारण 8 से 10 गाड़ियां प्रभावित हुई हैं। सुबह 9.30 बजे फिर से ट्रैफिक शुरू कर दिया गया था।

कोटा पहुंचने से पहले हादसा

त्रिवेंद्रम राजधानी रविवार सुबह करीब 3.45 बजे मध्य प्रदेश के रतलाम जंक्शन से रवाना हुई थी। इसका अगला स्टॉप सुबह 6.45 बजे कोटा जंक्शन था। राजस्थान में एंट्री से पहले विक्रमगढ़ आलोट स्टेशन के पास एसी कोच में आग लग गई। कुछ मिनटों बाद आगे पीछे के लगेज कोच तक पहुंच गई। यहां रखा पैसेंजर्स का सामान आग में जल गया। इस कोच में कोई यात्री नहीं था।

कानपुर-सागर हाईवे पर भीषण सड़क हादसा

कार-ट्रक की टक्कर में महिला समेत 4 की मौत

हमीरपुर (एजेंसी)। हमीरपुर जिले के कानपुर-सागर नेशनल हाईवे पर रविवार को दोपहर तेज रफ्तार ट्रक और कार की टक्कर में महिला समेत चार लोगों की पर मौत हो गई, जबकि कार सवार एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद नेशनल हाईवे पर जाम लग गया। सूचना पाते ही पुलिस मौके पर पहुंची और कार में फंसे सभी को एम्बुलेंस से नजदीक के अस्पताल भेजा गया है। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर जांच भी शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक, कानपुर महानगर के नवाबगंज के सिग्नेचर सिटी निवासी नरेंद्र कुमार 55 वर्ष, रेखा 52 वर्ष पत्नी नरेंद्र कुमार, मीना 54 वर्ष पत्नी राजकपूर व राजकपूर 56 वर्ष कार से बागेश्वरधाम दर्शन गए थे! कार लखनऊ निवासी आयुष चौहान 25 वर्ष चला रहा था। दर्शन के बाद सभी लोग कार से आज वापस कानपुर जा रहे थे। जैसे ही का मौदहा के छिरका गांव के पास पहुंची तो सामने कबरई महोबा जा रहे तेज रफ्तार ट्रक कार से टकरा गई।

सीएम बनते ही संकट में घिर गए थलापति विजय

'खरीद-फरोख्त' पर सीबीआई जांच वाली धमकी

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु में ऐतिहासिक जीत हासिल करने के बाद सत्ता में आए विजय थलापति और उनकी पार्टी के ऊपर गंभीर आरोप लग रहे हैं। तमिलनाडु की क्षेत्रीय पार्टी अम्मा मक्कल मुनेत्र कड़गम (प्रमुख दिनाकरन ने विजय और उनकी पार्टी के ऊपर हॉर्स ट्रेडिंग (विधायकों की खरीद-फरोख्त) के आरोप लगाए हैं। उन्होंने दावा किया कि तमिलनाडु की सत्ता हासिल करने के लिए तमिलगा वेट्री कझगम ने हॉर्स ट्रेडिंग की है। उन्होंने कहा कि अगर विजय ने एएमएमके से गए विधायक को मंत्री पद दिया, तो फिर वह इस मामले की सीबीआई जांच की मांग करेंगे। तिरुचिरापल्ली में मीडिया से बात करते हुए दिनाकरन ने विजय और उनकी पार्टी की पूरी राजनीति पर ही सवाल उठा दिया। उन्होंने कहा कि टीवीके की पूरी राजनीति ही हॉर्स ट्रेडिंग पर आधारित है। उन्होंने सीएम विजय पर तंज कसते हुए कहा, विजय कहते हैं कि वह घोड़े की रफ्तार से काम करेंगे, लेकिन उन्होंने घोड़ा ही मोलभाव करके खरीदा है। दरअसल, यह पूरा मामला विजय और उनकी सरकार द्वारा पास किए गए फ्लोर टेस्ट के दौरान का है। एएमएमके ने तमिलनाडु विधानसभा में एक सीट हासिल की थी। लेकिन फ्लोर टेस्ट के पहले ही उसके एकमात्र विधायक एस. कामराज ने विजय की पार्टी को समर्थन देने का ऐलान कर दिया। इसके बाद पार्टी ने अपने एकमात्र विधायक को निष्कासित कर दिया।

देश को एक वैचारिक राष्ट्र में बदलने की हो रही कोशिश

अरशद मदनी बोले-मुसलमान न कभी झुका है और न कभी झुकेगा

लखनऊ (एजेंसी)। जमीयत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष अरशद मदनी ने कहा है कि देश को योजनाबद्ध तरीके से एक वैचारिक राष्ट्र में बदलने की कोशिश की जा रही है। मदनी ने कहा कि पहले केवल मुसलमान निशाने पर थे। अब इस्लाम को भी निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मुसलमान न कभी झुका है और न कभी झुकेगा। अरशद मदनी ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जमीयत उलमा-ए-हिंद की कार्यसमिति की दो दिवसीय बैठक का घोषणापत्र जारी किया। मदनी ने कहा, देश के वर्तमान हालात, बढ़ती सांप्रदायिकता, संवैधानिक संस्थाओं की चुप्पी, मुसलमानों और इस्लामी प्रतीकों के खिलाफ बढ़ते कदम तथा नफरत आधारित राजनीति अत्यंत चिंताजनक है। हालांकि मुसलमान न कभी झुका है और न कभी झुकेगा। वह प्रेम से झुक सकता है, लेकिन ताकत, धमकी और अत्याचार के सामने उसे कभी झुकाया नहीं जा सकता। उन्होंने कहा- सत्ता प्राप्ति के लिए अमन और एकता के साथ खतरनाक खिलवाड़ किया जा रहा है, जिसके परिणामस्वरूप धार्मिक उन्माद और नफरत लगातार बढ़ रही है, जबकि कानून के रखवाले मूकदर्शक बने हुए हैं। हालिया चुनावों के बाद कुछ राजनीतिज्ञों में नफरत के आधार पर सत्ता हासिल करने का चलन और बढ़ गई है। बहुसंख्यक समुदाय को अल्पसंख्यकों के विरुद्ध खड़ा करने के लिए धार्मिक भावनाओं को भड़काया जा रहा है, जबकि सरकारें भय और धमकी से नहीं बल्कि न्याय और इंसाफ से चलती हैं।

सिर्फ हिंदुओं के लिए काम करेंगे, यह गलत धारणा

अरशद मदनी ने पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के बयान का जिक्र किया। मदनी ने कहा, पश्चिम बंगाल के नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री का यह बयान कि वे सिर्फ हिंदुओं के लिए काम करेंगे संवैधानिक और लोकतांत्रिक मूल्यों के पूरी तरह विरुद्ध है, क्योंकि हर मुख्यमंत्री शपथ लेकर सभी नागरिकों के साथ न्याय करने का संकल्प लेता है। सत्ता में बैठे लोगों की जिम्मेदारी हर नागरिक के संवैधानिक अधिकारों की रक्षा करना है, न कि किसी विशेष वर्ग के खिलाफ नफरत और विभाजन की राजनीति करना। इसके साथ ही, मदनी ने एक्स पोस्ट में कहा, देश को योजनाबद्ध तरीके से एक वैचारिक राष्ट्र में बदलने की कोशिश की जा रही है। समान नागरिक संहिता, वंदे मातरम को अनिवार्य बनाना, मस्जिदों और मदरसों के खिलाफ कार्रवाइयां व एसआईआर की आड़ में वास्तविक नागरिकों को मताधिकार से वंचित करने जैसे कदम इसी सिलसिले की कड़ियां हैं।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
टाइम्स ऑफ़ पीडिया

बीआरआईसी दुनिया की उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं (विकासशील देशों) का एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय समूह

बीआरआईसी दुनिया की उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं (विकासशील देशों) का एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय समूह है, इसका मुख्य उद्देश्य सदस्य देशों के बीच आर्थिक, राजनीतिक और रणनीतिक सहयोग बढ़ाना तथा पश्चिमी देशों के प्रभुत्व वाली वैश्विक व्यवस्था में 'ग्लोबल साउथ' की आवाज को मजबूत करना है

सवाल यह है कि क्या बीआरआईसी बदलती दुनिया का नया शक्ति केंद्र बन सकता है और पश्चिमी व्यवस्था को खुली चुनौती देने की क्षमता रखता है ? यह सही है कि आज, दुनिया की राजनीति और अर्थव्यवस्था एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है जहाँ पुराने शक्ति केंद्रों की पकड़ धीरे-धीरे कमजोर होती दिखाई दे रही है। इसी बदलते वैश्विक परिदृश्य में बीआरआईसी एक आर्थिक समूह नहीं, बल्कि एक नई वैश्विक सोच के रूप में उभर सकता है। ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका से शुरू हुआ यह मंच अब विस्तार की राह पर है और दुनिया की सत्ता-संतुलन की बहस के केंद्र में आ चुका है। आज इस समूह में ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका, मिस्र, इथियोपिया, ईरान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात जैसे बड़े मुल्क शामिल हैं.

याद रहे ईरान आज बीआरआईसी और Shanghai Cooperation Organisation दोनों का सदस्य है। साथ ही वह मध्य एशिया, कॉकसस और मध्य पूर्व को जोड़ने वाला एक अहम भूगोलिक पुल भी भी।

कह सकते हैं कि आज बीआरआईसी , पश्चिमी वर्चस्व के विकल्प के रूप में देखा जा रहा है। खासकर अमेरिका और यूरोप के प्रभाव वाले वैश्विक संस्थानों – जैसे IMF, World Bank और UNSC – के खिलाफ विकासशील यानी Developing देशों का Dissatisfaction और अदम इत्मीनान अमेरिका और पश्चिमी देशों के लिए चुनौती बनकर उभरा है ।

नई दिल्ली में आयोजि बीआरआईसी सम्मेलन का सबसे चर्चित पहलू अमेरिकी डॉलर पर निर्भरता कम करने की कोशिश रही। सदस्य देशों के बीच स्थानीय मुद्राओं में व्यापार बढ़ाने की चर्चा ने वॉशिंगटन की चिंता बढ़ा दी है। चीन और रूस लगातार डॉलर आधारित व्यवस्था को राजनीतिक हथियार बताते रहे हैं। ऐसे में बीआरआईसी की आर्थिक रणनीति केवल व्यापार नहीं, बल्कि वैश्विक शक्ति समीकरण यानी Global Power Equations बदलने की तैयारी मानी जा रही है। हालांकि विशेषज्ञ यह भी मानते हैं कि डॉलर को तुरंत चुनौती देना आसान नहीं होगा। क्योंकि वैश्विक वित्तीय ढांचे यानीGlobal Financial Frameworks, Investment और तेल व्यापार में अभी भी अमेरिकी मुद्रा और यहूदी Federal Banking System` का दबदबा है। लेकिन BRICS की पहल यह संकेत जरूर देती है कि आने वाले वर्षों में दुनिया अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा को लेकर एकध्रुवीय यानी Unipolar नहीं रह सकती।

इफ्क्क्ठर में भारत की स्थिति बेहद दिलचस्प है। एक तरफ भारत अमेरिका और पश्चिमी देशों के साथ रणनीतिक रिश्ते मजबूत करने कि कोशिश करता रहा है, वहीं दूसरी तरफ वह BRICS और Global South की राजनीति में भी किरदार निभाने की जुगल में दिखाई देता है। प्रधानमंत्री Narendra Modi लगातार यह संदेश देने की कोशिश कर रहे हैं कि भारत किसी एक गुट का हिस्सा नहीं है , बल्कि बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था यानी ट४'३स्त्रङ्क"१ World Order का समर्थक है। इसीलिए प्रधनमंत्री मोदी वसुधेव कुटुम्भकंब के फॉमूर्ले को भी अंतर्राष्ट्रीय पटल पर रखते रहे हैं, हालांकि ढट मोदी की विदेश नीति अभी तक असफल मानी गई है , जिसकी बानगी पहलगाम आतंकी हमले के बाद दुनिया की भारत से बेरुखी के रूप में दिखी. फिलहाल भारत के लिए बीआरआईसी केवल कूटनीतिक मंच नहीं, बल्कि आर्थिक अवसर भी है। ऊर्जा सुरक्षा, व्यापार, टेक्नोलॉजी और वैश्विक सप्लाई चेन में सहयोग भारत की प्राथमिकताओं में शामिल हैं। लेकिन चीन के साथ सीमा विवाद और Regional Competition, बीआरआईसी के भीतर एक बड़ा विरोधाभास यानी ढं१ंङ्क्षि७ बना हुआ है। सबसे बड़ा सवाल है, क्या बीआरआईसी वास्तव में एकजुट है? बीआरआईसी देशों के Intrest कई मामलों में अलग-अलग हैं। चीन और भारत के बीच तनाव, रूस पर पश्चिमी प्रतिबंध, ब्राजील की बदलती राजनीतिक प्राथमिकताएँ और सऊदी अरब जैसे सदस्य देशों की वैचारिक और कूटनीतिक चुनौतियाँ इस इफ्क्क्ठर की एकता को मुश्किल बनाती हैं। क्योंकि पाकिस्तान के साथ सऊदी के नए समझौते और भारत के साथ पाकिस्तान के बिगड़ते रिश्ते एक बड़ी चुनौती हो सकते हैं . हालाँकि आरएसएस के महासचिव दत्तात्रेय होसबाले के इस ब्यान से कि भारत को "पाकिस्तान के साथ संवाद के दरवाजे पूरी तरह बंद नहीं करने चाहिएं, इस बात का इशारा मिलता है कि भारत पाकिस्तान के कूटनीतिक और सैन्य रिश्ते खराब होने के बावजूद, समाजसेवी संस्थाएं और सिविल सोसाइटी एक दुसरे मुल्कों के बीच रिश्तों को बेहतर बनाने में किरदार अदा कर सकती हैं. आरएसएस की मुस्लिम विरोधी योजना और सोच के बावजूद नेता के इस ब्यान को काफी पसंद भी किया गया है. जाहिर है पाकिस्तान के साथ मजबूत रिश्ते Regional Estability पैदा करेंगे जो बीआरआईसी में लिए गए फैसलों को और मजबूती दे सकते हैं. अब चीन इसको किस नजर से देखेगा वो एक अलग मुद्दा है. दुनिया के कई विकासशील देशों की पश्चिमी नीतियों से नाराजगी बीआरआईसी को मजबूती दे सकती है। यही वजह है कि नए देश बीआरआईसी की सदस्यता में दिलचस्पी दिखा रहे हैं। ओपीईसी यानी तेल उत्पादक देशों की भागीदारी ने बीआरआईसी को और अधिक रणनीतिक महत्व दे दिया है। जिसमें सऊदी अरब जैसे मुल्क शामिल हैं इस सबके बावजूद यह बात हमको जहन में रखनी चाहिए, बीआरआईसी अभी नाटो जैसा सैन्य गठबंधन नहीं है, न ही यह तुरंत पश्चिमी संस्थाओं की जगह लेने की स्थिति में है। लेकिन यह साफ है कि यह संगठन ह्लनई विश्व व्यवस्थाह्व की बहस को गति दे रहा है। अब सवाल केवल आर्थिक विकास का नहीं, बल्कि इलाकाई और वैश्विक नेतृत्व का भी है। और भारत इसमें कहाँ खड़ा है यह देखना अभी बाकी है . फिलहाल भारत के अल्पसंख्यकों के साथ हिंदूवादी संगठनों के लगातार हमलों को मिलने वाली सरकारी छूट का दुरप्रचार इतना हो गया है कि इसको ईसाई और अरब देश रुंङ्गर्श्ी कर सकते हैं. इसके लिए हमारे नेताओं को पहले अंदरूनी मसलों को हल करने की पहल करनी होगी, उसके बाद भारत बीआरआईसी का नेतृत्व करने की दिशा में बढ़ पायेगा. अगर भारत अपने अंदरूनी धार्मिक और नस्ली नफरती मुद्दों पर काबू पा लेता है तो आने वाले वर्षों में बीआरआईसी केवल एक संगठन नहीं, बल्कि 21वीं सदी की राजनितिक शक्ति का महत्वपूर्ण प्रयोग साबित हो सकता है, जिसमें भारत की भी बड़ी भूमिका रहेगी।

चुनाव तू फिर आना

नगर निगम चुनाव की हसरतों में राजनीति ने यह बता दिया कि आइंदा इस सफर की ओट में विकास की परिभाषा बदलेगी। विजन जिस तरह स्थानीय मुद्दों से सभी के आचरण तक पहुंचा, उससे स्वाभाविक तौर पर अंतर आएगा। चार नगर निगमों के बहाने आम नागरिक यह समझ सकता है कि चुनाव में टिके रहने के लिए राजनीति को अपने दूत सही करने पड़ेंगे। अफसोस यह कि पार्षदों से मेयर और मेयर बनने की मेहरबानियों से ये शहर गफलत में हैं, लेकिन शहरी चरित्र और जवाबदेही के विषय घूम फिर कर वापस आ गए। संकल्पों से हटकर राजनीति ने तू-तू, मैं-मैं की रट में एक लाजिमी बहस से किनारा किया और बीच-बीच में लगने लगा कि भाजपा सत्ता को कोस रही और कांग्रेस दिल्ली की सत्ता को कोस रही है। अगर चुनाव पारंपरिक राजनीति में उछलते वैमनस्य पर ही होने हैं, तो हम शहरी व्यवस्था को समझ ही नहीं रहे। यह दीगर है कि पार्टियों ने कुछ शहरी बिंदुओं पर चुनाव की फेहरिस्त बनाई है, लेकिन राज्य के लिए यह द्वार पूरी तरह नहीं खुला। कांग्रेस ने अपने विजन की वकालत में चारों शहरों को अपनी उमंगों से जोड? का मंतव्य समझाया। बेहतर होता सत्ता दल इस बहाने हिमाचल के शहरीकरण को संबोधित करता यानी पूरे प्रदेश के शहरों में अगले दशक में क्या तस्वीर होगी। कौन से व्यवस्थागत व ढांचागत परिवर्तन अहम होते। स्थानीय परिवहन या लोकल ट्रांसपोर्ट पर बहुत सा कार्य संभव है। जलापूर्ति और विद्युत आपूर्ति के नक्शे पर शहरीकरण की नई परिभाषा क्या होगी। बेशक नगर निगम चुनावों में हौले से कुछ ऐसे मुद्दे या संकल्प आए हैं, जो शहर को नई दृष्टि से देख रहे हैं। मसलन पर्यटन ने ऊंची आवाज देकर चुनाव से कहा है, 'मैं यहां हूं।' पालमपुर में 'पर्यटन सर्किट' खोजती भाजपा ने एक हुंकार भरा है, तो मंडी का शिवधाम और मंदिर प्रदक्षिणा के करीब चुनाव ने संभावना देखी है। सोलन की कसौटियां अभी भी नहीं समझीं कि महानगर बनने की आभा को बचाने की कितनी जरूरत है। कांग्रेस और भाजपा के घोषणा पत्रों का एक बड़ा युद्ध धर्मशाला में देखा गया। वादे सफेद चादर पर लिखे दाग हो जाएं, तो कौन अपनी चैन को मुगालते में देखेगा। यह इसलिए कि हर पार्टी और पार्टियों की हर सरकार ने शहरों को सियासत का मुर्गा बना दिया। राजनीति प्रभाव से कई सिंह द्वार अगर किसी विधानसभा क्षेत्र की पहचान हैं, तो यह कारनामा सिर्फ प्रचार है। प्रतीक और चिन्ह ढूंढते नेताओं ने हिमाचल की समग्रता को समझा ही नहीं। हर शहर अगर एक आर्थिक केंद्र तथा रोजगार का मंच है, तो विकास की योजनाएं इस आधार को आकार देतीं। हिमाचल के कई कस्बे व शहर अपने वजूद में, पर्यटन की मौलिकता के साथ हाजिर हैं, तो इनका विकास इसी लिहाज से होना चाहिए। कुछ शहर शिक्षा के हब बन रहे हैं, तो कुछ खेल गतिविधियों के केंद्र। कुछ युवा पर्यटकों के आकर्षण में फल फूल रहे, तो कई अन्य आयोजन के कारण मशहूर हैं। किसी शहर के नक्षत्र वहां के मंदिर तय कर रहे हैं, तो योजना अलग-अलग प्रारूप में होनी चाहिएं। क्या चुनाव के बाद मंडी को हम सांस्कृतिक राजधानी की क्षमता में खड़ा कर पाएंगे। क्या पालमपुर अपने परिवेश में चाय के बागीचों के संतुलन से 'पर्यटन सर्किट' का इतिहास लिखेगा।

चिंतन-मनन

धर्म का अर्थ

किसी संत के पास एक युवक आया और उसने उनसे धर्म ज्ञान देने की प्रार्थना की। संत ने कहा कि वह उनके साथ कुछ दिन रहे, फिर वे उसे धर्म का सार बताएंगे। युवक उनके आश्रम में रहने लगा। वह संत की हर बात मानता और उनकी सेवा करता। इस तरह कई दिन बीत गए। उसे समझ में नहीं आ रहा था कि संत उसे धर्म के बारे में कब बताएंगे। वह उनसे धर्म की चर्चा करने के लिए उत्सुक था।

वह चाहता था कि उनसे शिक्षा प्राप्त कर घर लौट जाए पर संत कुछ खास कह ही नहीं रहे थे। युवक का धैर्य जवाब दे रहा था। एक दिन उसने पूछ ही दिया-मुझे आए इतने दिन हो गए पर अब तक आपने मुझे धर्म का सार नहीं बताया। आखिर मैं कब तक प्रतीक्षा करूं? संत ने हंसकर कहा-कैसी बात कर रहे हो। तुम जिस दिन से मेरे साथ रह रहे हो उस दिन से मैं तुम्हें धर्म का सार बता रहा हूं। पर तुम ध्यान ही नहीं दे रहे। युवक ने चौंककर कहा-वो कैसे?

संत बोले- जब तुम मेरे लिए पानी लाते हो, मैं उसे सदैव प्रेम से स्वीकार करता हूं। तुम्हारे प्रति आभार भी प्रकट करता हूं। जब-जब तुमने मुझे आदरपूर्वक प्रणाम किया, मैंने तुम्हारे साथ नम्रता का व्यवहार किया। यही तो धर्म है जो हमारे दैनंदिन व्यवहार में झलकता है। धर्म कोई पुस्तकीय ज्ञान नहीं है। तुम मेरे और कार्यों पर गौर करो। मैं लोगों से कैसे मिलता हूं और किस तरह उनकी सहायता करता हूं। इससे अलग कुछ भी धर्म नहीं है। युवक संत का आशय समझ गया।

हमारे शहरों के असली हीरो : सफाई कर्मचारी

डॉ. सत्यवान सौरभ

किसी भी शहर की पहचान उसकी ऊँची इमारतों, चौड़ी सड़कों या चमकती रोशनियों से नहीं, बल्कि उसकी स्वच्छता और व्यवस्था से होती है। जब कोई व्यक्ति किसी शहर में प्रवेश करता है, तो सबसे पहले उसकी नजर वहाँ की साफ-सफाई, वातावरण और नागरिक अनुशासन पर जाती है। स्वच्छ शहर केवल सुंदर नहीं दिखते, बल्कि वे बेहतर स्वास्थ्य, सुरक्षित जीवन और सभ्य समाज का प्रतीक भी होते हैं। लेकिन इस स्वच्छता के पीछे जिन लोगों का सबसे बड़ा योगदान होता है, वे अक्सर समाज की चर्चा और सम्मान से दूर रह जाते हैं। ये लोग हैं हमारे सफाई कर्मचारी – वे अनदेखे, अनसुने और उपेक्षित नायक, जिनके श्रम पर पूरे शहर की व्यवस्था टिकी होती है।

हाल ही में विभिन्न नगरों में सफाई कर्मचारियों की हड़ताल ने लोगों को यह सोचने पर मजबूर कर दिया कि यदि ये कर्मचारी अपना काम बंद कर दें, तो शहरों का जीवन कितनी जल्दी अस्त-व्यस्त हो सकता है। कुछ ही दिनों में सड़कों पर कचरे के ढेर लग गए, नालियाँ जाम हो गईं, बदबू फैलने लगी और बीमारियों का खतरा बढ़ गया। लोगों को पहली बार महसूस हुआ कि जिन सफाई कर्मचारियों को वे सामान्य कर्मचारी समझते हैं, वास्तव में वही शहर की धड़कन हैं।

विडंबना यह है कि हम आधुनिकता और विकास के बड़े-बड़े दावे तो करते हैं, लेकिन नागरिक जिम्मेदारियों के मामले में अभी भी बहुत पीछे हैं। हमारे शहरों में बड़ी संख्या में लोग सार्वजनिक स्थानों पर कचरा फेंकना, प्लास्टिक सड़क पर छोड़ देना और गंदगी फैलाना सामान्य बात समझते हैं। घर के भीतर सफाई रखने वाले लोग भी घर का कचरा बाहर सड़क पर डालकर अपनी जिम्मेदारी समाप्त मान लेते हैं। यही कारण है कि सफाई कर्मचारियों की अनुपस्थिति में शहर कुछ ही दिनों में कूड़े के ढेर में बदलने लगते हैं।

यह स्थिति केवल प्रशासनिक कमजोरी नहीं, बल्कि हमारी कमजोर civic sense का प्रमाण भी है। विकसित देशों में नागरिक स्वयं स्वच्छता के प्रति जागरूक रहते हैं। वहाँ लोग सड़क पर कचरा फेंकना सामाजिक अपराध मानते हैं। लेकिन हमारे यहाँ स्वच्छता को अब भी केवल सफाई कर्मचारियों और नगर निगम की जिम्मेदारी समझा जाता है। जब तक समाज स्वयं स्वच्छता को अपनी संस्कृति और आदत का हिस्सा नहीं बनाएगा, तब तक किसी भी सरकारी अभियान की सफलता अधूरी रहेगी।

सफाई कर्मचारियों का जीवन संघर्षों से भरा होता है। वे सुबह-सुबह तब काम शुरू कर देते हैं जब अधिकांश लोग नींद में होते हैं। तेज गर्मी, कड़ाके की सर्दी, बरसात या महामारी – हर परिस्थिति में वे सड़कों, गलियों और नालियों की सफाई करते हैं। कई बार उन्हें बिना पर्याप्त सुरक्षा उपकरणों के बेहद अस्वास्थ्यकर परिस्थितियों में काम करना पड़ता है। सीवर की सफाई करते समय जहरीली गैसों के कारण हर वर्ष कई कर्मचारियों की मृत्यु हो जाती है। इसके बावजूद समाज उन्हें वह सम्मान नहीं देता जिसके वे वास्तव में अधिकारी हैं।

कोविड-19 महामारी के दौरान जब पूरा देश घरों में बंद था, तब डॉक्टरों, पुलिसकर्मियों और सफाई कर्मचारियों ने अपनी जान जोखिम में डालकर समाज को सुरक्षित रखने का कार्य किया। उस समय लोगों ने ताली और थाली बजाकर उनका सम्मान तो किया, लेकिन समय बीतने के साथ हम फिर उन्हें भूल गए। आज भी अनेक सफाई कर्मचारी अस्थायी नौकरी, कम वेतन और असुरक्षित कार्य परिस्थितियों में काम करने को मजबूर हैं।

समाज का एक बड़ा वर्ग अब भी सफाई कार्य को हीन दृष्टि से देखता है। यह मानसिकता केवल गलत ही नहीं, बल्कि अमानवीय भी है। कोई भी काम छोटा या बड़ा नहीं होता। यदि सफाई कर्मचारी एक दिन काम बंद कर दें, तो पूरे शहर की व्यवस्था ठप पड़ सकती है। इसलिए उनका कार्य केवल नौकरी नहीं, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य और सामाजिक जीवन की रक्षा का कार्य है।

इस पूरी स्थिति का सबसे पीड़ादायक दृश्य तब दिखाई देता है जब सड़कों पर फैले कचरे में गायों को भोजन खोजते देखा जाता है। भारतीय समाज में गाय को माता का दर्जा दिया जाता है, लेकिन वास्तविकता यह है कि वही गायें प्लास्टिक, सड़ा भोजन और जहरीला कचरा खाने को मजबूर हैं। यह दृश्य हमारी सामाजिक संवेदनहीनता को उजागर करता है। श्रद्धा केवल शब्दों और नारों से नहीं, बल्कि व्यवहार से सिद्ध होती है। यदि हम सचमुच गाय को पूजनीय मानते हैं, तो हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि वह कचरे में भोजन तलाशने के लिए मजबूर न हो।

आज शहरों में बढ़ती प्लास्टिक समस्या ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है। लोग बिना सोचे-समझे प्लास्टिक का उपयोग करते हैं और उसे खुले में फेंक देते हैं। यही प्लास्टिक नालियों को जाम करती है, पर्यावरण को प्रदूषित करती है और जानवरों के लिए जानलेवा बन जाती है। सफाई कर्मचारी प्रतिदिन इस गंदगी से जूझते हैं, लेकिन समस्या की जड़ नागरिकों की लापरवाही में छिपी हुई है।

सरकारें समय-समय पर स्वच्छता अभियान चलाती हैं। ह्लस्वच्छ भारत अभियानह्व ने लोगों में जागरूकता पैदा करने का प्रयास किया, लेकिन केवल अभियान चलाने से स्थायी परिवर्तन नहीं आता। जब तक नागरिक स्वयं जिम्मेदारी नहीं निभाएँगे, तब तक स्वच्छता केवल सरकारी पोस्टरों और नारों तक सीमित रहेगी।

हमें यह समझना होगा कि सफाई केवल नगर निगम की जिम्मेदारी नहीं है। हर नागरिक का यह कर्तव्य है कि वह अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखे। कचरा अलग-अलग श्रेणियों में बाँटना, प्लास्टिक का कम उपयोग करना, सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी न फैलाना और दूसरों को भी जागरूक करना – ये छोटी-छोटी आदतें बड़े परिवर्तन ला सकती हैं।

साथ ही सफाई कर्मचारियों के अधिकारों और सम्मान की रक्षा भी उतनी ही आवश्यक है। उन्हें उचित वेतन, स्थायी रोजगार, स्वास्थ्य सुविधाएँ और सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी होनी चाहिए। सीवर सफाई जैसी खतरनाक प्रक्रियाओं में मशीनों का अधिक उपयोग होना चाहिए ताकि मानव जीवन जोखिम में न पड़े।

शिक्षा व्यवस्था में भी स्वच्छता और नागरिक जिम्मेदारी को व्यवहारिक रूप में शामिल करने की आवश्यकता है। बच्चों को केवल किताबों में स्वच्छता का पाठ पढ़ाने से काम नहीं चलेगा, बल्कि उन्हें व्यवहार में इसे अपनाने की प्रेरणा देनी होगी। जब नई पीढ़ी स्वच्छता को आदत बनाएगी, तभी समाज में वास्तविक परिवर्तन संभव होगा।

मीडिया और समाज को भी सफाई कर्मचारियों की समस्याओं और योगदान को प्रमुखता से सामने लाना चाहिए। आमतौर पर लोग उन्हें तभी याद करते हैं जब हड़ताल होती है या शहर में गंदगी फैलती है। लेकिन उनके दैनिक संघर्षों, मेहनत और योगदान पर बहुत कम चर्चा होती है। यदि समाज उन्हें सम्मान देगा, तो यह न केवल उनके आत्मविश्वास को बढ़ाएगा बल्कि स्वच्छता के प्रति सामूहिक चेतना को भी मजबूत करेगा। हमें यह भी समझना होगा कि स्वच्छता केवल सौंदर्य का विषय नहीं, बल्कि स्वास्थ्य और सभ्यता का प्रश्न है। गंदगी से मच्छर, मक्खियाँ और अनेक बीमारियाँ फैलती हैं। अस्वच्छ वातावरण बच्चों, बुजुर्गों और गरीब वर्ग के लिए सबसे अधिक खतरनाक होता है। इसलिए सफाई कर्मचारियों का कार्य सीधे-सीधे समाज के स्वास्थ्य से जुड़ा हुआ है।

आज आवश्यकता केवल सफाई कर्मचारियों की हड़ताल समाप्त कराने की नहीं, बल्कि अपनी सोच बदलने की है। हमें यह स्वीकार करना होगा कि शहरों को स्वच्छ रखने की जिम्मेदारी केवल कुछ कर्मचारियों पर नहीं डाली जा सकती। जब तक नागरिक स्वयं जिम्मेदार नहीं बनेंगे, तब तक गंदगी और अव्यवस्था की समस्या बनी रहेगी।

एचआईवी वैक्सीन की खोजः चुनौतियों के बीच चमकती उम्मीद

योगेश कुमार गोयल

पूरी दुनिया में एचआईवी एक खतरनाक वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या के रूप में उभर रहा है। एचआईवी मानव शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली पर हमला करता है और उपचार नहीं किए जाने पर एड्स में बदल सकता है। एड्स पहली बार 1981 में अमेरिका में रिपोर्ट किया गया था और देखते ही देखते यह एक विश्वव्यापी महामारी बन गया। एड्स ऐसी स्थिति होती है, जो संक्रमण से लड़ने की शरीर की क्षमता को बेहद कमजोर कर देती है। ऐसे व्यक्ति को तपेदिक, विभिन्न संक्रमण और कैंसर जैसी बीमारियों का खतरा भी बढ़ जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार विश्वभर में इस समय चार करोड़ से भी ज्यादा लोग एचआईवी से प्रभावित हैं। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक 2021 में साढ़े छह लाख लोग एचआईवी से संबंधित कारणों से मारे गए और 15 लाख लोगों को एचआईवी हुआ। डब्ल्यूएचओ का कहना है कि एचआईवी दुनियाभर में 4.01 करोड़ लोगों की मौत का कारण बन चुका है और अभी भी सभी देशों में एचआईवी संचरण देखा जा रहा है तथा कुछ देश तो नए मामलों में वृद्धि भी रिपोर्ट कर रहे हैं।

यही कारण है कि एचआईवी को आज भी सबसे गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौतियों में से एक माना जाता है। एचआईवी संक्रमण का हालांकि अभी तक कोई कारगर इलाज नहीं है लेकिन आवश्यक और प्रभावी उपचार तथा देखभाल एचआईवी से पीड़ित लोगों को लंबा और स्वस्थ जीवन जीने में मदद कर सकती है। लाइलाज मानी जाने वाली इस बीमारी के लिए टीका विकसित करने की आवश्यकता पर प्रकाश डालने के लिए 18 मई को 'विश्व एड्स वैक्सीन दिवस' मनाया जाता है, जिसे 'एचआईवी वैक्सीन जागरूकता दिवस' भी कहा जाता है। वास्तव में यह उन वैज्ञानिकों और शोधकताओं के काम का सम्मान करने का अवसर है, जो लंबे समय से एचआईवी की रोकथाम के लिए टीका बनाने के लिए प्रयासरत हैं।

पहली बार 'विश्व एड्स वैक्सीन दिवस' अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति बिल क्लिंटन के भाषण का सम्मान करते हुए 18 मई 1998 को मनाया गया था। दरअसल बिल क्लिंटन ने 18 मई 1997 को मैरीलैंड में मॉर्गन स्टेट यूनिवर्सिटी में दिए अपने भाषण में इस घातक बीमारी को रोकने और उन्मूलन में टीकाकरण के महत्व पर जोर देते हुए एचआईवी का एक ऐसा टीका विकसित करने के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी के उपयोग को बढ़ाने की आवश्यकता को रेखांकित करते हुए कहा था कि एक प्रभावी एचआईवी टीका ही एचआईवी के प्रसार को नियंत्रित करने और उन्मूलन में मदद करेगा और एचआईवी से लड़ने की लोगों की क्षमता में सुधार करेगा। तभी से वैश्विक स्तर पर कई समूहों द्वारा लोगों को एड्स निवारक उपाय करने, एड्स संबंधी शिक्षा का प्रसार करने, शोधकताओं को प्रोत्साहित करने तथा इस कार्य में आम आदमी की पूर्ण भागीदारी का आश्वासन देने के लिए विश्व एड्स वैक्सीन दिवस मनाया जाता है। विभिन्न बीमारियों के उपचार और रोकथाम के लिए टीके मानवता की सबसे बड़ी सार्वजनिक स्वास्थ्य उपलब्धियों में से एक हैं, जो मानव शरीर को वायरस अथवा बैक्टीरिया के कमजोर या निष्क्रिय रूप में उजागर करके अपना काम करते हैं और प्रतिरक्षा प्रणाली को एंटीबॉडी विकसित करने के लिए उत्तेजित करते हैं ताकि शरीर भविष्य के संक्रमण से भी लड़ सके। इसीलिए एक सफल एचआईवी टीका बनाने के लिए भी दुनियाभर के शोधकर्ता प्रयासरत हैं, जिससे वायरस के प्रसार को रोकते हुए लाखों लोगों की जान बचाने में मदद मिल सके। हालांकि पिछले कुछ वर्षों में एड्स के टीके की खोज की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है लेकिन एक कारगर सार्वभौमिक एचआईवी वैक्सीन की राह में अभी भी काफी चुनौतियां बरकरार हैं।

एचआईवी का वर्तमान में कोई सुरक्षित इलाज नहीं है, एक बार जब वायरस शरीर में प्रवेश कर जाता है तो इसे हटाया नहीं जा सकता है लेकिन हाल के वर्षों में जीवन-रक्षक एंटीरेट्रोवायरल उपचारों के आगमन ने लाइलाज मानी जाने वाली एड्स की बीमारी को लेकर स्थिति को काफी बदल दिया है और इन उपचार पद्धतियों से इलाज कराकर लोग अब लंबा तथा स्वस्थ जीवन जी सकते हैं। एंटीरेट्रोवायरल थैरेपी (एआरटी) प्रतिरक्षा प्रणाली को होने वाले नुकसान को रोक सकती है अथवा उलट सकती है। यदि रोगी एआरटी का पालन करते हैं तो ऐसे अधिकांश मरीज स्वस्थ रहते हैं। फिलहाल व्यापक रूप से तटस्थ एंटीबॉडी (बीएनएबीएस) की खोज भी एचआईवी उपभेदों की विस्तृत श्रृंखला को प्रभावी ढ़ंग से बेअसर करने में अहम भूमिका निभा रही है। इन एंटीबॉडीज ने एक ऐसी सार्वभौमिक एचआईवी वैक्सीन के विकास की आशा को प्रेरित किया है, जो वायरस के खिलाफ व्यापक सुरक्षा प्रदान करने में सक्षम है। एमआरएनए तथा वायरल वेक्टर प्रौद्योगिकियों जैसे वैक्सीन वितरण प्लेटफार्मों में प्रगति ने भी वैक्सीन विकास प्रयासों को तेज कर दिया है और सफलता की संभावनाएं काफी बढ़ गई है।

1987 में अमेरिका के मैरीलैंड में राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान (एनआईएच) में वैज्ञानिकों ने एड्स वैक्सीन पर शोध करना शुरू किया था। इस शोध प्रक्रिया को कोविड-19 वैक्सीन पर हुए शोध ने गति देने में मदद की है। जिस एम-आरएनए तकनीक का इस्तेमाल कोविड वैक्सीन में किया गया, स्क्रिप्स रिसर्च इंस्टीट्यूट के इम्यूनोला/जिस्ट अब उसी तकनीक का उपयोग एड्स वैक्सीन पर भी कर रहे हैं। बहरहाल, एक कारगर सार्वभौमिक एड्स वैक्सीन की खोज का रास्ता लंबा और कठिन भले ही माना जा रहा है लेकिन इस दिशा में अभी तक हुई प्रगति को देखते हुए एड्स वैक्सीन की खोज में आगे आने वाली चुनौतियों के बावजूद तीव्र प्रगति संभव है और वैज्ञानिकों का मानना है कि आने वाले दशकों में एड्स मुक्त दुनिया हमारी पहुंच में है।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
टाइम्स ऑफ़ पीडिया

संक्षिप्त डायरी

नोएडा में मरा हुआ चूहा लेकर चौकी पहुंची महिला

नोएडा (एजेंसी) एक्सप्रेसवे थानाक्षेत्र में मरा चूहा लेकर चौकी पहुंची महिला ने शनिवार को पुलिस को हैरान कर दिया। महिला ने पड़ोसी पर चूहा मारकर उसके घर में फेंकने का आरोप लगाते हुए मौखिक शिकायत पुलिस से की। पुलिस ने महिला को काफी समझाया। सेक्टर-134 स्थित जेपी कॉसमॉस सोसाइटी में पड़ोसियों की तनातनी इस स्तर पर पहुंच गई कि एक महिला हाथ में मरा हुआ चूहा लेकर सीधे सेक्टर 129 पुलिस चौकी जा पहुंची। महिला ने पुलिस के सामने चूहा रखते हुए कहा कि यही है मेरे पड़ोसी की करतूत का सबूत। एक पल के लिए एक्सप्रेसवे थाने में मौजूद पुलिसकर्मी भी सन्न रह गए। किसी को समझ नहीं आया कि पहले शिकायत लिखी जाए या क्या किया जाए। थाने में मौजूद लोग भी हैरानी से महिला और उसके हाथ में पकड़े सबूत को देखते रह गए। परेशान करने का आरोप दरअसल सोसायटी में रहने वाली तमन्ना नाम की महिला का आरोप है कि उसका पड़ोसी पिछले कई दिनों से उसे परेशान करने के लिए उसके फ्लैट के बाहर मरे हुए चूहे फेंक रहा है। शुरूआत में उसने इसे नजरअंदाज किया, लेकिन जब यह बार-बार होने लगा तो वह नाराज हो गई। इस बार उसने तय कर लिया कि अब मामला सीधे पुलिस तक जाएगा। पॉलिथीन में पैक कर पहुंची थाने महिला गुस्से में मरे हुए चूहे को टिश्यू और पॉलीथिन में पैक कर थाने पहुंची । वहां उसने पुलिस को पूरी कहानी सुनाई और पड़ोसी पर मानसिक उत्पीड़न का आरोप लगाया। महिला ने खुद को एनिमल लवर बताते हुए कहा कि जानवरों को मारकर इस तरह फेंकना अमानवीय है। महिला की शिकायत सुनने के बाद पुलिसकर्मियों ने बड़ी गंभीरता से उसे समझाया कि कार्रवाई के लिए लिखित शिकायत जरूरी होगी। हालांकि कुछ पुलिसकर्मी अंदर ही अंदर इस अनोखे मामले पर मुस्कुराते भी नजर आए। उधर, सोसायटी में जैसे ही इस प्रकार की शिकायत की खबर फैली, लोगों के व्हाट्सऐप ग्रुप पर चर्चा करना शुरू कर दिया। किसी ने इसे ह्वरैट वॉरह्व नाम दे दिया तो कोई बोला कि अब सोसायटी में इंसानों से ज्यादा चूहे चर्चा में हैं।

नोएडा प्राधिकरण पूरी तरह होगा डिजिटल:मोबाइल पर दिखेंगी प्रॉपर्टी की सभी फाइलें

नोएडा (एजेंसी) प्राधिकरण अधिकारियों के अनुसार इसके लिए नया इंटीग्रेटेड सॉफ्टवेयर तैयार किया जा रहा है। नोएडा प्राधिकरण अब पूरी तरह पेपरलेस सिस्टम की ओर बढ़ रहा है। प्राधिकरण ने कामकाज को तेज और पारदर्शी बनाने के लिए सभी विभागों को एकीकृत ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से जोड़ने की तैयारी शुरू कर दी है। नए सिस्टम के लागू होने के बाद प्रॉपर्टी से जुड़ी हर जानकारी अधिकारियों को मोबाइल और कंप्यूटर पर तुरंत उपलब्ध हो सकेगी। इससे फाइलों के ढेर और विभागों के चक्कर लगाने की जरूरत काफी हद तक खत्म हो जाएगी। एक क्लिक पर मिलेगी पूरी प्रॉपर्टी डिटेल प्राधिकरण अधिकारियों के अनुसार इसके लिए नया इंटीग्रेटेड सॉफ्टवेयर तैयार किया जा रहा है। इसमें प्राधिकरण के सभी मौजूदा सॉफ्टवेयर और विभागीय डाटा को एक प्लेटफॉर्म पर लिंक किया जाएगा। इससे अलग-अलग विभागों में फाइल भेजने और जानकारी जुटाने में लगने वाला समय बचेगा और काम तेजी से होगा। नई व्यवस्था लागू होने के बाद अगर कोई आवंटी भवन का नक्शा पास कराता है और बाद में जल, सीवर, बिजली या अन्य विभागों से एनओसी के लिए आवेदन करता है तो संबंधित अधिकारी को अलग-अलग फाइलें मंगाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। अधिकारी केवल सिस्टम में प्रॉपर्टी नंबर डालेंगे और पूरी जानकारी स्क्रीन पर उपलब्ध हो जाएगी। नक्शा, भुगतान और एनओसी का रिकॉर्ड रहेगा ऑनलाइन सॉफ्टवेयर में नक्शा स्वीकृति, भुगतान की स्थिति, विभागीय अनुमति और आवेदन की पूरी जानकारी ऑनलाइन उपलब्ध रहेगी। प्राधिकरण का कहना है कि इससे विभागों के बीच समन्वय बेहतर होगा और कार्यप्रणाली में पारदर्शिता आएगी। आईटी सेल को निर्देश दिए गए हैं कि सभी विभाग अपनी अपडेट और स्वीकृतियां संबंधित प्रॉपर्टी आईडी के साथ ऑनलाइन अपलोड करें, ताकि भविष्य में किसी भी विभाग को रिकॉर्ड तलाशने में परेशानी न हो। सीईओ के सामने हुआ प्रेजेंटेशन नए सॉफ्टवेयर का प्रेजेंटेशन हाल ही में नोएडा प्राधिकरण के सीईओ के सामने दिया गया। प्रस्तुति के दौरान कुछ तकनीकी और संचालन संबंधी बदलाव सुझाए गए। अब संशोधन के बाद सॉफ्टवेयर को अंतिम रूप देकर जल्द लागू करने की तैयारी की जा रही है।

नोएडा में मोबाइल टावर पर चढ़ी युवती:प्रेमी की शादी की खबर से नाराज थी

नोएडा (एजेंसी) नोएडा के सेक्टर-62 स्थित टोट मॉल रोड के सी ब्लॉक ग्रीन बेल्ट में शनिवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब एक युवती मोबाइल टावर पर चढ़ गई। युवती की उम्र करीब 20 साल बताई जा रही है। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पुलिस और दमकल विभाग की टीम पहुंच गई। पुलिस के मुताबिक, युवती ने खुद ही डायल-112 पर फोन कर सूचना दी थी। मौके पर पहुंची टीम ने पहले युवती से बातचीत की और उसे समझाने का प्रयास किया। करीब 30 मिनट की मशक्कत के बाद पुलिस ने युवती को सुरक्षित नीचे उतार लिया। प्रेमी की शादी की खबर से थी परेशान प्राथमिक जांच में सामने आया है कि युवती का एक युवक के साथ प्रेम प्रसंग चल रहा था। दोनों पिछले दो साल से मामूरा गांव में साथ रह रहे थे और एक निजी कंपनी में नौकरी करते थे। बताया जा रहा है कि हाल ही में युवक अपने गांव बिहार गया था, जहां वह किसी दूसरी युवती से शादी कर रहा है। यह जानकारी मिलने के बाद युवती मानसिक रूप से परेशान हो गई और गुस्से में टावर पर चढ़ गई। युवती के टावर पर चढ़ने की सूचना मिलते ही आसपास बड़ी संख्या में लोग मौके पर जमा हो गए। पुलिस और महिला कांस्टेबल लगातार युवती को समझाने में जुटे रहे। कई बार बातचीत के बाद युवती नीचे उतरने के लिए तैयार हुई। मेडिकल परीक्षण करा रही पुलिस पुलिस ने युवती को सुरक्षित नीचे उतारने के बाद उसका मेडिकल परीक्षण कराया। अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है।

महिला स्टार्टअप्स को 10 करोड़ तक बिना गारंटी लोन देगी दिल्ली सरकार, CM रेखा गुप्ता ने की घोषणा

नई दिल्ली (एजेंसी) मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि महिला स्वयं सहायता समूहों और महिला स्टार्टअप्स के लिए 10 करोड़ रुपये तक का कोलैटरल-फ्री लोन उपलब्ध कराया जाएगा। इस ऋण के लिए महिलाओं को कोई संपत्ति गिरवी नहीं रखनी होगी और इसकी गारंटी दिल्ली सरकार खुद लेगी। दिल्ली सरकार ने महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने की दिशा में बड़ा ऐलान किया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि महिला स्वयं सहायता समूहों और स्टार्टअप्स को 10 करोड़ रुपये तक का बिना गिरवी ऋण दिया जाएगा, जिसकी गारंटी खुद दिल्ली सरकार लेगी। सरकार अब मॉल और बड़े शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में महिलाओं के स्वदेशी उत्पादों को नियमित बाजार भी उपलब्ध कराएगी। मुख्यमंत्री शनिवार को रोहिणी वेस्ट मेट्रो स्टेशन के पास यूनिटी वन मॉल में आयोजित दो दिवसीय मेगा सेल्फ हेल्प ग्रुप (एसएचजी) मेला-2026 के उद्घाटन कार्यक्रम में शामिल हुईं। इस दौरान उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार राजधानी की महिलाओं को आत्मनिर्भर और उद्यमी बनाने के लिए बड़े स्तर पर काम कर रही है। 10 करोड़ का कोलैटरल-फ्री लोन देगी सरकार मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि महिला स्वयं सहायता समूहों और महिला स्टार्टअप्स के लिए 10 करोड़ रुपये तक का कोलैटरल-फ्री लोन उपलब्ध कराया जाएगा। इस ऋण के लिए महिलाओं को कोई संपत्ति गिरवी नहीं रखनी होगी और इसकी गारंटी दिल्ली सरकार खुद लेगी। उन्होंने कहा कि सरकार चाहती है कि ज्यादा से ज्यादा महिलाएं छोटे उद्योग, हस्तशिल्प और घरेलू कारोबार से जुड़ें और अपने उत्पाद बाजार तक पहुंचाएं। बेहद खास हैं स्वदेशी उत्पाद सीएम ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वदेशी अपनाओ, आत्मनिर्भर भारत और वन डिस्ट्रिक्ट, वन प्रोडक्ट विजन को आगे बढ़ाने के लिए ऐसे मेले अहम भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत में बने हस्तशिल्प, खादी और घरेलू उत्पाद गुणवत्ता में किसी से कम नहीं हैं, जरूरत सिर्फ बेहतर मार्केटिंग और प्लेटफॉर्म की है। स्वदेशी उत्पादों के लिए तय होगी जगह मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार अब मॉल और बड़े शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में स्वदेशी उत्पादों के लिए नियमित जगह उपलब्ध कराएगी, ताकि महिलाओं द्वारा तैयार सामान को बड़ा बाजार मिल सके। उन्होंने लोगों से विदेशी वस्तुओं की बजाय स्थानीय और स्वदेशी उत्पाद खरीदने की अपील भी की। मेले में कई बैंकों को किया शामिल मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार महिलाओं की बैंकिंग और वित्तीय पहुंच मजबूत करने पर भी काम कर रही है। इसी वजह से मेले में विभिन्न बैंकों को भी शामिल किया गया, ताकि महिलाओं को आसान ऋण और वित्तीय सलाह मिल सके। मेले में करीब 24 स्वयं सहायता समूहों ने हिस्सा लिया। यहां हस्तशिल्प, क्रोशिया कार्य, खादी, घरेलू उत्पाद, खाद्य सामग्री और अन्य हस्तनिर्मित वस्तुओं की प्रदर्शनी और बिक्री की गई। उत्तर पश्चिम जिले के वन डिस्ट्रिक्ट, वन प्रोडक्ट के तहत हस्तशिल्प उत्पादों को विशेष रूप से प्रदर्शित किया गया। कार्यक्रम में सांसद योगेंद्र चंदोलिया, विधायक कुलवंत राणा, उत्तर पश्चिम जिले की डीएम सौम्या सौरभ, बैंक प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में महिला स्वयं सहायता समूहों की सदस्य मौजूद रहीं। मेले का आयोजन उत्तर पश्चिम जिला प्रशासन ने किया है। छोटी कोशिशें कर रहीं महिलाओं को मजबूत मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाओं की छोटी-छोटी कोशिशें न सिर्फ परिवार की आय बढ़ा रही हैं, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था को भी मजबूती दे रही हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि ऐसे आयोजनों से महिलाओं को नया बाजार, पहचान और रोजगार के अवसर मिलेंगे।

9वीं तक पढ़े राजकुमार ने खड़ा किया फजीवाड़े का नेटवर्क, फर्जी कंपनियों को चलाते थे असली जैसा

नई दिल्ली (एजेंसी) दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने फर्जी कंपनियां बनाकर बड़े पैमाने पर जीएसटी धोखाधड़ी करने वाले संगठित गिरोह का पदार्फाश किया है। पुलिस ने मास्टरमाइंड समेत छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जीएसटी बिलों में हेराफेरी कर सरकारी खजाने को चूना लगाने वाले गिरोह का मास्टरमाइंड नौवीं कक्षा तक पढ़ा राजकुमार दीक्षित अब तक 250 से अधिक शेल कंपनियां रजिस्टर्ड करा चुका है। दिल्ली पुलिस के सूत्रों का कहना है कि इस नेटवर्क के जरिए हजारों करोड़ रुपये की जीएसटी धोखाधड़ी की गई हो सकती है। फिलहाल एक कंपनी की जांच में ही 128 करोड़ रुपये के फर्जी लेनदेन और करोड़ों रुपये के इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) घोटाले का खुलासा हुआ है। अब तक पुलिस को 50 फर्जी कंपनियों का पता चल चुका है। जांच में सामने आया है कि राजकुमार ने अपने भाइयों और साथियों के साथ मिलकर इस फजीवाड़े का नेटवर्क कई राज्यों तक फैला दिया था। पुलिस अब गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की तलाश में जुटी है। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि कहीं इस पूरे खेल में जीएसटी विभाग के कर्मचारी या अन्य लोग भी शामिल तो नहीं हैं। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के अनुसार, राजकुमार के करीबी अमर कुमार और विभाष कुमार पढ़ाई के लिए दिल्ली आए थे। दोनों चार्टर्ड अकाउंटेंट बनने की तैयारी कर रहे थे, लेकिन सफलता नहीं मिलने के बाद अकाउंटेंसी और जीएसटी फाइलिंग का काम करने लगे। इसी दौरान उनकी मुलाकात राजकुमार और फरार आरोपी दिलीप कुमार से हुई। इसके बाद दोनों फर्जी दस्तावेज के जरिए शेल कंपनियां बनाकर जीएसटी धोखाधड़ी करने वाले नेटवर्क का हिस्सा बन गए। इतने शातिर...फर्जी कंपनियों को असली जैसा चलाते थे आरोपियों का तरीका बेहद संगठित था। फर्जी कंपनियों के लिए स्टांप, कागजात और अन्य दस्तावेज तैयार कर उन्हें वास्तविक कारोबारी फर्म की तरह संचालित किया जाता था। जांच में सामने आया कि शाहदरा निवासी नितिन वर्मा शुरूआत में खुद की शेल कंपनियां चलाता था, लेकिन बाद में राजकुमार और दिलीप के नेटवर्क से जुड़ गया। वहीं पुरानी दिल्ली के जामा मस्जिद इलाके का रहने वाला वसीम फर्जी आईटीसी दावों के लिए बैंक खाते उपलब्ध कराता था। दूसरी ओर मीट कारोबार से जुड़ा आबिद भी बैंक खातों के जरिए नेटवर्क को सहयोग दे रहा था। पुलिस फरार अन्य मुख्य आरोपी दिलीप कुमार की तलाश में जुटी है।

जनकपुरी स्कूल में बच्ची के यौन उत्पीड़न की जांच के लिए कमेटी गठित, एलजी की संजीदगी के बाद पुलिस सक्रिय

नई दिल्ली (एजेंसी) इस मामले में उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने जांच के आदेश दिए हैं। दिल्ली पुलिस आयुक्त सतीश गोलचा ने इस मामले में वरिष्ठ महिला पुलिस अधिकारी की देखरेख में कमेटी का गठन किया है। पश्चिमी दिल्ली के जनकपुरी में प्राइवेट स्कूल में तीन वर्ष की छात्रा के यौन उत्पीड़न का मामला तूल पकड़ रहा है। इस मामले में उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने जांच के आदेश दिए हैं। दिल्ली पुलिस आयुक्त सतीश गोलचा ने इस मामले में वरिष्ठ महिला पुलिस अधिकारी की देखरेख में कमेटी का गठन किया है। साथ ही रानी बाग में स्लीपर बस में महिला के साथ सामूहिक दुष्कर्म के मामले में भी जांच के आदेश दिए हैं। बताया जा रहा कि दिल्ली के उपराज्यपाल दिल्ली के वरिष्ठ अधिकारियों ने नाखुश हैं। दिल्ली पुलिस के एक वरिष्ठ सूत्र ने बताया कि उपराज्यपाल ने दिल्ली पुलिस आयुक्त गोलचा व अन्य अधिकारियों को शुक्रवार शाम को एलजी हाउस तलब किया था। साथ ही जनकपुरी स्कूल में यौन उत्पीड़न व रानी बाग में हुए सामूहिक दुष्कर्म की विस्तृत जांच रिपोर्ट मांगी थी। दिल्ली पुलिस अधिकारियों ने एलजी को रानीबाग सामूहिक दुष्कर्म के बारे में बताया कि ये पैसे का विवाद था। एलजी से मिलने के बाद दिल्ली पुलिस आयुक्त ने जनकपुरी स्कूल मामले में एक कमेटी बनाई है और जांच के आदेश दिए हैं। दिल्ली ट्रैफिक में तैनात अतिरिक्त पुलिस आयुक्त विजेंयता आर्य की देखरेख में कई महिला पुलिस अधिकारियों की कमेटी बनाई है। दिल्ली पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि जनकपुरी दुष्कर्म में पीड़ित पक्ष ने आरोपियों पर राजनीतिक हस्तक्षेप व पक्ष लेने के आरोप लगाए हैं। इसके बाद ये मामला तूल पकड़ता चला गया। साथ ही इस मामले में गिरफ्तार स्कूल के गार्ड को जल्द ही जमानत मिल गई थी। इस मामले में आप के नेताओं ने एलजी हाउस पर प्रदर्शन भी किया था। एलजी सीनियर पुलिस अधिकारियों से नाखुश दिल्ली पुलिस का करोड़पति इंस्पेक्टर सुभाष चंद प्रकरण, विशेष पुलिस आयुक्त स्तर के आईपीएस अधिकारियों का अचानक दिल्ली से बाहर तबादला व तुरंत रवानगी, आईपीएस अधिकारियों के निजी स्टाफ की पैसे के लेन-देन में भूमिका सामने आना या फिर आए दिन रिश्वत लेते हुए पकड़े जा रहे ।

128 करोड़ के जीएसटी घोटाले में छह गिरफ्तार, 50 फर्जी कंपनियों का सिंडिकेट बेनकाब; 51 लाख रुपये जब्त

नई दिल्ली (एजेंसी) पुलिस ने सरगना समेत छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। शुरूआती जांच के अनुसार, महज एक कंपनी के जरिये 128 करोड़ रुपये का फर्जी कारोबार दिखाकर सरकारी खजाने को करोड़ों की चपत लगाई गई। दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने फर्जी कंपनियां बनाकर बड़े पैमाने पर जीएसटी धोखाधड़ी करने वाले संगठित गिरोह का पदार्फाश किया है। पुलिस ने सरगना समेत छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। शुरूआती जांच के अनुसार, महज एक कंपनी के जरिये 128 करोड़ रुपये का फर्जी कारोबार दिखाकर सरकारी खजाने को करोड़ों की चपत लगाई गई। इस फजीवाड़े से आरोपियों ने करीब 10 करोड़ रुपये का इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) भी हासिल किया है। गिरफ्तार आरोपियों में दिल्ली निवासी मास्टरमाइंड राजकुमार दीक्षित (43), गाजियाबाद के वसुंधरा निवासी विभाष मित्रा (34), मथुरा निवासी अमर (35), दिल्ली निवासी नितिन वर्मा (43), मो. वसीम (30) व आबिद (35) को भी दबोचा गया है। एक अन्य मुख्य आरोपी दिलीप कुमार फरार है। 50 शेल कंपनियों का पता चला, हजारों करोड़ के लेनदेन की आशंका पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 51.12 लाख रुपये नकद, 15 मोबाइल फोन, दो कारें, कई लैपटॉप, फर्जी मुहरें, नकली जीएसटी बिल और बड़ी मात्रा में फर्जी दस्तावेज बरामद किए हैं। जांच के दौरान अब तक 50 शेल कंपनियों का पता चला है। आशंका जताई जा रही है कि इन कंपनियों के जरिए हजारों करोड़ रुपये के फर्जी लेनदेन कर सरकारी राजस्व को भारी नुकसान पहुंचाया गया। ऐसे होता था खेल पूछताछ में आरोपियों ने खुलासा किया कि वे फर्जी कंपनियां बनाकर बिना किसी वास्तविक माल की खरीद-बिक्री के नकली बिल तैयार करते थे। फिर बैंकिंग चैनलों के जरिए लेनदेन को वैध दिखाया जाता था। इन फर्जी बिलों के आधार पर करोड़ों रुपये का कारोबार दर्शाकर जीएसटी रिटर्न दाखिल किए जाते और आईटीसी के नाम पर सरकारी खजाने से रकम हासिल कर ली जाती थी। नौकरी का झांसा देकर दस्तावेज लिए, उसी कागजात पर खड़ी कर दी फर्जी कंपनी, अब तक 250 से अधिक शेल कंपनियां रजिस्टर्ड करा चुका जीएसटी बिलों में हेराफेरी कर सरकारी खजाने को चूना लगाने वाले गिरोह का मास्टरमाइंड नौवीं कक्षा तक पढ़ा राजकुमार दीक्षित अब तक 250 से अधिक शेल कंपनियां रजिस्टर्ड करा चुका है।

दिल्ली एयरपोर्ट पर 5.5 करोड़ का सोना बरामद, भारतीय मूल का अमेरिकी नागरिक गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी) अधिकारियों ने भारतीय मूल के एक अमेरिकी नागरिक को गिरफ्तार कर उसके पास से 5.5 करोड़ रुपये से अधिक कीमत की 115 सोने की छड़ें (गोल्ड बार) बरामद की हैं। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर सीमा शुल्क विभाग की एयर इंटेलिजेंस यूनिट ने सोने की तस्करी के बड़े मामले का खुलासा किया है। अधिकारियों ने भारतीय मूल के एक अमेरिकी नागरिक को गिरफ्तार कर उसके पास से 5.5 करोड़ रुपये से अधिक कीमत की 115 सोने की छड़ें (गोल्ड बार) बरामद की हैं। अधिकारी के अनुसार, आरोपी सैन फ्रांसिस्को से एअर इंडिया की उड़ान एआई-4174 से दिल्ली पहुंचा था। वह ग्रीन चैनल से बाहर निकलने की कोशिश कर रहा था। संदेह के आधार पर सीमा शुल्क अधिकारियों ने उसे रोककर जांच की। तलाशी के दौरान उसकी पैंट की अंदरूनी परत में विशेष रूप से बनाई गई गुप्त जेबें मिलीं। इनमें 3,565 ग्राम वजन की 24 कैरेट शुद्धता वाली 115 सोने की छड़ें छिपाकर रखी गई थीं। बरामद सोने की शुद्धता 999.9 बताई गई है। उससे पूछताछ की जा रही है। सीमा शुल्क विभाग ने सोना जब्त कर आरोपी को सीमा शुल्क अधिनियम 1962 की धारा 104 के तहत गिरफ्तार कर लिया है। मामले की आगे जांच की जा रही है। सोने की तस्करी में तेजी वरिष्ठ अधिकारियों के मुताबिक, पिछले एक सप्ताह में सोने की तस्करी के प्रयासों में तेजी देखी गई है। उनका कहना है कि सोने पर सीमा शुल्क 6% से बढ़ाकर 15% किए जाने के बाद अंतरराष्ट्रीय तस्करी गिरोहों का मुनाफा बढ़ गया है। इसी कारण तस्कर अब ज्यादा उन्नत तरीके अपनाकर सोना छिपाने की कोशिश कर रहे हैं। सीमा शुल्क विभाग ने कहा कि हवाईअड्डों पर निगरानी और सख्त कर दी गई है। इसके लिए रीयल टाइम यात्री डेटा विश्लेषण, जोखिम पहचान प्रणाली और कड़ी तलाशी व्यवस्था का इस्तेमाल किया जा रहा है।

80 वर्षीय बुजुर्ग ने सो रही अपनी पत्नी की धारदार हथियार से की हत्या, संदेह से उपजे विवाद में ली जान

नई दिल्ली (एजेंसी) वारदात के बाद आरोपी आला कत्ल लेकर पुलिस चौकी पहुंचा और कहा कि मुझे गिरफ्तार कर लो। मैंने अपनी पत्नी की हत्या कर दी है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। रावली कलां गांव में शनिवार तड़के 80 वर्षीय बुजुर्ग ने सो रही 72 वर्षीय अपनी पत्नी की धारदार हथियार से हत्या कर दी। वारदात के बाद आरोपी आला कत्ल लेकर पुलिस चौकी पहुंचा और कहा कि मुझे गिरफ्तार कर लो। मैंने अपनी पत्नी की हत्या कर दी है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। एसीपी भास्कर वर्मा ने बताया कि बुजुर्ग दंपती के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। आरोपी अपनी पत्नी पर शक करता था। बेटी की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। पुलिस के अनुसार, रावली कलां गांव निवासी प्रवीण कुमार मजदूरी कर परिवार का पालन-पोषण करते हैं। परिवार में पत्नी कंचन और बेटे कुणाल व अजय हैं। करीब छह साल पहले कंचन के माता-पिता हरपाल सिंह (80) और उर्मिला देवी (72) भी मोरटा गांव से आकर रहने लगे थे। बताया गया कि बुजुर्ग दंपती के बीच वर्षों से विवाद चल रहा था। किसी न किसी बात आए दिन झगड़ा होता था। दो दिन पहले प्रवीण पत्नी के साथ शादी में मेरठ के मवाना गए थे। घर पर दोनों बच्चे और सास-ससुर थे। शुक्रवार रात हरपाल और उर्मिला बरामदे में चारपाई पर सो रहे थे। कुणाल और अजय अपने कमरे में थे। तड़के पुलिस घर पहुंची तो बच्चों की आंख खुली। घर के बरामदे में उर्मिला देवी को लहूलुहान देखकर बच्चे चौंक गए। उन्हें सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उनको मृत घोषित कर दिया। परिजनों के अनुसार, 35 वर्षीय बेटे कपिल की पांच साल पहले हुई मौत के बाद हरपाल का मानसिक संतुलन धीरे-धीरे बिगड़ने लगा। बीते लगभग तीन वर्षों से स्थिति और ज्यादा खराब हो गई थी। वह पत्नी उर्मिला पर बात-बात पर शक करते थे और उनके बीच आए दिन झगड़ा होता था।

पानी संकट से निजात की उम्मीद बने 101 जलाशयों का कायाकल्प महाअभियान शुरू, संधू ने आरंभ किया संचय अभियान

नई दिल्ली (एजेंसी) उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधु ने शनिवार को पश्चिम विहार के डिस्ट्रिक्ट पार्क से डीडीए के जल संचय अभियान का शुभारंभ किया। इसके तहत पहले चरण में दिल्ली के 101 प्रमुख जलाशयों का कायाकल्प किया जाएगा, जिसका सीधा उद्देश्य राजधानी के रसातल में जा रहे भूजल को फिर से जीवित करना है।भीषण गर्मी और गहराते जल संकट से निजात पाने के लिए राजधानी में बड़ी पहल शुरू हुई है। उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधु ने शनिवार को पश्चिम विहार के डिस्ट्रिक्ट पार्क से डीडीए के जल संचय अभियान का शुभारंभ किया। इसके तहत पहले चरण में दिल्ली के 101 प्रमुख जलाशयों का कायाकल्प किया जाएगा, जिसका सीधा उद्देश्य राजधानी के रसातल में जा रहे भूजल को फिर से जीवित करना है। यह पहल इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि दिल्ली ऐतिहासिक रूप से अपनी बावलियों, जलाशयों और प्राकृतिक धाराओं के लिए जानी जाती थी, जो शहरीकरण और अतिक्रमण की भेंट चढ़ गए। उपराज्यपाल ने कहा कि यह केवल जलाशयों के सौंदर्यीकरण का प्रोजेक्ट नहीं है, बल्कि पारिस्थितिक संतुलन और स्थायी शहरी विकास की दिशा में एक ठोस कदम है। मानसून के पानी को सहेजने की तैयारी उपराज्यपाल ने निर्देश दिए कि पहले चरण के तहत चिह्नित सभी 101 जलाशयों के जीर्णोद्धार का काम 30 अगस्त तक हर हाल में पूरा कर लिया जाए। इसके पीछे मुख्य रणनीति यह है कि मानसून की बारिश शुरू होने से पहले इन जलाशयों की ड्रेजिंग (मिट्टी निकालना), खुदाई और सफाई का काम पूरा हो जाए। इन जलाशयों के प्राकृतिक जलग्रहण (कैचमेंट) चैनलों को भी साफ किया जा रहा है, ताकि बारिश का एक-एक बूंद पानी बिना किसी रुकावट के इन तालाबों तक पहुंचे और जमीन के भीतर जाकर भूजल स्तर को बढ़ा सके। द्वारका-दक्षिण दिल्ली पर खास फोकस डीडीए के पास कुल 822 जलाशय हैं, जिनमें से 424 को कयाकल्प के लिए चुना गया है। उनमें से 101 पर युद्ध स्तर पर काम शुरू कर दिया गया है। जल संकट से सबसे ज्यादा प्रभावित रहने वाले इलाकों को इस योजना में प्राथमिकता दी गई है। करीब 155 हेक्टेयर (383 एकड़) क्षेत्र में फैले इन 101 जलाशयों में सबसे अधिक 22 जलाशय द्वारका जोन में हैं। इसके अलावा दक्षिण दिल्ली में 13, रोहिणी में 17 और नरेला में 6 जलाशयों का कायाकल्प किया जाएगा। पश्चिम विहार के जिस डिस्ट्रिक्ट पार्क से अभियान शुरू हुआ, वहां का 1.47 हेक्टेयर का जलाशय भी इस सूची में शामिल है। दूसरे चरण में लगेंगे एसटीपी अभियान के दूसरे चरण की रूपरेखा भी तैयार कर ली गई है, जिसे मई 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य है। इस चरण में

जलाशयों की घेराबंदी (फेंसिंग), तटबंधों को मजबूत करना और जहां संभव हो, वहां छोटे सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) लगाना शामिल है, ताकि जलाशयों में केवल साफ पानी ही रहे। इनके चारों ओर बड़े पैमाने पर पौधरोपण किया जाएगा, ताकि ये इलाके दिल्ली के ह्यफेफड़ोंह्ल के रूप में भी काम कर सकें। इस अवसर पर विधायक करनैल सिंह और डीडीए उपाध्यक्ष एन. सरवन कुमार भी मौजूद रहे।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
टाइम्स ऑफ़ पीडिया

बेटे के टॉपर बनने पर सांवलिया सेठ को चढ़ाई चांदी की किताब

जयपुर (एजेंसी)। उदयपुर के प्रसिद्ध सांवलियाजी मंदिर के प्रति श्रद्धा और अटूट आस्था का एक बेहद अनोखा उदाहरण सामने आया है। अपने बेटे के शानदार परीक्षा परिणाम से खुश होकर एक परिवार ने अपनी मन्नत पूरी होने पर भगवान सांवलिया सेठ के दरबार में चांदी की एक विशेष किताब अर्पित की है। परिवार द्वारा दी गई यह अनोखी भेंट अब पूरे इलाके में चर्चा का विषय बनी हुई है। उदयपुर के प्रताप नगर निवासी बर्तन व्यवसायी सुनील काबरा अपने बेटे चिन्मय काबरा और पूरे परिवार के साथ सांवलियाजी मंदिर पहुंचे, जहां उन्होंने राजभोग आरती के दौरान भगवान को करीब 50 ग्राम चांदी से निर्मित यह अनूठी किताब भेंट की। व्यवसायी सुनील काबरा ने बताया कि उन्होंने अपने बेटे के बेहतर भविष्य और अच्छे परीक्षा परिणाम के लिए भगवान सांवलिया सेठ से विशेष मन्नत मांगी थी। हाल ही में घोषित हुए सीबीएसई 12वीं कॉमर्स के रिजल्ट में उनके बेटे चिन्मय काबरा ने 97 प्रतिशत अंक हासिल कर न केवल परिवार का नाम रोशन किया, बल्कि वह अपने स्कूल के टॉपर बनने के साथ-साथ पूरे जिले के टॉपर भी बने हैं। बेटे की इस ऐतिहासिक सफलता से पूरे परिवार में उत्सव और खुशी का माहौल है। इस मन्नत को पूरा करने के लिए चांदी की यह खास किताब अहमदाबाद के कारीगरों से विशेष ऑर्डर देकर तैयार करवाई गई थी। इस अनूठी किताब में कुल पांच पन्ने बनाए गए हैं। इसके पहले पन्ने पर एक तरफ 'श्री सांवलिया सेठ की जय' और दूसरी तरफ '12वीं पास' खूबसूरती से अंकित किया गया है। किताब के दूसरे पन्ने पर भगवान सांवलिया सेठ की मनमोहक तस्वीर उकेरी गई है, जबकि बाकी के पन्नों पर भगवान के जयकारे और विभिन्न धार्मिक चित्र बनाए गए हैं। मंदिर परिसर में चांदी की इस कलात्मक किताब को देखने के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। चिन्मय ने अपनी इस शानदार सफलता का पूरा श्रेय अपने माता-पिता के त्याग, शिक्षकों के मार्गदर्शन और भगवान सांवलिया सेठ के परम आशीर्वाद को दिया है। चिन्मय ने अपने भविष्य के लक्ष्यों को साझा करते हुए बताया कि वह आगे चलकर चार्टर्ड अकाउंटेंट बनना चाहते हैं और इसके लिए उन्होंने अभी से अपनी कठिन तैयारी भी शुरू कर दी है। परिजनों के अनुसार, चिन्मय शुरू से ही मेधावी छात्र रहे हैं और वह अपनी 10वीं की बोर्ड परीक्षा में भी टॉपर रह चुके हैं। मंदिर में दर्शन और इस विशेष भेंट के दौरान चिन्मय के साथ उनके पिता सुनील काबरा, मां डिंपल काबरा और बहन चार्वी काबरा भी मौजूद रहीं, जिन्होंने भगवान का आभार व्यक्त किया।

जब मैं राजनीति में नहीं हूं, तो मुझे उनसे ईर्ष्या क्यों होनी चाहिए?

चेन्नई (एजेंसी)। दिग्गज एक्टर रजनीकांत ने रविवार को अपने आवास पर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की, जिसमें उन्होंने राज्य के पूर्व सीएम एमके स्टालिन के साथ अपनी हालिया मुलाकात को लेकर हो रही आलोचनाओं के बीच अपनी राजनीतिक स्थिति स्पष्ट की। उन्होंने कहा कि विजय के सीएम बनने की खबर सुनकर वो हैरान थे। उन्होंने कहा कि वे अब राजनीति में सक्रिय नहीं हैं और कई सालों से इससे दूर हैं। रजनीकांत ने कहा कि उनके और विजय के बीच उम्र में 28 साल का अंतर है और विजय ने दो प्रमुख राजनीतिक दलों (डीएमके-एआईएडीएमके) के खिलाफ खड़े होकर स्वतंत्र रूप से अपनी पहचान बनाई है। जब मैं राजनीति में नहीं हूं, तो मुझे उनसे ईर्ष्या क्यों होनी चाहिए?

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रजनीकांत ने कहा कि प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित करने का फैसला इसलिए किया क्योंकि उनके राजनीतिक रुख और स्टालिन के साथ उनकी मुलाकात के बारे में बार-बार की जा रही आलोचनाओं का अगर जवाब नहीं दिया गया तो उन्हें सच मान लिया जाएगा। रजनीकांत ने चुनाव परिणामों के बाद स्टालिन के साथ अपनी मुलाकात का बचाव करते हुए कहा कि उनका रिश्ता राजनीति से परे है। उन्होंने कहा कि मुझे दुख हुआ कि एमके स्टालिन कुलथुर से हार गए। रजनीकांत कोई घटिया या निम्न स्तर के व्यक्ति नहीं हैं जो बेवजह किसी और बात पर टिप्पणी करें। रजनीकांत ने विजय के सीएम बनने पर अपनी प्रतिक्रिया को लेकर हो रही आलोचनाओं का भी जवाब दिया। उन्होंने कहा कि मेरे बारे में यह भी कहा गया कि मैंने एयरपोर्ट पर विजय को बधाई नहीं दी। उन्होंने कहा कि मैंने उनकी जीत के तुरंत बाद एक्स पर बधाई संदेश पोस्ट किया था। जब मैं राजनीति में नहीं हूं, तो मुझे उनसे ईर्ष्या क्यों होनी चाहिए? जिसके भाग्य में जो लिखा है, वो होकर रहेगा और जिसका नहीं लिखा है, वो नहीं होगा। बता दें रजनीकांत की यह टिप्पणियां चुनाव परिणामों के बाद तमिलनाडु में चल रही गहन राजनीतिक चर्चाओं और राज्य में फिल्म जगत की हस्तियों और मुख्यधारा की राजनीतिक पार्टियों के बीच राजनीतिक समीकरणों को लेकर अटकलों के बीच आई है।

राजीव गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट हाई अलर्ट पर

हैदराबाद (एजेंसी)। राजीव गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर रविवार को उस समय हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया जब नीदरलैंड से आने वाली एक अंतर्राष्ट्रीय उड़ान को बम से उड़ाने की धमकी ईमेल के जरिए प्राप्त हुई। धमकी मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियां तुरंत सक्रिय हो गईं और एयरपोर्ट परिसर में व्यापक तलाशी अभियान शुरू किया गया। जानकारी के अनुसार, ईमेल में फ्लाइट को निशाना बनाने की बात कही गई थी, जिसके बाद एयरपोर्ट प्रशासन ने पुलिस, बम निरोधक दस्ता और अन्य सुरक्षा एजेंसियों को सतर्क कर दिया। यात्रियों और उनके सामान की सघन जांच की जा रही है, जबकि पूरे टर्मिनल परिसर में सुरक्षा व्यवस्था को और कड़ा कर दिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि अब तक किसी भी संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक सामग्री की पुष्टि नहीं हुई है। स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है और जांच पूरी होने तक सुरक्षा प्रोटोकॉल सख्ती से लागू रहेगा।

एक दिन पहले भी मिली थी धमकी - यह घटना ऐसे समय में सामने आई है जब एक दिन पहले ही कुआलालंपुर से हैदराबाद आ रही एयरएशिया की एक उड़ान को भी इसी तरह की बम धमकी मिली थी। हालांकि उस मामले में सुरक्षा जांच के बाद धमकी को झूठा पाया गया था। जांच में पता चला था कि ईमेल के जरिए फ्लाइट में आत्मघाती हमलावर होने का दावा किया गया था, जो बाद में निराधार साबित हुआ। एयरपोर्ट प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और सुरक्षा जांच में सहयोग करें। सुरक्षा एजेंसियां धमकी देने वाले ईमेल के स्रोत का पता लगाने में जुटी हुई हैं।

तमिलनाडु की राजनीति में थलापति विजय का नया धमाका

- विश्वास मत जीतने के बाद अब राज्यसभा में एंट्री की तैयारी

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री थलापति विजय इस वक्त पूरे देश के राजनीतिक गलियारों में सबसे चर्चित चेहरा बन गए हैं। हालिया विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी तमिलगा वेत्री कड़गम (टीवीके) को मिली शानदार सफलता के बाद वह राज्य में अपनी सरकार बनाने में कामयाब रहे हैं। अपने दम पर बहुमत के आंकड़े से थोड़ा दूर रहने के बावजूद विजय ने विधानसभा में भारी मतों से विश्वास मत हासिल कर अपनी राजनीतिक कुशलता का लोहा मनवा दिया है। अब उनके लिए एक और बड़ी खुशखबरी आने वाली है, जिसकी धमक सीधे दिल्ली दरबार तक सुनाई देगी। विधानसभा चुनाव में ऐतिहासिक प्रदर्शन के बाद टीवीके अब देश की संसद के ऊपरी सदन यानी राज्यसभा में भी अपनी मौजूदगी दर्ज कराने की पूरी तैयारी में है।

बीते तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में टीवीके ने राज्य की दशकों पुरानी स्थापित राजनीति को पूरी तरह झकझोर कर रख दिया। पार्टी ने 234 सदस्यीय विधानसभा में अकेले 108 सीटों पर प्रचंड जीत हासिल की। थलापति विजय की यह उपलब्धि इसलिए भी बेहद अहम मानी जा रही है क्योंकि उन्होंने राज्य में पिछले करीब छह दशकों से चली आ रही पारंपरिक द्रविड़ राजनीति के वर्चस्व को चुनौती देकर तोड़ दिया है। उनकी इस शानदार जीत का सीधा असर अगले महीने होने वाले राज्यसभा के समीकरणों पर साफ दिखाई पड़ने वाला है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि राज्यसभा में अपने सदस्य को भेजने की टीवीके की मुराद बहुत जल्द पूरी हो सकती है। इस पूरे घटनाक्रम की शुरुआत एआईएडीएमके के एक प्रमुख नेता से जुड़ी है। एआईएडीएमके के सी. वीई. शानमुगम ने हाल ही में मैलाम विधानसभा सीट से चुनाव जीता है। विधायक चुने जाने से पहले शानमुगम राज्यसभा के सदस्य थे, लेकिन चार मई को विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद उन्होंने नियमतः राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। इसके चलते तमिलनाडु से संसद के ऊपरी सदन की एक सीट खाली हो गई है। खास बात यह है कि शानमुगम एआईएडीएमके के उस बागी गुट का हिस्सा हैं जिसने विश्वास मत के दौरान पार्टी लाइन से अलग जाकर थलापति विजय की सरकार को खुला समर्थन दिया था। ऐसे में इस खाली सीट के लिए अगले महीने उपचुनाव होने की पूरी संभावना है।

अगर विधानसभा के मौजूदा गणित को समझें, तो देश के आठ राज्यों में जून के मध्य में करीब 23 राज्यसभा सीटों के लिए उपचुनाव होने वाले हैं। इनमें से एक सीट तमिलनाडु की है। विधानसभा में बदले समीकरणों और संख्या बल के लिहाज से इस सीट पर टीवीके का दावा सबसे मजबूत है क्योंकि राज्य में इस वक्त उसके पास सबसे अधिक विधायक हैं। हालांकि राज्य में नियमित तौर पर जून 2028 में छह राज्यसभा सीटों के लिए चुनाव होने हैं, जिसमें संख्या बल के आधार पर टीवीके अपने दम पर आसानी से तीन सीटें जीत लेगी। लेकिन इस मौजूदा उपचुनाव में जीत दर्ज कर थलापति विजय की पार्टी संसद में अपना खाता खोल सकती है, जो दिल्ली की राजनीति में उनकी पार्टी की सीधी और धमाकेदार एंट्री होगी।

सुप्रीम कोर्ट को मिलेंगे 4 नए जज, अब जजों की संख्या हुई 37, नियुक्ति को राष्ट्रपति मुर्मू ने दी मंजूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने एक बड़ा कदम उठाते हुए सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीशों की स्वीकृत संख्या को 33 से बढ़ाकर 37 कर दिया है। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने सोशल मीडिया के माध्यम से यह महत्वपूर्ण जानकारी साझा की है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रपति ने सुप्रीम कोर्ट (न्यायाधीशों की संख्या) संशोधन अध्यादेश, 2026 को अपनी आधिकारिक मंजूरी दे दी है। इस नए अध्यादेश के लागू होने के साथ ही सुप्रीम कोर्ट (न्यायाधीशों की संख्या) अधिनियम, 1956 में आवश्यक संशोधन कर दिया गया है। इस फैसले की खास बात यह है कि जजों की इस बढ़ी हुई संख्या में भारत के मुख्य न्यायाधीश शामिल नहीं हैं। इसका सीधा मतलब यह है कि मुख्य न्यायाधीश को मिलाकर अब सर्वोच्च न्यायालय में कुल न्यायाधीशों की संख्या बढ़कर 38 हो जाएगी। केंद्रीय कानून मंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पहले ट्विटर) पर पोस्ट कर बताया कि राष्ट्रपति द्वारा जारी इस अध्यादेश के माध्यम से मुख्य न्यायाधीश को छोड़कर सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या को 33 से बढ़ाकर 37 करने का रास्ता अब पूरी तरह से साफ हो गया है। केंद्र सरकार द्वारा लिया गया यह फैसला देश की सबसे बड़ी अदालत में लंबित मुकदमों के भारी बोझ को कम करने के उद्देश्य से प्रेरित है। वर्तमान समय में न्यायालयों पर मामलों का अत्यधिक दबाव है, जिसके कारण न्याय प्रक्रिया में देरी होती है। सरकार को उम्मीद है कि जजों की संख्या में इस बढ़ोतरी से मुकदमों के निपटारे (केस डिस्पोजल) की कार्यवाही में तेजी आएगी। इससे न केवल न्यायिक प्रणाली सुदृढ़ होगी, बल्कि देश के आम नागरिकों को भी समय पर और जल्द न्याय मिल सकेगा।

अब दो नहीं, तीसरा और चौथा बच्चा होने पर सरकार देगी हजारों का इनाम

-आंध्र प्रदेश में घटती आबादी को लेकर सीएम चंद्रबाबू नायडू ने लॉन्च की योजना

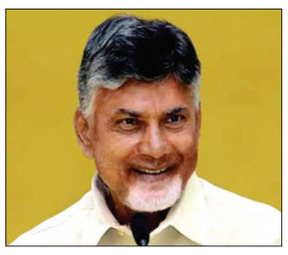

नई दिल्ली (एजेंसी)। अगर आपका तीसरा बच्चा हुआ तो आपको किसी भी सरकारी स्कीम का फायदा नहीं मिलेगा ऐसा था, लेकिन अब आप भारत में दो से ज्यादा बच्चे होने पर आपको इनाम दिया जाएगा। हां यह सच है, तीसरे बच्चे पर आपको 30 हजार रुपए सरकार देगी। वहीं, चौथे बच्चे पर यह इनाम बढ़कर 40 हजार हो जाएगा। दरअसल, यह योजना आंध्र प्रदेश की तरफ से लॉन्च की गई है। इस योजना की घोषणा सीएम एन चंद्रबाबू नायडू ने की है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक राज्य में घटती आबादी को लेकर चिंता जहिर करते हुए उन्होंने कहा कि आंध्र प्रदेश सरकार तीसरे बच्चे के जन्म पर 30 हजार रुपए और चौथे बच्चे के जन्म पर 40 हजार रुपए की आर्थिक मदद देगी। इस योजना की पूरी जानकारी अगले एक महीने में जारी की जाएगी। सीएम ने यह घोषणा श्रीकाकुलम जिले के नरसन्नापेटा में आयोजित एक जनसभा के दौरान की। वह यहां स्वर्ण आंध्र-स्वच्छ आंध्र कार्यक्रम में शामिल हुए थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि समाज मिलकर जन्म दर बढ़ाने की दिशा में काम करे।

दिलचस्प बात यह है कि पहले सीएम चंद्रबाबू नायडू जनसंख्या नियंत्रण के पक्ष में रहे हैं, लेकिन अब उन्होंने अपनी सोच में बदलाव किया है। उनका कहना है कि राज्य में तेजी से बदलते सामाजिक और आर्थिक हालात के कारण परिवार छोटे होते जा रहे हैं। कई दंपति केवल एक ही बच्चा पैदा कर रहे हैं, जबकि कुछ लोग दूसरा बच्चा तभी चाहते हैं जब पहला बच्चा बेटा न हो। नायडू ने कहा कि इन वजहों से राज्य की जनसंख्या वृद्धि दर प्रभावित हो रही है।

उन्होंने बताया कि किसी भी समाज की आबादी को स्थिर बनाए रखने के लिए कुल प्रजनन दर यानी टीएफआर का 2.1 होना जरूरी है। अगर यह दर इससे नीचे चली जाती है तो भविष्य में बुजुर्ग आबादी बढ़ने लगती है और काम करने वाली युवा आबादी कम हो जाती है। सीएम नायडू ने कहा कि दुनिया के कई देशों में घटती आबादी और बढ़ती बुजुर्ग संख्या आर्थिक विकास के लिए बड़ी चुनौती बन चुकी है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर समय रहते कदम नहीं उठाए गए तो भारत के कुछ राज्यों में भी ऐसी स्थिति पैदा हो सकती है।

देश में कहीं बरस रही आग, कहीं तेज आंधी और बिजली से लोग परेशान

-मौसम विभाग ने मध्यप्रदेश समेत 19 राज्यों में किया अलर्ट जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। मई की तपती दोपहर और रात में भी बदन झुलसा देने वाली गर्मी के बीच मौसम अब करवट लेता नजर आ रहा है। देश के कई हिस्सों में लोग इस समय दोहरी मार झेल रहे हैं। कहीं आसमान से आग बरस रही है तो कहीं तेज आंधी और बिजली लोगों की चिंता बढ़ा रही है। मौसम विभाग ने अलर्ट जारी किया है। यूपी, बिहार, झारखंड, मध्य प्रदेश, राजस्थान और पूर्वोत्तर समेत 19 राज्यों में तेज आंधी, गरज-चमक और भारी बारिश हो सकती है। कई इलाकों में 70 से 80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तूफानी हवाएं चल सकती हैं।

मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि यह बदलाव सिर्फ राहत नहीं बल्कि खतरा है। खेतों में खड़ी फसल, सड़क पर चल रहे लोग और खुले इलाकों में मौजूद लोगों को खास सतर्क रहने की जरूरत है। इस बार गर्मी और प्री-मानसून एक्टिविटी एक साथ असर दिखा रही है। यही वजह है कि कुछ राज्यों में दिन में हीटवेव और शाम होते ही धूल भरी आंधी देखने को मिल रही है। मौसम विभाग के मुताबिक मध्य उत्तर प्रदेश और दक्षिणी राजस्थान के ऊपर बने साइक्लोनिक सर्कुलेशन का असर उत्तर और पूर्व भारत के बड़े हिस्से में दिखाई देगा।

पश्चिमी विक्षोभ भी सक्रिय है, जिससे हिमालयी राज्यों में बारिश, बर्फबारी और ओलावृष्टि की संभावना बढ़ गई है। दूसरी तरफ बंगाल की खाड़ी और अरब सागर से आने वाली नमी दक्षिण भारत और पूर्वोत्तर राज्यों में तूफानी बारिश का कारण बन सकती है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि मई के तीसरे सप्ताह में यह सिस्टम और मजबूत होगा। इससे कई राज्यों में बिजली गिरने की घटनाएं भी बढ़ सकती हैं। दिल्ली-एनसीआर में मौसम का मिजाज बेहद अजीब बना हुआ है। दिन में तेज धूप और गर्म हवाएं लोगों को परेशान कर रही हैं, जबकि शाम के समय धूल भरी आंधी और हल्की बारिश की संभावना है।

उत्तर प्रदेश में मौसम सबसे ज्यादा अस्थिर नजर आ रहा है। लखनऊ, कानपुर, बरेली, बदायूं, हरदोई, जालौन और बुंदेलखंड के कई जिलों में तेज आंधी और बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि राजस्थान और मध्य प्रदेश में लू का प्रकोप रहेगा, लेकिन कुछ हिस्सों में बादल राहत देंगे। कुल मिलाकर अगले 48 घंटे देश के मौसम के लिहाज से बेहद संवेदनशील माने जा रहे हैं। रांची, जमशेदपुर, बोकारो और धनबाद समेत कई जिलों में तेज आंधी और बारिश का अनुमान है। दिल्ली-एनसीआर में मौसम का मिजाज बेहद अजीब बना हुआ है। दिन में तेज धूप और गर्म हवाएं लोगों को परेशान कर रही हैं, जबकि शाम के समय धूल भरी आंधी और हल्की बारिश की संभावना है।

राजस्थान और मध्य प्रदेश में लू का प्रकोप रहेगा, लेकिन कुछ हिस्सों में बादल राहत देंगे। कुल मिलाकर अगले 48 घंटे देश के मौसम के लिहाज से बेहद संवेदनशील माने जा रहे हैं। रांची, जमशेदपुर, बोकारो और धनबाद समेत कई जिलों में तेज आंधी और बारिश का अनुमान है। दिल्ली-एनसीआर में मौसम का मिजाज बेहद अजीब बना हुआ है। दिन में तेज धूप और गर्म हवाएं लोगों को परेशान कर रही हैं, जबकि शाम के समय धूल भरी आंधी और हल्की बारिश की संभावना है।

उत्तर प्रदेश में मौसम सबसे ज्यादा अस्थिर नजर आ रहा है। लखनऊ, कानपुर, बरेली, बदायूं, हरदोई, जालौन और बुंदेलखंड के कई जिलों में तेज आंधी और बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि कुछ इलाकों में हवाओं की रफ्तार 60 से 80 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। बिजली गिरने की घटनाएं भी हो सकती हैं। हालांकि बारिश से कुछ जिलों में तापमान में गिरावट आ सकती है, लेकिन बुंदेलखंड क्षेत्र में लू का असर जारी रहेगा।

बिहार में पिछले कुछ दिनों से मौसम तेजी से बदल रहा है। पटना, गया, भागलपुर, पूर्णिया, दरभंगा, कटिहार और बेगूसराय समेत कई जिलों में तेज बारिश और वज्रपात की चेतावनी जारी की गई है। मौसम विभाग के मुताबिक शनिवार और रविवार को राज्य के कई हिस्सों में धूल भरी आंधी के साथ तेज बारिश हो सकती है। कुछ इलाकों में बिजली गिरने की आशंका भी जताई गई है। किसानों और खुले क्षेत्रों में काम करने वाले लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है।

झारखंड में भी मौसम का मिजाज अचानक बदल सकता है। मौसम विभाग ने बताया कि राज्य में प्री-मानसून गतिविधियां तेज हो रही हैं। कई इलाकों में बिजली गिरने और पेड़ उखड़ने जैसी घटनाएं हो सकती हैं, लेकिन तेज हवाएं परेशानी बढ़ा सकती हैं। राजस्थान में फिलहाल गर्मी का कहर जारी है। हालांकि कुछ जिलों में धूल भरी आंधी और हल्की बूंदाबांदी से मौसम थोड़ा नरम हुआ है। मौसम विभाग के अनुसार पश्चिमी राजस्थान में अगले दो दिनों तक लू का असर बना रहेगा।

देश में ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट पर घमासान, इकोलॉजिकल नुकसान का किया जिक्र

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को लिखा पत्र

नई दिल्ली(एजेंसी)। देश में ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट पर घमासान जारी है। कांग्रेस के राज्यसभा सांसद जयराम रमेश ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को पत्र लिखकर चिंता जताई है। रमेश ने इकोलॉजिकल नुकसान का जिक्र किया है। साथ ही उन्होंने आदिवासी समुदायों के भावना के उल्लंघन की बात कही। बता दें ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट भारत सरकार द्वारा अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में शुरू किया जा रहा करीब 92,000 करोड़ रुपए का मेगा-इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट है। इस परियोजना में एक बड़ा इंटरनेशनल कटेनर ट्रांसशिपमेंट टर्मिनल, एक ग्रीनफील्ड अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, एक नया आधुनिक शहर और 450 मेगावाट का गैस व सौर ऊर्जा संयंत्र शामिल हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जयराम रमेश ने रक्षा मंत्री को पत्र लिखते हुए कहा कि 1 मई 2026 को भारत सरकार ने द ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट शीर्षक से एक एफएक्यू जारी किया था। इसके बाद 10 मई 2026 को मैंने केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री को लिखा था कि ये एफएक्यू परियोजना को मिली पर्यावरणीय मंजूरियों को लेकर पूरी तरह भ्रामक तस्वीर पेश करते हैं, जो असल में बेहद संदिग्ध आधारों पर दी गई हैं।

उन्होंने कहा कि 13 मई 2026 को केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री को भी पत्र लिखा था कि ये एफएक्यू परियोजना की मंजूरी प्रक्रिया के तहत प्रावधानों के पालन की स्थिति को पूरी तरह गलत तरीके से प्रस्तुत करते हैं, जबकि असल में यह प्रक्रिया संसद द्वारा आदिवासी समुदायों को दिए गए व्यक्तिगत और सामूहिक अधिकारों का भावना और शब्द दोनों स्तरों पर खुला उल्लंघन करती है। उन्होंने पत्र में लिखा कि मैं स्पष्ट रूप से कहना चाहता हूं कि हमारे देश की रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने की जरूरत पर कोई दो राय नहीं हो सकती। भारत की रणनीतिक क्षमताओं को विश्वसनीय तरीके से प्रदर्शित करने की जरूरत पर भी कोई मतभेद नहीं है। फिर भी, मैं आपके विचारार्थ निम्नलिखित बातें प्रस्तुत करना चाहता हूं।

ग्रेट निकोबार द्वीप के कैंपबेल वे में स्थित आईएनएस बाज को जुलाई 2012 में कमीशन किया गया था, लेकिन मौजूदा रनवे की लंबाई को कम से कम तीन गुना बढ़ाने और एक नौसैनिक जेट्टी बनाने की योजनाएं करीब पांच सालों से मंजूरी का इंतजार कर रही हैं। इन योजनाओं के पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव भी कहीं कम हैं।

यौन उत्पीड़न के मामले में केंद्रीय राज्यमंत्री संजय कुमार का बेटा गिरफ्तार

हैदराबाद (एजेंसी)। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार के बेटे बंदी भगीरथ को तेलंगाना पुलिस ने शनिवार को यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत दर्ज एक मामले में गिरफ्तार कर लिया है। यह कार्रवाई तेलंगाना हाई कोर्ट द्वारा भगीरथ को अंतरिम राहत देने से इनकार किए जाने के ठीक एक दिन बाद हुई है। गिरफ्तारी से पहले केंद्रीय मंत्री ने एक बयान जारी कर बताया था कि उन्होंने खुद अपने बेटे को पुलिस के समक्ष पेश होने और जांच में पूरी तरह सहयोग करने के निर्देश दिए हैं।

केंद्रीय मंत्री बंडी संजय कुमार ने सोशल मीडिया पर जानकारी देते हुए कहा कि कानून और न्यायपालिका के प्रति पूर्ण सम्मान दिखाते हुए उन्होंने अपने वकीलों के माध्यम से बेटे को तेलंगाना पुलिस के सामने पेश किया। मंत्री के अनुसार, उनका बेटा लगातार खुद को निर्दोष बता रहा है और इस संबंध में उसने अपने वकीलों को पुख्ता सबूत भी सौंपे हैं। वकीलों को उम्मीद थी कि कोर्ट से राहत मिल जाएगी, जिसके कारण आत्मसमर्पण में थोड़ी देरी हुई। लेकिन कोर्ट का आदेश आने का इंतजार किए बिना, न्यायपालिका के प्रति सम्मान और पारदर्शिता बनाए रखने के लिए उन्होंने बेटे को जांच के लिए पुलिस के हवाले कर दिया।

यह पूरा मामला करीब एक सप्ताह पहले तब शुरू हुआ जब एक 17 वर्षीय नाबालिग लड़की की मां ने भगीरथ के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। इसके आधार पर पुलिस ने 8 मई को भारतीय न्याय संहिता और पॉक्सो एक्ट की गंभीर धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की थी। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि भगीरथ के नाबालिग लड़की के साथ संबंध थे और उसने लड़की का यौन उत्पीड़न किया। पीड़िता ने भगीरथ पर गलत तरीके से छूने और जबरदस्ती शराब पिलाने के भी गंभीर आरोप लगाए हैं। इस शिकायत के बाद पुलिस ने भगीरथ के खिलाफ एक लुकआउट सर्कुलर भी जारी किया था।

दूसरी तरफ, आरोपी भगीरथ ने भी पुलिस में एक जवाबी शिकायत दर्ज कराई है। भगीरथ का दावा है कि लड़की उसे अपने पारिवारिक कार्यक्रमों और पार्टियों में बुलाती थी। इसके बाद उसके परिवार वालों ने उस पर शादी करने का दबाव बनाना शुरू कर दिया और कथित तौर पर 5 करोड़ रुपये की फिरौती मांगी। फिलहाल, इस हाई-प्रोफाइल मामले को लेकर राजनीतिक सरगर्मी भी तेज हो गई है और केंद्रीय मंत्री को पद से हटाने की मांग उठने लगी है ताकि मामले की निष्पक्ष और स्वतंत्र जांच सुनिश्चित की जा सके। पुलिस मामले के दोनों पक्षों की गहनता से जांच कर रही है।

भारी तनाव के बीच कच्चा तेल लेकर भारतीय तट की ओर बढ़ा विशाल टैंकर

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में जारी गंभीर सैन्य संकट के बीच भारत के लिए ऊर्जा सुरक्षा के मोर्चे पर एक बेहद सकारात्मक और राहत भरी खबर सामने आई है। तमाम रणनीतिक चुनौतियों और युद्ध के खतरों के बावजूद, ग्लोबल एनर्जी कॉरिडोर के नाम से विख्यात होर्मुज जलडमरूमध्य को सुरक्षित पार कर कच्चे तेल से लदा एक विशाल टैंकर भारत की तरफ तेजी से बढ़ रहा है। फारस की खाड़ी (पर्शियन गल्फ) क्षेत्र में ईरान और अमेरिकी सेना के बीच जारी भारी तनाव के बीच इस टैंकर का सुरक्षित निकलना भारत के लिए बड़ी कामयाबी माना जा रहा है। शिप ट्रैकिंग आंकड़ों के अनुसार, करोलोस नाम का यह स्वेजमैक्स टैंकर इराकी कच्चा तेल लेकर होर्मुज स्ट्रेट को पार कर चुका है और ओमान की खाड़ी से होते हुए अरब सागर के रास्ते भारत की ओर अग्रसर है।

शिप ट्रैकिंग के हालिया आंकड़ों के मुताबिक, होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले व्यावसायिक जहाजों की संख्या में इन दिनों भारी गिरावट दर्ज की गई है। पर्शियन गल्फ में जारी संघर्ष अब 12वें सप्ताह में प्रवेश कर चुका है, जिसके कारण समुद्री व्यापार बुरी तरह प्रभावित हुआ है। युद्ध से पहले की तुलना में वर्तमान ट्रांजिट बेहद निचले स्तर पर बना हुआ है। अमेरिकी प्रशासन लगातार यह दावा कर रहा है कि ईरान जल्द ही अंतरराष्ट्रीय दबाव में झुक जाएगा, लेकिन तेहरान की ओर से होर्मुज पर अपनी पकड़ ढीली करने के कोई संकेत नहीं मिले हैं। ईरान ने युद्ध समाप्ति की वार्ता में लौटने के लिए पांच कड़ी शर्तें रखी हैं, जिनमें सबसे प्रमुख शर्त होर्मुज जलडमरूमध्य पर ईरान की संप्रभुता को वैश्विक स्तर पर स्वीकार करना है।

जहाज ट्रैकिंग डेटा के अनुसार, करोलोस टैंकर इराक के बसरा टर्मिनल से कच्चा तेल लेकर रवाना हुआ था। उपग्रह से मिली तस्वीरों और गुरुवार को ओमान की खाड़ी में इसकी स्थिति से संकेत मिला है कि यह जहाज पूरी तरह कच्चे तेल से लदा हुआ है। इस बीच, इराक से वियतनाम जा रहा एक अन्य तेल टैंकर अभी भी ओमान की खाड़ी में फंसा हुआ है, जिसे अमेरिकी नौसेना द्वारा रोके जाने की खबर है। होर्मुज जलमार्ग में फिलहाल सुरक्षा हालात बेहद नाजुक बने हुए हैं। अमेरिकी सेंट्रल कमांड का दावा है कि ईरान पर प्रतिबंध लागू करने के बाद अमेरिकी सेना अब तक 75 व्यावसायिक जहाजों का मार्ग बदल चुकी है। इसके अलावा, क्षेत्र में ऑटोमैटिक आइडेंटिफिकेशन सिस्टम संकेतों में बड़े पैमाने पर हो रहे हस्तक्षेप और ईरान से जुड़े जहाजों द्वारा अपने ट्रैकिंग सिग्नल बंद कर देने के कारण स्वतंत्र निगरानी करना कठिन हो गया है। इस अभूतपूर्व संकट और अनिश्चितता के दौर में भारतीय टैंकर का सुरक्षित निकलना देश की ऊर्जा जरूरतों के लिहाज से एक बड़ी खुशखबरी है।

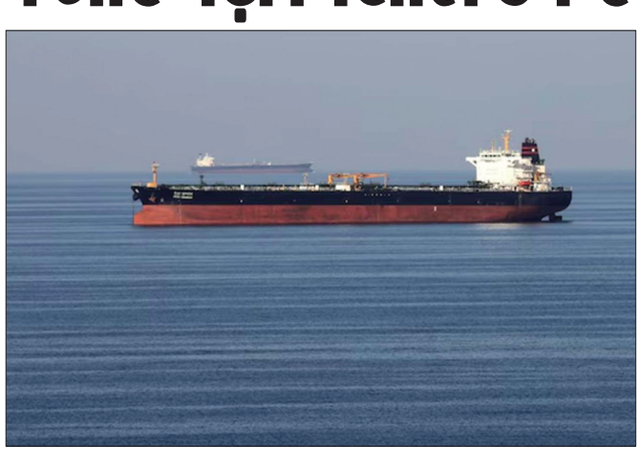

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
टाइम्स ऑफ़ पीडिया

संक्षिप्त डायरी

गया में बिजली करंट लगने से युवक की मौत, खेत में मोटर चालू करने के दौरान हुआ हादसा

पटना (एजेंसी) गया जिले के ग्रामीण इलाके में बिजली करंट लगने से एक युवक की मौत हो गई.घटना के बाद परिवार में मातम पसरा हुआ है.बताया जा रहा है कि युवक खेत में सिंचाई के लिए मोटर चालू करने गया था, तभी वह करंट की चपेट में आ गया. : गया जिले के ग्रामीण इलाके में बिजली करंट लगने से एक युवक की मौत हो गई.घटना के बाद परिवार में मातम पसरा हुआ है.बताया जा रहा है कि युवक खेत में सिंचाई के लिए मोटर चालू करने गया था, तभी वह करंट की चपेट में आ गया. स्थानीय लोगों ने आनन-फानन में युवक को अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. घटना पर परिजनों ने क्या बताया? परिजनों का आरोप है कि इलाके में बिजली व्यवस्था काफी खराब है और खुले तारों के कारण अक्सर हादसे होते रहते हैं. घटना के बाद गांव में शोक का माहौल है. प्रशासन ने मामले की जांच का आश्वासन दिया है.

पटना में ज्वेलरी शॉप डकैती कांड का खुलासा, पांच अपराधी गिरफ्तार, कई जिलों में फैला था गिरोह

पटना (एजेंसी) पटना पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। शहर में हाल ही में हुई ज्वेलरी शॉप डकैती मामले का खुलासा करते हुए पुलिस ने पांच अपराधियों को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार आरोपियों के पास से भारी मात्रा में सोना-चांदी के आभूषण, नकदी और हथियार बरामद किए गए हैं. पुलिस का दावा है कि यह गिरोह कई जिलों में सक्रिय था और पहले भी कई घटनाओं को अंजाम दे चुका है. : पटना पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। शहर में हाल ही में हुई ज्वेलरी शॉप डकैती मामले का खुलासा करते हुए पुलिस ने पांच अपराधियों को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार आरोपियों के पास से भारी मात्रा में सोना-चांदी के आभूषण, नकदी और हथियार बरामद किए गए हैं. पुलिस का दावा है कि यह गिरोह कई जिलों में सक्रिय था और पहले भी कई घटनाओं को अंजाम दे चुका है. जानकारी के अनुसार, कुछ दिन पहले अपराधियों ने हथियार के बल पर एक ज्वेलरी दुकान में घुसकर लाखों रुपये के गहनों की लूट की थी. घटना के बाद इलाके में दहशत फैल गई थी. सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी जांच के आधार पर आरोपियों तक पहुंची मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने विशेष टीम का गठन किया और सीसीटीवी फुटेज व तकनीकी जांच के आधार पर आरोपियों तक पहुंची. पुलिस की छापेमारी के दौरान गिरोह के पांच सदस्यों को गिरफ्तार किया गया. पूछताछ में अपराधियों ने कई अहम खुलासे किए हैं. पुलिस अब गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश में जुटी हुई है. इस कार्रवाई के बाद व्यापारियों ने राहत की सांस ली है. पुलिस अधिकारियों ने कहा कि शहर में अपराध नियंत्रण के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है.

सड़क हादसे में घायल ट्रक खलासी ने मायागंज अस्पताल में तोड़ा दम

पटना (एजेंसी) खगड़िया में हुए दर्दनाक सड़क हादसे ने अररिया के एक परिवार की खुशियां छीन लीं. ट्रक पर खलासी का काम करने वाले 28 वर्षीय युवक की इलाज के दौरान भागलपुर के मायागंज अस्पताल में मौत हो गई. हादसे की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया. भागलपुर से ऋषव मिश्रा कृष्णा की रिपोर्ट : भागलपुर के जेएलएनएमसीएच मायागंज अस्पताल में इलाजरत ट्रक खलासी मंजा टुडू ने आखिरकार दम तोड़ दिया. मृतक अररिया जिले के रामपुर कोदरकट्टी गांव का रहने वाला था और ट्रक पर खलासी का काम करता था. सड़क हादसा खगड़िया में उस समय हुआ, जब ट्रक बालू लाने जा रहा था. हादसे के बाद खगड़िया से मायागंज किया गया था रेफर परिजनों के अनुसार हादसे के बाद घायल मंजा टुडू को पहले खगड़िया सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया था. हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उसे बेहतर इलाज के लिए जेएलएनएमसीएच मायागंज अस्पताल रेफर कर दिया. इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई.मृतक की पहचान अररिया जिले के रामपुर कोदरकट्टी निवासी 28 वर्षीय मंजा टुडू के रूप में हुई है. वह बबलू टुडू का पुत्र था. पुलिस के फोन से परिवार को मिली जानकारी परिजनों ने बताया कि शनिवार सुबह खगड़िया पुलिस ने फोन कर सूचना दी कि मंजा टुडू गंभीर रूप से घायल है और उसे मायागंज अस्पताल भेजा गया है. सूचना मिलते ही परिवार के सदस्य भागलपुर पहुंचे. अस्पताल में मृतक की भाभी मेरी मुर्मू और भाई अंजू टुडू मौजूद थे. 2020 में हुई थी शादी, एक बच्चे का पिता था मंजा टुडू मंजा टुडू की पत्नी चांदनी सुमन ने बताया कि उनकी शादी वर्ष 2020 में हुई थी. दंपति का एक छोटा बच्चा भी है. पति की मौत के बाद परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है. गांव में भी घटना के बाद मातम का माहौल है. जमुई जा रहा था ट्रक परिजनों के मुताबिक हादसे के समय ट्रक जमुई की ओर जा रहा था. ट्रक चालक भी अररिया जिले का ही रहने वाला बताया जा रहा है, हालांकि परिजन उसका नाम नहीं बता सके. पोस्टमार्टम की प्रक्रिया में जुटी पुलिस बरारी थाना की पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की प्रक्रिया शुरू कर दी है. पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है.

नालंदा जिला का राजगीर सज-संवर कर हुआ तैयार , शुरू राजकीय मलमास मेला

पटना (एजेंसी) राजगीर आस्था, अध्यात्म और सनातन परंपरा के महापर्व राजकीय मलमास मेला का शुभारंभ आज ऐतिहासिक नगरी राजगीर में भव्य रूप से हो गया हैं. मेले को लेकर पूरा राजगीर दुल्हन की तरह सज-संवर कर तैयार है. शहर के प्रमुख मार्ग, मंदिर परिसर, कुंड क्षेत्र और मेला स्थल आकर्षक सजावट, रोशनी और स्वागत द्वारों से जगमगा उठे हैं. सुनील कुमार) राजगीर आस्था, अध्यात्म और सनातन परंपरा के महापर्व राजकीय मलमास मेला का शुभारंभ आज ऐतिहासिक नगरी राजगीर में भव्य रूप से हो गया हैं. मेले को लेकर पूरा राजगीर दुल्हन की तरह सज-संवर कर तैयार है. शहर के प्रमुख मार्ग, मंदिर परिसर, कुंड क्षेत्र और मेला स्थल आकर्षक सजावट, रोशनी और स्वागत द्वारों से जगमगा उठे हैं. देश के विभिन्न राज्यों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं का आगमन शुरू हो चुका है. जिससे पूरे शहर में उत्साह, उमंग और भक्ति का माहौल देखने को मिल रहा है. राजकीय मलमास मेला 2026 श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के मद्देनजर राजकीय मलमास मेला 2026 के अवसर पर आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और सुचारु आवागमन को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन द्वारा व्यापक और सुव्यवस्थित तैयारियां की गई हैं. श्रद्धालुओं के ठहरने के लिए आवासन स्थलों की समुचित व्यवस्था की गई है. शुद्ध पेयजल, स्वच्छ शौचालय, साफ-सफाई, विश्राम स्थल तथा प्रकाश की निःशुल्क व्यवस्था सुनिश्चित की गई है, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़े. वाहनों के सुचारु संचालन के लिए अलग-अलग वाहन पड़ाव बनाए गए वाहनों के सुचारु संचालन के लिए अलग-अलग वाहन पड़ाव बनाए गए हैं तथा यातायात व्यवस्था को व्यवस्थित करने के लिए विशेष प्रबंध किए गए हैं. सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए पुलिस बल, महिला पुलिसकर्मी, दंडाधिकारी तथा निगरानी की विशेष व्यवस्था की गई है. जिला प्रशासन की श्रद्धालुओं से अपील

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने फीता काटकर किया राजकीय मलमास मेला का उद्घाटन

श्रद्धालुओं से गुलजार हुआ राजगीर

पटना (एजेंसी) मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने फीता काटकर किया राजकीय मलमास मेला का उद्घाटन जानिए पूरी खबर नीचे नालंदा/राजगीरः धर्म, आस्था और सनातन परंपरा के प्रतीक राजकीय राजगीर मलमास मेला-2026 का भव्य शुभारंभ रविवार को हुआ। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने फीता काटकर मेले का विधिवत उद्घाटन किया। उद्घाटन के साथ ही पूरा मेला क्षेत्र श्रद्धालुओं, साधु-संतों, पर्यटकों और स्थानीय लोगों की भारी भीड़ से गुलजार हो उठा. मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने अपने संबोधन में कहा कि राजगीर मलमास मेला बिहार की समृद्ध धार्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत का प्रतीक है. यह मेला केवल आस्था का केंद्र नहीं है, बल्कि पर्यटन, व्यापार और स्थानीय रोजगार को बढ़ावा देने का भी बड़ा माध्यम है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार मेले में आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा, स्वच्छता, आवासन, पेयजल, स्वास्थ्य और यातायात जैसी सभी मूलभूत सुविधाओं को लेकर पूरी तरह प्रतिबद्ध है. मेले में बिहार समेत देश के विभिन्न राज्यों से पहुंचे श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना कर सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। मेला परिसर में टेंट सिटी, चिकित्सा शिविर, सुरक्षा व्यवस्था, सांस्कृतिक कार्यक्रम, झूले और अन्य आकर्षण लोगों को अपनी ओर खींच रहे हैं। उद्घाटन के साथ ही राजगीर की धार्मिक नगरी पूरी तरह से भक्तिमय माहौल में डूब गई है.

नवादा में वट सावित्री पर्व के दिन बिना नमक का खाना बना, नाराज पति ने खा लिया जहरीला पदार्थ

पटना (एजेंसी) नवादा वट सावित्री का व्रत हर सुहागिन अपने पति की लंबी उम्र के लिए रखती है. लेकिन रजौली थाना क्षेत्र के सतगीर गांव में शनिवार को वही व्रत एक पत्नी के लिए मातम बन गया. (कुमार मनीष देव) नवादा वट सावित्री का व्रत हर सुहागिन अपने पति की लंबी उम्र के लिए रखती है. लेकिन रजौली थाना क्षेत्र के सतगीर गांव में शनिवार को वही व्रत एक पत्नी के लिए मातम बन गया. बिना नमक के खाना खाकर पति इतना नाराज हुआ कि उसने गुस्से में गेहूं में डालने वाली सलफास नामक जहरीली दवाई खा ली. अब अस्पताल के बिस्तर पर उसकी जिंदगी और मौत के बीच जंग चल रही है. बिना नमक का खाना देखकर भड़क गया पति जोगियामारण पंचायत के सतगीर गांव निवासी सहदेव प्रसाद के 30 वर्षीय पुत्र पिंटू कुमार ने जहरीला पदार्थ खा लिया. परिजनों ने आनन-फानन में उसे अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया. ड्यूटी पर तैनात डॉ. सतीश चंद्र सिन्हा ने बताया कि पिंटू की हालत गंभीर है. प्राथमिक इलाज के बाद उसे बेहतर उपचार के लिए नवादा सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया है. पत्नी ने कहा लंबी आयु के लिए रखा था अस्पताल परिसर में पिंटू की पत्नी का रो-रोकर बुरा हाल है. आंसुओं से भीगी आंखों से उसने बताया, शनिवार को पति की लंबी उम्र के लिए वट सावित्री की पूजा की थी. व्रत में बिना नमक का खाना खाया जाता है. शाम को जब पति घर आए तो खाना मांगा. खाना में नमक नहीं था तो वे गुस्सा हो गए. घर में रखी गेहूं की बोरी से कीटनाशक निकाल खाया पति को तड़पते देख पत्नी खुद भी टूट गई. पत्नी ने कहा कि हमने तो उनके सौ साल की उम्र मांगी थी भगवान से, और आज वही मौत के मुंह में हैं. पता नहीं मेरा सुहाग बचेगा भी या नहीं? कहते-कहते वह फिर से बिलख पड़ी. शायद यही कारण बना कि वट सावित्री के दिन सिंदूर बचाने निकली पत्नी को अब अपने सुहाग को बचाने के लिए भगवान से मन्नतें मांगनी पड़ रही हैं.

बेगूसराय में घर से लापता 14 वर्षीय किशोर पटना से बरामद, परिजनों ने ली राहत की सांस

पटना (एजेंसी)बेगूसराय जिले के मटिहानी थाना क्षेत्र अंतर्गत रामदीरी पंचायत-दो के लवहरचक गांव से लापता हुआ 14 वर्षीय किशोर आखिरकार पटना से सकुशल बरामद कर लिया गया. बच्चे के मिलने के बाद परिजनों ने राहत की सांस ली है. (नारायण कुमार) बेगूसराय जिले के मटिहानी थाना क्षेत्र अंतर्गत रामदीरी पंचायत-दो के लवहरचक गांव से लापता हुआ 14 वर्षीय किशोर आखिरकार पटना से सकुशल बरामद कर लिया गया. बच्चे के मिलने के बाद परिजनों ने राहत की सांस ली है. लापता किशोर की पहचान खलठू रजक के पुत्र रूपेश कुमार के रूप में की गई है.परिजनों के अनुसार रूपेश बीते गुरुवार की दोपहर करीब 2 बजे घर से निकला था,जिसके बाद वह अचानक गायब हो गया.परिवार के लोग लगातार उसकी तलाश में जुटे हुए थे. घटना के बारें में चाचा ने क्या बताया? रूपेश के चाचा सीताराम रजक ने बताया कि खोजबीन के दौरान पता चला कि बच्चा भटकते हुए पटना के जीरोमाइल गोलम्बर के समीप एक होटल तक पहुंच गया था.होटल संचालकों ने बच्चे को अकेला देख उससे पूछताछ की,तब उसने अपनी पूरी आपबीती सुनाई. बच्चे की बात सुनने के बाद होटल संचालकों ने मानवता दिखाते हुए अपने मोबाइल फोन से पटना में रह रहे

बेगूसराय में 15 करोड़ की साइबर ठगी का खुलासा, शातिर गिरफ्तार

पटना (एजेंसी) बेगूसराय साइबर पुलिस को देशव्यापी ऑनलाइन ठगी के खिलाफ बड़ी सफलता मिली है.पुलिस ने ऐसे आरोपी को गिरफ्तार किया है. जिसके बैंक खाते का इस्तेमाल करोड़ों रुपये के साइबर फ्रॉड में किया जा रहा था. विकाश मिश्रा) बेगूसराय साइबर पुलिस को देशव्यापी ऑनलाइन ठगी के खिलाफ बड़ी सफलता मिली है.पुलिस ने ऐसे आरोपी को गिरफ्तार किया है. जिसके बैंक खाते का इस्तेमाल करोड़ों रुपये के साइबर फ्रॉड में किया जा रहा था. जांच में सामने आया है कि आरोपी के खाते से अब तक 15 करोड़ 25 लाख 35 हजार 307 रुपये का संदिग्ध ट्रांजैक्शन हुआ है.साइबर डीएसपी इमरान अहमद ने बताया कि आरोपी का बैंक खाता म्यूल अकाउंट के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा था. नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल (NCRP) 205 शिकायतें दर्ज इस खाते के खिलाफ नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल (ठउफ्च्) पर देश के अलग-अलग राज्यों से 205 शिकायतें दर्ज हैं. शिकायतों में ऑनलाइन फ्रॉड,फर्जी निवेश,डिजिटल पेमेंट ठगी और अन्य वित्तीय अपराध शामिल हैं. आरोपी की पहचान पर पुलिस ने क्या बताया? गिरफ्तार आरोपी की पहचान फुलवरिया थाना क्षेत्र के बरौनी फुलवरिया वार्ड संख्या-2 निवासी सुरेश महतो के पुत्र सुनील कुमार के रूप में हुई है. पुलिस के अनुसार,साइबर सेल और जिला पुलिस की संयुक्त टीम पिछले कई दिनों से आरोपी की तलाश में जुटी थी. उसके संभावित ठिकानों पर लगातार छापेमारी की जा रही थी. गुप्त सूचना और तकनीकी जांच के आधार पर आखिरकार पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया.इस मामले में बेगूसराय साइबर थाना में कांड संख्या 34/26 दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी गई है.पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि इस नेटवर्क में और कौन-कौन लोग शामिल हैं तथा ठगी की रकम कहां-कहां भेजी गई.

पटना रेलवे सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में शौचालय समेत कई सुविधाएं बदहाल, मरीज

पटना (एजेंसी) जंक्शन के करबिगहिया स्थित सेंट्रल सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में इन दिनों कई मूलभूत सुविधाएं बदहाल स्थिति में हैं। पटना जंक्शन के करबिगहिया स्थित सेंट्रल सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में इन दिनों कई मूलभूत सुविधाएं बदहाल स्थिति में हैं। इसके कारण मरीजों और उनके परिजनों को लगातार परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। आए दिन अस्पताल में इसी मुद्दे को लेकर हंगामे की स्थिति बन रही है। अस्पताल के दूसरे तल पर स्थित शौचालय का दरवाजा लंबे समय से टूटा हुआ है, जबकि चौथे तल पर स्थित आर्थो वार्ड और मेल सर्जिकल वार्ड के पास का शौचालय का फ्लश खराब पड़ा है। इससे भर्ती मरीजों के साथ-साथ उनके परिजनों को भी भारी असुविधा हो रही है। मरीजों के परिजनों का कहना है कि शौचालयों की नियमित सफाई और मरम्मत नहीं होने से स्थिति दिन-ब-दिन खराब होती जा रही है। दूसरे तल के शौचालय में दरवाजा टूटा होने के कारण विशेषकर महिला मरीजों और उनके परिजनों को काफी असहज स्थिति का सामना करना पड़ता है। वहीं चौथे तल पर फ्लश खराब होने के कारण शौचालय में गंदगी और दुर्गंध बनी रहती है। विशेषकर आर्थो वार्ड में भर्ती मरीजों को, जिनके पैर में चोट या फ्रैक्चर है, शौचालय का उपयोग करने में अत्यधिक परेशानी हो रही है। वृद्ध मरीज भी इस स्थिति से काफी प्रभावित हैं। परिजनों ने बताया कि कई बार अस्पताल प्रशासन से शिकायत की गई, लेकिन अब तक समस्या का समाधान नहीं हुआ है। अस्पताल में प्रतिदिन बड़ी संख्या में रेलकर्मी, उनके परिजन और अन्य मरीज इलाज के लिए पहुंचते हैं, लेकिन बुनियादी सुविधाओं की कमी प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रही है। आर्थो वार्ड में भर्ती एक मरीज के परिजन ने कहा कि गंभीर बीमारी से जूझ रहे मरीजों के लिए स्वच्छता और साफ-सुथरा वातावरण बेहद जरूरी है, लेकिन अस्पताल के शौचालयों की स्थिति बेहद खराब है। खराब फ्लश के कारण संक्रमण फैलने का खतरा भी बना हुआ है। इधर, ईसीआरकेयू के शाखा सचिव विजय कुमार और प्रवक्ता ए. के. शर्मा ने कहा कि मरीजों को लगातार परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने अस्पताल प्रशासन से तुरंत शौचालयों की मरम्मत, टूटे दरवाजे बदलने और नियमित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है, ताकि मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकें।

शेखपुरा लोदीपुर कस्तूरबा विद्यालय की 25 छात्राएं बेहोस, सदर अस्पताल मे हुई भर्ती

पटना (एजेंसी) शेखपुरा सदर प्रखंड अंतर्गत लोदीपुर कस्तूरबा विद्यालय की 25 छात्राएं अचानक बेहोश हो गई. घटना के दौरान प्रशासनिक अधिकारियों के पहल से एंबुलेंस के जरिए बेहोश यात्रा को सदर अस्पताल लाया गया. छात्राओं को बेहतर इलाज के लिए एसडीएम प्रियंका कुमारी के नेतृत्व में स्वास्थ्य कर्मियों को लगाया गया. रंजीत कुमार)शेखपुरा सदर प्रखंड अंतर्गत लोदीपुर कस्तूरबा विद्यालय की 25 छात्राएं अचानक बेहोश हो गई. घटना के दौरान प्रशासनिक अधिकारियों के पहल से एंबुलेंस के जरिए बेहोश यात्रा को सदर अस्पताल लाया गया. छात्राओं को बेहतर इलाज के लिए एसडीएम प्रियंका कुमारी के नेतृत्व में स्वास्थ्य कर्मियों को लगाया गया. इस मौके पर एसडीएम ने मीडिया कर्मियों को बताया कि शाम के समय में छात्राएं विद्यालय प्रशासन की ओर से दिए गए भुजा और नमकीन का नाश्ता किये थे. उसके बाद प्रार्थना के दौरान छात्राएं बेहोश होकर गिरने लगी. बेहोशी का कारण शनिवार की देर रात्रि भीषण गर्मी बताई जा रही है. स्वास्थ्य कर्मियों ने दिखाई सजगता शनिवार की देर रात्रि हो इस घटना में सदर अस्पताल के स्वास्थ्य कर्मियों ने सजकता दिखाई. बड़ी संख्या में स्वास्थ्य कर्मियों ने पद और ड्यूटी की परवाह किए बगैर इंसानियत का परिचय दिया एवं बच्चियों को एंबुलेंस से गोद में उठाकर इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया. सदर अस्पताल मे दिखी कुव्यवस्था जिस वक्त बच्चियों को सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया वहां मात्र एक ही डाक्टर मौजूद थे. जबकि इमरजेंसी वार्ड में दो चिकित्सकों का होना अनिवार्य बताया गया है. इतना ही नहीं इमरजेंसी वार्ड में ऐसी के खराब होना भी मरीज के लिए परेशानी का सबक बन गया. वहीं इमरजेंसी वार्ड में बेड की कमी के कारण भी काफी फजीहत का सामना करना पड़ा. एसडीएम ने कहा मामले की होंगी जांच एसडीएम प्रियंका कुमारी ने कहा कि विद्यालय प्रबंधन के द्वारा बच्चियों को मेंन्यू के हिसाब से खाना दिए जाने की क्या व्यवस्था है, इसकी जांच की जाएगी.इसके साथ ही बेहोशी के कारणों का भी पता लगाया जाएगा. उन्होंने यह भी कहा कि विद्यालय प्रबंधन की तमाम व्यवस्थाओं की बारीकी से जांच की जाएगी. एसडीएम ने सदर अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड की व्यवस्था को भी आड़े हाथों लिया.

बिहार में आधी रात चली तबादला एक्सप्रेस, 54 DSP समेत 34 राजस्व अधिकारियों का ट्रांसफर

पटना (एजेंसी) बिहार सरकार ने कानून व्यवस्था और प्रशासनिक व्यवस्था को मजबूत करने के लिए बड़ा कदम उठाया है. राज्य में 54 डीएसपी स्तर के पुलिस अधिकारियों और 34 राजस्व पदाधिकारियों का तबादला किया गया है. कई जिलों में साइबर क्राइम, ट्रैफिक, सीआईडी और मद्य निषेध विभाग में नई तैनाती की गई है. बिहार में कानून व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए सरकार लगातार प्रशासनिक स्तर पर बड़े फैसले ले रही है. इसी कड़ी में शनिवार देर रात बिहार सरकार ने पुलिस विभाग में बड़ा फेरबदल करते हुए बिहार पुलिस सेवा के 54 डीएसपी स्तर के अधिकारियों का तबादला कर दिया. गृह विभाग की ओर से जारी अधिसूचना में कई अधिकारियों को नई जिम्मेदारी सौंपी गई है. साइबर क्राइम, ईओयू, ट्रैफिक, सीआईडी और मद्य निषेध विभाग में नए अधिकारियों की तैनाती की गई है. कई महत्वपूर्ण पदों पर नई पोस्टिंग जारी आदेश के अनुसार मो. अली अंसारी को सहायक पुलिस महानिरीक्षक (रेल) पद से हटाकर सहायक पुलिस महानिरीक्षक (यातायात) बनाया गया है. वहीं अशफाक अंसारी को निगरानी अन्वेषण ब्यूरो से स्थानांतरित कर मद्य निषेध एवं राज्य उत्पाद नियंत्रण ब्यूरो, पटना में पुलिस उपाधीक्षक की जिम्मेदारी दी गई है. आशीष कुमार सिंह को पटना का नया ट्रैफिक डीएसपी बनाया गया है. मनोज राम को वैशाली से अपराध अनुसंधान विभाग (CID) पटना भेजा गया है. वंदना मुखर्जी को मद्य निषेध एवं राज्य उत्पाद नियंत्रण ब्यूरो में अपर पुलिस अधीक्षक की जिम्मेदारी मिली है. साइबर क्राइम यूनिट में भी बदलाव सरकार ने साइबर अपराध पर लगाम लगाने के लिए भी कई अहम बदलाव किए हैं. शाहनवाज अख्तर को रोहतास से साइबर क्राइम नवादा भेजा गया है, जबकि अब्दुर रहमान दानिश को सारण से साइबर क्राइम गया में पोस्टिंग मिली है. अभिषेक कुमार को औरंगाबाद से जमुई साइबर क्राइम, डीएसपी भेजा गया है. इसके अलावा महेश चौधरी को डीएसपी ईओयू, धीरज कुमार को एसडीपीओ इमामगंज (गया), नीलाभ कृष्ण को सीनियर डीएसपी ईओयू और कमलेश कुमार को सीआईडी कमजोर वर्ग का सीनियर डीएसपी बनाया गया है. दयानंद कुमार को ट्रैफिक डीएसपी कैमूर बनाया गया है, जबकि मो. आसिफ आलम को कटिहार का साइबर क्राइम डीएसपी नियुक्त किया गया है. अशोक कुमार, देवेंद्र प्रसाद और अनुराग कुमार को भी ईओयू में अहम जिम्मेदारियां दी गई हैं.विभाग ने 34 राजस्व पदाधिकारियों का तबादला किया है. अनुमंडल स्तर पर तैनात अधिकारियों को अब अनुमंडल राजस्व पदाधिकारी का पदनाम दिया गया है. सामान्य प्रशासन विभाग हें DCLR की शक्तियां भी प्रदान करेगा. जारी आदेश के मुताबिक अमरनाथ चौधरी को अररिया का जिला भू-अर्जन पदाधिकारी बनाया गया है. सरकार का मानना है कि इन बदलावों से प्रशासनिक कामकाज और तेज होगा तथा कानून व्यवस्था को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी.

सचिवालय कर्मियों के लिए 18 मई से शुरू होगी बस सेवा, जानें रूट और टाइमिंग की पूरी जानकारी

पटना (एजेंसी) पटना में सचिवालय कर्मियों के लिए 18 मई से विशेष इलेक्ट्रिक और पिंक बस सेवा शुरू की जा रही है. इस सुविधा से कर्मचारियों को सीधी, सुरक्षित और समय पर आवागमन मिलेगा, जबकि शहर में ट्रैफिक दबाव और ईंधन खपत में भी कमी आने की उम्मीद है. पटना में सरकारी कर्मचारियों के लिए एक नई और खास परिवहन सुविधा की शुरूआत होने जा रही है. 18 मई से सचिवालय कर्मियों के लिए विशेष इलेक्ट्रिक और पिंक बस सेवा शुरू की जाएगी. इस सेवा के जरिए कर्मचारियों को नया सचिवालय और पुराना सचिवालय तक सीधी और आसान कनेक्टिविटी मिलेगी. परिवहन सचिव राजकुमार ने बताया कि इस योजना का मकसद सरकारी कर्मियों को सुरक्षित, समय पर और सुलभ यात्रा सुविधा देना है. साथ ही निजी वाहनों पर निर्भरता कम कर ईंधन की बचत और ट्रैफिक दबाव घटाना भी इसका मुख्य उद्देश्य है. सार्वजनिक परिवहन को मिलेगा बढ़ावा बिहार राज्य पथ परिवहन निगम की ओर से चलाई जा रही इस पहल से पटना शहर में इलेक्ट्रिक बसों के उपयोग को बढ़ावा मिलेगा. वर्तमान में पटना में 25 इलेक्ट्रिक बसों का संचालन पहले से ही सफलतापूर्वक किया जा रहा है. अधिकारियों के अनुसार, बड़ी संख्या में सरकारी कर्मचारी रोजाना निजी वाहन से सचिवालय आते-जाते हैं, जिससे शहर में जाम और ईंधन की खपत बढ़ती है. नई बस सेवा इस समस्या को कम करने में मदद करेगी. कई रूटों से सीधे सचिवालय तक बस सेवा यह विशेष इलेक्ट्रिक और पिंक बस सेवा पटना के अलग-अलग प्रमुख रूटों से सचिवालय तक चलेगी. मल्टी मॉडल हब से सचिवालय रूट यह बस सेवा पटना जंक्शन (मल्टी मॉडल हब) से शुरू होकर आर ब्लॉक, इनकम टैक्स, विद्युत भवन, पटना हाईकोर्ट और बिहार म्यूजियम होते हुए नया और पुराना सचिवालय तक जाएगी. सुबह 8:30 बजे से सेवा शुरू होगी और शाम को वापसी की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी. धनुकी मोड़ और कंकड़बाग रूट यह सेवा धनुकी मोड़ से कुम्हरार, भूतनाथ रोड, एनएमसीएच, राजेंद्र नगर टर्मिनल, कंकड़बाग कॉलोनी मोड़, करबिगहिया स्टेशन और आर ब्लॉक होते हुए विकास भवन तक पहुंचेगी. गांधी मैदान से सचिवालय रूट गांधी मैदान से बसें डाकबंगला चौराहा, इनकम टैक्स, नियोजन भवन, विद्युत भवन, हाईकोर्ट और बिहार म्यूजियम होते हुए सचिवालय तक जाएंगी. कुर्जी से पिंक बस सेवा महिला कर्मियों के लिए विशेष पिंक बस सेवा कुर्जी से शुरू होगी. यह पीएंडएम मॉल, साईं मंदिर, पाटलिपुत्र कॉलोनी, एएन कॉलेज, बोरिंग रोड चौराहा और हड़ताली मोड़ होते हुए सचिवालय तक जाएगी. दानापुर से सचिवालय रूट दानापुर स्टेशन से भी इलेक्ट्रिक और पिंक बस सेवा उपलब्ध होगी. यह बस सगुना मोड़, आरपीएस मोड़, गोला रोड, जगदेव पथ, आशियाना नगर,

आईजीआईएमएस, शेखपुरा मोड़ और चिड़ियाघर होते हुए सचिवालय पहुंचेगी. इस रूट पर सुबह 8:15 बजे से सेवा शुरू होगी. महिलाओं और कर्मचारियों को मिलेगा खास फायदा यह बस सेवा खास तौर पर कार्यालय समय को ध्यान में रखकर तैयार की गई है. सुबह कर्मचारियों को समय पर सचिवालय पहुंचाने और शाम को घर लौटने की सुविधा दी जाएगी. महिलाओं की सुविधा के लिए शाम 5 बजे के आसपास भी अतिरिक्त बस सेवा उपलब्ध रहेगी. ट्रैफिक और प्रदूषण में आएगी कमी

प्रोटीन का भंडार है मशरूम

मशरूम में पाए जाने वाले पोषक तत्वों के आधार पर यह शाकाहारी और मांसाहारी दोनों के लिए ही भरपूर लाभकारी है। जहां तक इसके वर्गीकरण का सवाल है तो इसका स्थान शाकाहारी तथा मांसाहारी दोनों के बीच का है। कहने का मतलब इसे अतिशुद्धतावादी शाकाहारी नकार सकते हैं, लेकिन जो स्वास्थ्य कुदरत की एक नायाब देन है। मशरूम में प्रोटीन काफी मात्रा में पाया जाता है। इसमें प्रोटीन के साथ-साथ कार्बोहाइड्रेट और वसा भी पाई जाती है। इन तीन तत्वों के अलावा इसमें कई प्रकार के विटामिन तथा खनिज भी पाये जाते हैं। यह लगभग सभी प्रकार के अमीनो अम्लों का अच्छा स्रोत है। सब्जियों की अपेक्षा प्रोटीन की मात्रा अधिक पाये जाने के कारण जहां मशरूम शाकाहारियों के लिए वरदान है, वहीं कार्बोहाइड्रेड और वसा की मात्रा कम होने के कारण यह ह्रदय रोहियों और मधुमेह के रोगियों के लिए भी लाभदायक है, क्योंकि यह सरलता से पच जाता है। साथ ही लगातार ऊर्जा प्रदान करता है। इसमें कई प्रकार के एंजाइम भी पाये जाते हैं। विशेषकर ट्रिप्सिन जो पाचन क्रिया में सहायक होता है। जैसे-जैसे खानपान और स्वास्थ्य को लेकर सजगता बढ़ रही है वैसे-वैसे मशरूम की सामाजिक स्वीकार्यता व मान्यता भी बढ़ रही है। ये बीजाणु छत्रक की निचली सतह पर गिल्स के बीच काफी संख्या में पैदा होते हैं। उनकी आयु केवल कुछ घंटों की ही होती है। अनुकूल वातावरण मिलने पर ये बीजाणु अंकुरित होकर कवक जाल बनाते हैं। यही कवक जाल स्पान कहलाता है। सामान्य बोलचाल में इसे छतरी या छाता बोलते हैं। इसके लिए उष्ण कटिबंधीय जलवायु सर्वोत्तम होती है। इसकी अलग-अलग जातियों के लिए अलग-अलग ताप की आवश्यकता होती है। मशरूम बहुत नाजुक होता है इसे उगाने से लेकर हासिल करने तक की प्रक्रिया बेहद सधी हुई होती है। व्यापारिक स्तर पर मशरूम की खेती करने के लिए उसकी प्रजाति के हिसाब से ताप की व्यवस्था करनी चाहिए। अधिक नमी से भी मशरूम की वृद्धि रूक जाती है। प्रकाश की इसके लिए कोई खास जरूरत नहीं होती।

सिर्फ खाने के रूप में ही नहीं औषधि के रूप में मशरूम का प्रयोग सदियों से होता आ रहा है। इसे त्वचा संबंधी रोगों, घावों और बहते हुए रक्त को रोकने, आंखों की जलन दूर करने, गला खराब होने पर गरारे करने के लिए तथा स्वेदनकारी के रूप में बहुत पहले से ही अपयोग में लाया जाता रहा है। किंतु अब इसे ह्रदय रोग, मिरगी, तथा अन्य तांत्रिका संबंधी रोगों के उपचार के इलाज के लिए भी उपयोगी माना जाता है।

छतरी मशरूम न सिर्फ खाने के लिए अच्छा होता है बल्कि औषधि के रूप में भी अत्यंत उपयोगी है। इसे होम्योपैथी में 'अगर' 'एगेरस' आदि नामों से प्रयोग किया जाता है। इसे स्वापक के रूप में तथा ह्रदय रोग, गठिया और जोड़ों के दर्द के लिए भी लाभकारी माना गया है। वालवेरिया गुच्छी से प्राप्त कार्डियोऑक्सिक प्रोटीन ट्यूमर कोशिकाओं की वृद्धि को रोकती है।

मशरूम की कुछ अन्य जातियों में भी ट्यूमररोधी तत्व पाये जाते हैं। औषधि के रूप में तो इसका इस्तेमाल एक बोनस है। खानपान में इससे मिलने वाली जबरदस्त प्रोटीनको जरूर हासिल करना चाहिए ताकि विकास कर रहे बच्चों को खास तौर पर इससे शारीरिक विकास में मदद मिले।

हेल्थ प्लस

बचें सर्वाइकल स्पांडिलाइटिस से

सर्वाइकल स्पांडिलाइटिस रीढ़ की हड्डियों से संबंधित रोग है जिससे वैसे लोग ग्रसित होते हैं जो गर्दन झुकाकर काफी समय तक काम करते हैं। शुरू में सावधानी बरत कर इस रोग से आसानी से बचा जा सकता है। यदि आप आगे की ओर झुककर काम करते हैं तो शाम को कम से कम 5 मिनट पीछे की ओर झुककर व्यायाम करें। इससे सर्वाइकल स्पांडिलाइटिस की बीमारी नहीं होगा। पहले दायें गाल पर दायीं हथेली लगायें और दायीं ओर गर्दन घुमाने की कोशिश करें अर्थात दायें हाथ पर दबाव रहेगा और आप उस दबाव के विपरीत दिशा में देखेंगे।

ठीक उसी प्रकार बायें गाल पर बायां हाथ लगाएं तथा उपरोक्त अनुसार ही क्रिया करें।

अब दोनों हथेलियों को माथे पर टिकाकर माथे पर दबाव डालें। इस दबाव के विपरीत माथे से दबाव डालें। अब दोनों हाथों की अंगुलियों को आपस में फंसाकर सिर के पीछे के हिस्से पर लगाकर सिर पर आगे की ओर दबाव डालें तथा उस दबाव के विपरीत माथे को पीछे की ओर दबायें। अब गर्दन को सीधा कर के दायीं और बायीं ओर व पीछे की ओर झुकायें। ऐसा कई बार करें और सामने की ओर गर्दन न झुकायें।

पेट के बल लेट जाएं। दोनों हाथों को कानों से सटाए हुये सामने की ओर फैलायें। फिर ढीला छोड़ दें। ऐसा करीब 10 बार करें।

अब करीब 10 मिनट श्वास की मुद्रा में विश्राम करें। इन व्यायामों को शुरू में 10 मिनट करें। फिर व्यायाम का समय धीरे-धीरे बढ़ाते जाएं। गर्दन पर बेचैनी महसूस हो तो घर पर आधे घंटे तक ट्रैक्शन लें। आवश्यकतानुसार सर्वाइकल कॉलर की मदद लें।

योगासन में भुजंगासन व मत्स्येन्द्रासन से लाभ मिलता है, इसलिए इसे करें।

सावधानियां:

आगे की ओर झुककर कोई काम न करें। यदि आगे झुककर काम करना ही पड़े तो सर्वाइकल कॉलर का व्यवहार अवश्य करें। मुलायम बिस्तर और तकिये का इस्तेमाल न करें। यदि तकिये का इस्तेमाल करना ही पड़े तो बिल्कुल पतले तकिए का इस्तेमाल करें।

मानसिक तनाव, चिन्ता, बेचैनी व घबराहट से बचें।

आगे झुककर कोई व्यायाम न करें तथा बस की पिछली सीट पर सफर करने से बचें। गर्दन में होने वाली सभी प्रकार के दर्द को सर्वाइकल स्पांडिलाइटिस नहीं कहा जा सकता क्योंकि अत्यधिक तनाव के कारण भी गर्दन में दर्द होने लगता है।

बाथरूम में गंदगी न रखें

लोग बाथरूम में लगी फफूँद को नजरअंदाज कर देते हैं। यदि कुछ लोगों का ध्यान इस ओर जाता भी है, तो वे आलस के कारण उसकी सफाई की ओर ध्यान नहीं देते।

मेरीलैंड में हुए अध्ययन से पता चला है कि इन फफूँदियों के बीजाणुओं से घर के लोगों में फ्लू से मिलते-जुलते लक्षण पनप सकते हैं और इम्यून सिस्टम इतना कमजोर हो सकता है कि आपका शरीर दूसरी किस्म की बीमारियों का घर बन सकता है।

फफूँद के बीजाणु कई तरह की एलर्जी का कारण बन सकते हैं। कुछ खास किस्म के मामलों में साँस के द्वारा फफूँद कण फेफड़ों में खून रिसाव या ब्लीडिंग जैसी गंभीर बीमारियों को जन्म दे सकते हैं।

रक्तदान नहीं होता खतरनाक

खून का कोई विकल्प नहीं होता है, अगर किसी मरीज को खून की आवश्यकता आ पड़े तो खून के अलावा कोई अन्य दवा या द्रव से काम नहीं चलता। खून की क्षतिपूर्ति भी किसी अन्य व्यक्ति से ही की जा सकती है

खून का दान सबसे महान दान माना जाता है। शरीर के अन्य अंगों जैसे ह्रदय, गुर्दे आदि दान करने के बाद उसके प्रत्यारोपण में बहुत कार्रवाई करनी पड़ती है और काफी समय भी लगता है। इसमें खर्च भी बहुत ज्यादा होता है, लेकिन रक्तदान आसान है। हाँ, कुछ परीक्षण तो अवश्य करना परीक्षण अवश्य कराने पड़ते हैं।

रक्तदान के बारे में कुछ मुख्य बातों को देखें। सामान्यत: 18 से 55 वर्ष की उम्र के स्त्री या पुरुष अपना खून दान कर सकते हैं। उनका वजन 45 किलोग्राम के ऊपर होना चाहिए। यानी स्वस्थ होना चाहिए। खून के जरिए फैलने वाली संक्रामक बीमारियाँ न उपस्थित हों (जैसे एड्स, मलेरिया, हेपेटाइटिस आदि)। इसके लिए कुछ परीक्षण करने पड़ते हैं। इस तरह एक स्वस्थ व्यक्ति तीन महीने में एक बार रक्तदान कर सकता है। चिकित्सा विज्ञानियों ने बार-बार जोर देते हुए बताया कि खून देने से किसी भी तरह की कमजोरी या बीमारी नहीं होती।

एक बार में करीब 300 मिलीलीटर खून दान में दिया जा सकता है। हमारे शरीर में करीब 5 हजार 500 मिलीलीटर खून दौड़ता है। जो खून दान में दिया जाता है वह (यानी 300 मिलीलीटर) 36 घंटों में ही बन जाता है।

मनुष्य के खून को 8 वर्गों में वर्गीकृत किया जाता है : ओ+, ए+, बी+, एबी+, ओ-, ए-, बी-, एबी-। जब रोगी को खून दिया जाए तो उसके

खून का परीक्षण करके उसके वर्ग का खून ही देना अनिवार्य है। गलत वर्ग का खून देने से बहुत बुरा अंजाम हो सकता है। यहाँ तक कि मृत्यु भी हो सकती है, लेकिन इसके दो अपवाद हैं। ओ+ खून वाले व्यक्ति को विश्वदानी कहते हैं। उसका खून किसी भी मरीज को (चाहे उसका खून किसी भी ग्रुप का हो) दिया जा सकता है। उसी तरह एबी+ खून वाले व्यक्ति को विश्व-ग्राहक कहते हैं, क्योंकि उसका शरीर किसी भी ग्रुप के खून को स्वीकार कर सकता है। एबी- ग्रुप का खून काफी मुश्किलों से मिलता है।

खून का कोई विकल्प नहीं होता है, अगर किसी मरीज को खून की आवश्यकता आ पड़े तो खून के अलावा कोई अन्य दवा या द्रव से काम नहीं चलता। खून की क्षतिपूर्ति भी किसी अन्य व्यक्ति से ही की जा सकती है, क्योंकि अभी तक कृत्रिम खून बनाना संभव नहीं हो पाया है।

बड़े शहरों में ब्लड बैंक होते हैं, जहाँ खून का संग्रह करके उसे सुरक्षित रखा जाता है ताकि आवश्यकता पड़ने पर लोग उसे ले जाएँ। ब्लड बैंक के अलावा रक्तदान को बढ़ावा देने वाली संस्थाएँ भी होती हैं, जो दानदाताओं को प्रोत्साहन देकर रक्तदान शिविरों का प्रबंध करती हैं। हालाँकि रक्तदान से जान बचाने में बड़ी सहायता मिलती है, लेकिन इसमें काफी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। अभी भी लोगों में रक्तदान को लेकर संशय बना हुआ है। एड्स जैसी बीमारी भी इसकी एक वजह है।

कीवी हैं बड़े काम की

हरा गूदा, बीच में सफेद पल्प और इसके चारों तरफ सजे हुए काले बीज। यह फल कीवी है। यह मीठा-तीखा फल जायके में वास्तव में बहुत शानदार है, इसलिए यह विटामिन सी का स्टोर हाउस है। गौरतलब है कि विटामिन सी आपके शरीर की प्रतिरोधात्मक क्षमता बढ़ाता है।

- कीवी हमारी नसों को मुक्त रेडिकल्स के हानिकारक प्रभावों से सुरक्षित रखता है।
- यह पोटैशियम, कॉपर और मैगनीशियम, मैंगनीज का अच्छा स्रोत है।

छांटते समय

- हमेशा गूदेदार और रस से भरे हुए कीवी का चयन करें। जो कीवी स्पंजी या ढीला पड़ गया है, उसे न खरीदें।

खाने का सही तरीका

- इसके छिलके में अनेक पौष्टिक तत्व हैं जिसे खाया जा सकता है लेकिन पहले छालदार और हरी परत को निकाल दें। कीवी को सलाद में मिलाया जा सकता है।
- स्वादिष्ट स्नैक्स के लिए दही में कीवी और स्ट्राबैरीज को मिला लें।
- कीवी, थोड़ा पाईन एप्पिल और कुछ संतरे की फांको को नमक व काली मिर्च के साथ मिला लें, शानदार डिस तैयार होगा।
- तरबूज और कीवी के टुकड़ों को दही में मिला लें और जायकेदार स्मूदिज बनायें।
- कीवी के टुकड़ों को पनीर के साथ खायें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): योजना क्रियान्वयन के लिए समय अच्छा व सकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। आत्मचिंतन करे। बिगड़ा कार्य बनेगा। शुभांक-5-7-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): व्यवसाय में प्रतिद्वंद्वी परेशान कर सकते है। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शुभांक-4-6-8

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। धार्मिक यात्रा का योग बना है। शुभांक-5-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): सैर-सपाटे में समय व्यतीत होगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। पुराने मित्र के कारण कार्य बाधा हटेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। शुभांक-2-5-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): अपने हितैषी ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। आय-व्यय की स्थिति समान्य रहेगी। शुभांक-1-3-5

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): बुरी संगति से बचे। आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नही। दूसरों के कार्यों में अनावश्यक हस्तक्षेप न करें। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। यात्रा का योग बन रहा है। शुभांक-3-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): कारोबार के विस्तार का मानस बनेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मन प्रसन्न रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-3-5-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): नये-नये व्यापारिक अनुबंध होंगे। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। व्यसनों का त्याग करें. संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। कामकाज में अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। हरि करे सो खरी इसीलिए पूरे मनोयोग से कार्य करें। शुभांक-6-7-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): कार्यक्षेत्र में खुशनुमा माहौल बनेगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास होंग। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पैतृक सम्पत्ति से लाभ होगा। शुभांक-1-4-6

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। शुभांक-4-6-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): जीवनसाथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। कार्य सफल होंगे। शुभांक-2-4-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। परिवारजनों का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-5-7-9

काकुरो पहेली - 3892

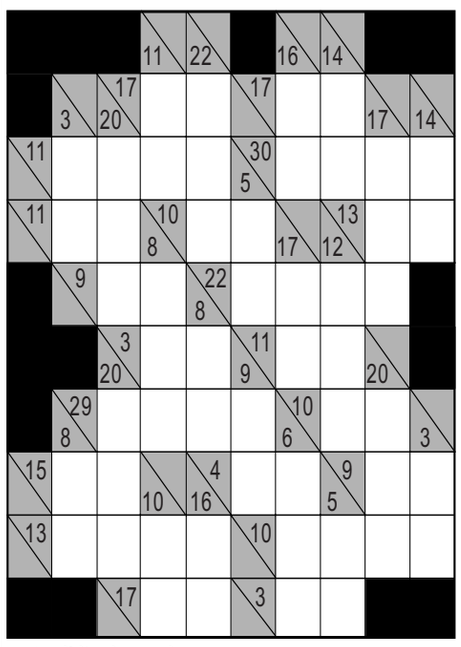

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

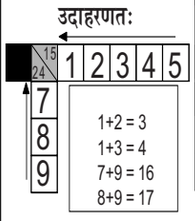

काकुरो - 3891 का हल

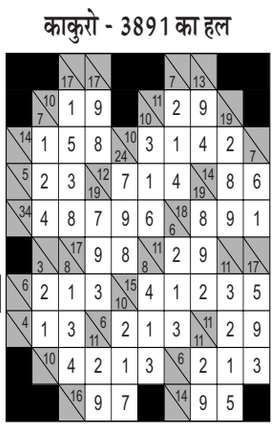

लॉफिंग जोंक्स

प्रेमी पति (पत्नी को खुश करने के लिए बोला)- डार्लिंग! अब झगड़ा बंद भी करो, मैं शांति के साथ रहना चाहता हूँ।

पत्नी- हाँ-हाँ, तो जाओ ना। रहो तुम अपनी शांति के साथ...! मैं भी अब अपने रमन के साथ रहना चाहती हूँ।

प्रेमी (पत्नी से)- आज तुम्हें मेरा बाँसुरी बजाना बुरा लगता है, लेकिन एक दिन मेरे बाँसुरी बजाने पर ही रीझ कर तुमने मुझसे शादी की थी।

पत्नी गुस्से से बोली- हाँ... की थी, लेकिन बाँसुरी बजाने पर रीझ कर नहीं, बल्कि यह सोच कर शादी की थी कि जिस तरह तुम बाँसुरी में फूँक मारते हो, उसी तरह मेरे घर का चूल्हा भी अच्छी तरह फूँकोगे।

कवि (पत्नी से), "तुम्हे पता होना चहिए कि मैं वीर रस का कवि हूं और लोग मेरे बारे कहते हैं कि मैं अपनी कविताओं से संसार में आग लगा सकता हूं।"

पत्नी, अब अपनी प्रशंसा करना बंद करें और प्लीज जरा चूल्हे में आग जला दें।

फिल्म वर्ग पहेली - 3892

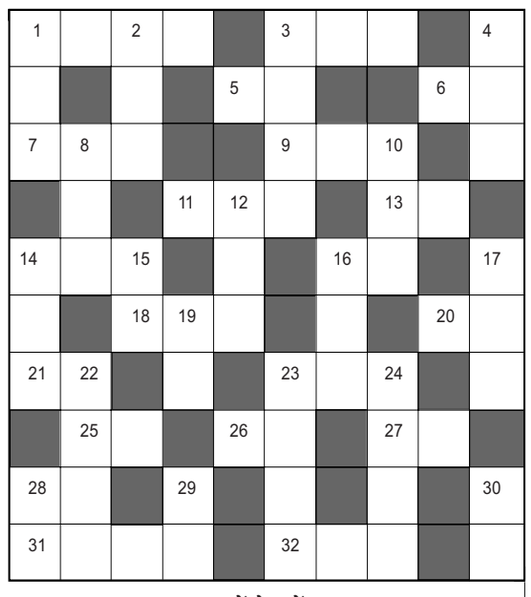

बायें से दायें:-

१. 'चाँद तारे तोड़ लाऊं' गीत वाली शाहरूख, जूही की फिल्म-२,२
३. सैफ, काजोल की 'नीला दुपट्टा पीला सूट' गीत वाली फिल्म-३
५. 'क्या यही प्यार है' गीत वाली संजयदत्त, टीना मुनीम की फिल्म-२
६. संजयदत्त, मनीषा, रवीना की 'ओ गोरी तू चली' गीत वाली फिल्म-२
७. 'चमन में रहके वीराना' गीत वाली दिलीप, निम्मी की फिल्म-३
९. ऋषि, चंकी, नीलम की 'देखा जो हुस्न आपका' गीत वाली फिल्म-३
११. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-३
१३. फिल्म 'मिलाप' की नायिका-२
१४. फिल्म 'गोपी किशन' में किस की दोहरी भूमिका थी?-३
१६. ऋषि, जेबा, अश्विनीभावे की 'आजा वे माही' गीत वाली फिल्म-२
१८. फिल्म 'धरती' में राजेंद्र कुमार के साथ नायिका कौन थी?-३
२०. जॉन, बिपाशा की एक फिल्म-२
२१. 'इस टूटे दिल की' गीत वाली अनिल, अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२३. राजेश, टीना, पद्मिनी की 'जिंदगी प्यार का' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'मेघा रे मेघा' गीत वाली अनिल, श्रीदेवी की फिल्म-२
२६. विकास भल्ला, सुमीत सहगल, नीलम की एक फिल्म-२
२७. 'जवानी दीवानी' में नायिका कौन थी-२
२८. फिल्म 'फूल और पत्थर' में धर्मेन्द्र के किरदार का क्या नाम था-२
३१. संजय दत्त, मनीषा की 'हो रब्बा तू ही बचा' गीत वाली फिल्म-४
३२. फिल्म 'स्टम्प्ड' में अली खान के साथ नायिका कौन है-३

ऊपर से नीचे:-

१. दिलीप कुमार, मीना की 'दिल से तुझ को बेदिली है' गीत वाली फिल्म-३
२. १९७१ के भारत-पाक युद्ध की पृष्ठभूमि पर बनी जे.पी. दत्ता की फिल्म-३
३. 'आ पपियाँ झपियाँ पा लें' गीत वाली फिल्म-४
४. 'जीवन से भरी तेरी आँखों' गीत वाली फिल्म-३
८. ऋषि, सनी, मीनाक्षी की 'बिन साजन झूला' गीत वाली फिल्म-३
१०. फिल्म 'खुशी' में फरदीन खान की नायिका कौन है?-३
१२. 'गुस्सा इतना हसीन है तो प्यार कैसा होगा' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'जलते हैं जिसके लिये' गीत वाली फिल्म-३
१५. रेवती की पहली हिंदी फिल्म-२
१६. 'साथिया बिन तेरे' गीत वाली सनी, तब्बू, शिल्पा की फिल्म-३
१७. विश्वजीत, बबीता की 'लाखों हैं यहाँ दिलवाले' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'लंबी जुदाई' गीत वाली फिल्म-२
२२. राजेंद्र, धर्मेन्द्र, माला की 'आज गालो मुस्कुरालो' गीत वाली फिल्म-४
२३. 'तेरा मेरा साथ रहे' गीत वाली फिल्म-४
२४. राजेश खन्ना, श्रीदेवी की 'कह दे जमाने से' गीत वाली फिल्म-४
२८. 'दिलजले' में अजय का नाम?-२
२९. प्रशांत और ऐश्वर्या की 'फूलों से जो खुशबु' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'मिलती है झुकती है' गीत वाली आफताब, युक्ता की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3891

खु	दा	र		रे	मां	स		आ	शा
शी		त	ला	श		प	ड़ो	स	न
	ध	न	वा	न		ने		रा	
ध	र्मा		रि		जू		झु		सु
	त्मा		स	हे	ली		म	सी	हा
फा		श		मा		गु	रू		ग
गु	म	रा	ह		मे	ला		डॉ	
न		बी		आ		म	हा	न	ता
	काँ		आ	शि	की		द		ल
वां	टे	ड		क		इं	सा	फ	

सूडोकु -3892

		5			3			
	2			9	5			
9						6		
							3	5
	6						7	
4	8							
		7						3
			2	4			9	
			8			2		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3891 का हल

4	2	5	8	6	1	9	7	3
7	3	1	9	4	2	8	5	6
6	9	8	7	3	5	4	2	1
1	6	2	3	8	9	5	4	7
9	4	3	5	1	7	6	8	2
8	5	7	4	2	6	3	1	9
2	1	9	6	5	8	7	3	4
5	7	4	1	9	3	2	6	8
3	8	6	2	7	4	1	9	5

शब्द पहेली - 3892

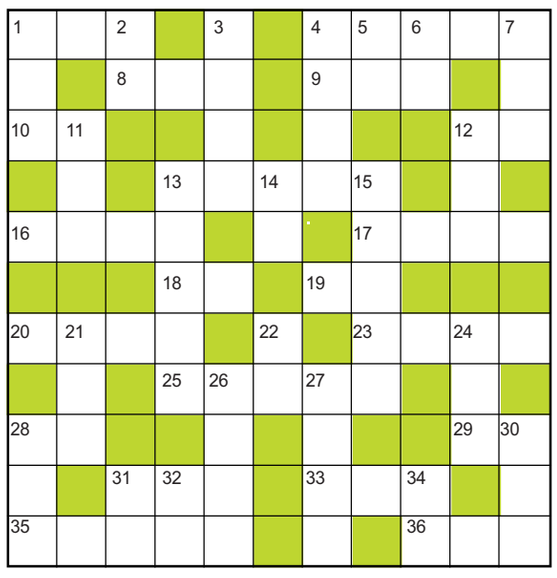

बाएँ से दाएँ

1.नियंत्रण,घोड़े की रास-3
4.पानी से सराबोर-5
8.अंधकार-3
9.आक्रमण-3
10.दम, सुट्टा-2
12.समय, वक्त-2
13.कहानी लेखक-5
16.अपराधी, गुंडा-4
17.आलोकित होना-4
18.उद्देश्य, मंजिल-2
19.छाती, सिलना-2
20.जागरण-4
23.सफल, उत्तीर्ण-4
25.पत्नी का नाना-2,3
28.मार्ग, रास्ता-2
29.जरा, थोड़ा-2
31.वैमनस्य-3
33.पाजेब-3
35.जरुरतमंद-3,2
36.गदर, क्रांति-3

Disclaimer (अस्वीकरण) :

टाइम्स ऑफ पीडिया में पब्लिश किये गए आलेखों में व्यक्त किए गए विचार लेखक के निजी विचार हैं। इसमें दी गई किसी भी सूचना डाटा की सटीकता, संपूर्णता, व्यावहारिकता अथवा सच्चाई के प्रति टाइम्स ऑफ पीडिया उत्तरदायी नहीं है। आलेख में सभी सूचनाएं ज्यों की त्यों प्रस्तुत की गई हैं। इस आलेख में दी गई कोई भी सूचना अथवा तथ्य अथवा व्यक्त किए गए विचार टाइम्स ऑफ पीडिया के नहीं हैं, तथा टाइम्स ऑफ पीडिया उनके लिए किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नहीं है। (TOP Legal Cell)

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
टाइम्स ऑफ़ पीडिया

संक्षिप्त डायरी

डीआईजी माफियाओं पर सख्त कार्रवाई के निर्देश

जौनपुर (एजेंसी) । वाराणसी परिक्षेत्र के पुलिस उपमहानिरीक्षक वैभव कृष्ण ने शनिवार को पुलिस लाइन सभागार, जौनपुर में अपराध एवं कानून व्यवस्था को लेकर समीक्षा बैठक की। बैठक में कुँवर अनुपम सिंह भी मौजूद रहे।बैठक में अपर पुलिस अधीक्षक नगर एवं ग्रामीण, सभी क्षेत्राधिकारी, थाना प्रभारी तथा विभिन्न शाखाओं के प्रभारी अधिकारी शामिल हुए। समीक्षा के दौरान डीआईजी ने जनपद में चिन्हित माफियाओं के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने हत्या, लूट, बलात्कार, छेड़छाड़, गो तस्करी और शराब तस्करी जैसे गंभीर अपराधों में त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। साथ ही गृह चोरी और नकबजनी की घटनाओं में शामिल अपराधियों की गैंगशीट खोलकर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।डीआईजी ने लंबित विवेचनाओं की समीक्षा करते हुए सभी मामलों का समयबद्ध एवं गुण-दोष के आधार पर शीघ्र निस्तारण करने तथा वांछित अभियुक्तों की जल्द गिरफ्तारी सुनिश्चित करने को कहा। महिला संबंधी अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण तथा गुंडा एक्ट के तहत जिलाबदर की कार्रवाई तेज करने के निर्देश भी दिए गए। जनसुनवाई में आने वाले फरियादियों की समस्याओं को शालीनता से सुनकर निष्पक्ष जांच के माध्यम से पीड़ितों को न्याय दिलाने, अवैध शराब के खिलाफ निरंतर अभियान चलाने तथा माल मुकदमाती के विधिक निस्तारण में तेजी लाने के निर्देश दिए गए। थाना प्रभारियों एवं पुलिसकर्मियों को दंगा नियंत्रण और कानून व्यवस्था बनाए रखने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए।

संतों ने हमेशा समाज को जोड़ने का कार्य किया

जौनपुर (एजेंसी) । ब्लॉसम इंडिया फाउंडेशन द्वारा राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज की स्मृति में आयोजित ह्नसामाजिक समरसता में गोरक्षपीठ की भूमिका विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं समरसता सम्मान समारोह रविवार को जिला प्रेक्षागृह, कलेक्ट्रेट-जौनपुर में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में सामाजिक समरसता, राष्ट्रीय एकता और भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों को लेकर वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किए। संगोष्ठी में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक रामशीष ने कहा कि सामाजिक समरसता के लिए प्रत्येक व्यक्ति को आगे आना होगा। संतों ने सदैव समाज को जोड़ने का कार्य किया है। गोरक्षपीठ की सामाजिक समरसता में बड़ी भूमिका रही है. उन्होंने यह भी कहा कि चार वर्णों से बढ़कर हजारों जातियों में बंटे समाज को फिर से जोड़ने के लिए समयानुकूल नए सूत्र खोजने होंगे। उन्होंने कहा कि भारत में पहले लोग धर्म के माध्यम से एक-दूसरे की रक्षा करते थे। खेल एवं युवा कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गिरीश चंद्र यादव ने कहा कि गोरखपुर का गोरक्षपीठ आध्यात्मिक दृष्टि से एक प्रमुख केंद्र है और सनातन धर्म को आगे बढ़ाने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। विधान परिषद सदस्य बृजेश सिंह प्रिंसू ने कहा कि गोरखपीठ ने समय-समय पर सनातन धर्म को मजबूत करने के साथ समाज में समरसता कायम करने का निरंतर कार्य किया है। संचालन श्याम चंद्र श्रीवास्तव ने किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकर्ता, बुद्धिजीवी, युवा एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले 22 लोगों को ह्नसमरसता सम्मानह्व से सम्मानित किया गया। उपस्थित प्रमुख लोगों में पूर्व विधायक सुरेन्द्र प्रताप सिंह, डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर, डॉ. जितेन्द्र कुमार सिंह , डॉ. कुंवर शेखर, अमिताभ , विजय गुप्ता, धर्मेंद्र, पंकज त्रिपाठी , सुरेश सिंह, पवन कुमार एवं शिवकुमार चैबे शास्त्री उपस्थित रहे।

कार्यशाला के समापन समारोह में 30 महिलायें सम्मनित

जौनपुर (एजेंसी) । सखी वेलफेयर फाउंडेशन ने नगर के मरदानपुर स्थित कार्यालय पर आर्थिक रूप से कमजोर युवतियों एवं महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए डायमंड गर्ल ब्यूटी सलोन एंड मेकअप स्टूडियो के सौजन्य से विगत माह से आरंभ ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण कार्यशाला का समापन समारोह आयोजित किया, जिसमें 30 ब्यूटी पार्लर कोर्स प्रशिक्षित युवतियां महिलाओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया तथा इस अवसर पर निःशुल्क सिलाई प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारंभ भी किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ ज्योति दास विशिष्ट अतिथि वंदना सरकार, प्रांत उपाध्यक्ष सेवा भारती संस्थाध्यक्ष प्रीति गुप्ता, प्रशिक्षिका पूजा जायसवाल, मोनिका गुप्ता, महासचिव अर्चना सिंह सहित सभी सखियों ने मां सरस्वती के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलन व पुष्पार्चन कर किया। मुख्य अतिथि डॉ ज्योति दास ने कहा कि नारी को आत्म निर्भर बनाना एक पुनीत कार्य हैं। यदि नारी के स्वयं के हाथ में हुनर हो तो वह अपने परिवार का भरण पोषण भली भांति कर सकती है। विशिष्ट अतिथि वंदना सरकार ने सखी वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा नारी स्वावलंबन के लिए किया जा रहे कार्यों की प्रशंसा की। संस्था की टीम ने प्रशिक्षण ले रही युवतियों एवं महिलाओं में प्रोजेक्ट रिपोर्ट के माध्यम से बेहतर कार्य करने वालों को सम्मानित किया गया, जिसमें प्रथम स्थान शिखा साहू, द्वितीय स्थान नेहा शर्मा तथा तृतीय स्थान श्रेयसी गुप्ता ने प्राप्त किया। संचालन संस्था उपाध्यक्ष स्वर्णिमा जायसवाल ने किया तथा उपस्थित सभी के प्रति आभार महासचिव अर्चना सिंह ने व्यक्त किया। सरला माहेश्वरी,शीला राय, अंजु जायसवाल, दिव्या साहू, रूपम शुक्ला, दीपा साहू, शकुंतला मौर्य, सरिता निगम, संचिता बैंकर,तसनीम जैदी, सुजाता जायसवाल, सरिता निगम, कामना राय सहित तमाम लोग उपस्थित रहे।

पुरुषोत्तम मास के प्रथम दिन धार्मिक अनुष्ठानों की धूम

जौनपुर (एजेंसी) । मृत्युंजय महादेव धाम उमरछी में पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर पर प्रथम दिन विभिन्न प्रकार के भव्य धार्मिक आयोजनों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पूरा मंदिर परिसर भगवान शिव और प्रभु श्रीराम के जयकारों से गुंजायमान रहा। आयोजक पूर्व जिलाध्यक्ष भाजपा सुशील कुमार उपाध्याय ने कहा, ष्पुरुषोत्तम मास में धार्मिक कार्यों का फल अनंत होता है, इसलिए क्षेत्र की सुख-समृद्धि और आध्यात्मिक चेतना जागृत करने हेतु इस भव्य मास परायण का निरंतर आयोजन किया रहा है। मुख्य पुरोहित पंडित अभिनव मिश्र के आचार्यत्व में अशोक दुबे, सूर्यनाथ शुक्ल, दीनानाथ उपाध्याय,सरोज, तृप्ति, रिया, शिवानी आदि महिलाओं और पुरुषों ने सामूहिक रूप से ष्ॐ नमः शिवायष् महामंत्र का सस्वर पाठ किया। भक्तों ने अत्यंत श्रद्धाभाव से भगवान मृत्युंजय महादेव पर बेलपत्र अर्पित कर विश्व कल्याण की कामना की।तत्पश्चात पंडित श्रेय मिश्र द्वारा श्रीरामचरितमानस के मास परायण के प्रथम विश्राम का पाठ और मधुर स्वर में व्याख्या की गई। अपने वक्तव्य में उन्होंने कहा, ष्मानस का प्रथम विश्राम नाम, महिमा और गुरु वंदना से मानव जीवन को अनुशासित बनाता है, क्योंकि राम नाम का स्मरण करने से जीव सहज ही भवसागर पार कर जाता है। इसके बाद पंडित अभिनव मिश्र द्वारा शिव पुराण का पाठ करते हुए उसके प्रथम अध्याय से लेकर तीसरे अध्याय के महत्व पर प्रकाश डाला गया। अपने वक्तव्य में उन्होंने कहा, ष्शिव पुराण के शुरूआती अध्याय शिव कथा श्रवण, कीर्तन और मनन की महिमा बताते हैं, जिसके प्रभाव से मनुष्य के जन्म-जन्मांतर के पाप नष्ट होकर परम गति मिलती है।ष्महामृत्युंजय जाप और रुद्राभिषेककथा और प्रवचन के उपरांत विद्वान पंडितों के दल द्वारा वैदिक रीति से 11 माला महामृत्युंजय मंत्र का सामूहिक जाप किया गया।

रिसेप्शनिस्ट से बना 'कुकर्म का किंगपिन', बोला- मालिक को कमाते देख मैं भी धंधे में उतरा, ऐसे होता था खेल

कानपुर (एजेंसी) विनायकपुर स्थित होटल रिद्धि पैलेस में जिस्मफरोशी रैकेट चलाने और हिडन कैमरे से अश्लील वीडियो बनाकर बेचने के आरोप में संचालक प्रमोद गुप्ता सहित पांच आरोपियों को जेल भेज दिया गया है। वहां पर मालिक खूब कमाता था। उसकी आर्थिक स्थिति कुछ ही साल में पहले से बेहतर होती देखी इसलिए खुद भी इसी धंधे में उतर गया। उसी होटल में लड़कियों की सप्लाई करने वाली गिरफ्तार प्रीति मीनू, किरन से मुलाकात हुई। मोबाइल पर कुछ ट्रांजेक्शन मिले हैं होटल किराये पर लेकर उन्हीं की मदद से उसमें लड़कियों की सप्लाई शुरू की। वहीं, वीडियो रिकॉर्ड करने के बारे में वह गोलमोल जवाब देता रहा। हालांकि, पुलिस सूत्रों के मुताबिक उसके मोबाइल पर कुछ ट्रांजेक्शन मिले हैं। ऐसे में संदेह है कि हिडन कैमरे से रिकॉर्ड किए गए अश्लील वीडियो बेचने से रकम मिली है। युवतियां और युवक आपत्तिजनक हालत में मिले

विनायकपुर पंचवटी इलाके में होटल रिद्धि पैलेस में शुक्रवार शाम पुलिस ने छापा मारा था। होटल के तीन कमरों में तीन युवतियां और युवक आपत्तिजनक हालत में मिले। पुलिस ने होटल संचालक प्रमोद गुप्ता, उसके साथी बर्रा के कर्रही निवासी अम्बिका व युवतियों को इस पेशे में उतारने वाली प्रीति सिंह, मीनू व किरन को गिरफ्तार किया। आरोपियों के मोबाइल फोन जब्त कर लिए एसीपी पनकी आशुतोष कुमार ने बताया कि संचालक व अन्य आरोपियों के मोबाइल फोन जब्त कर लिए गए हैं। प्राथमिक जांच में वीडियो बेचने की बात सामने आई है। वसूली से इन्कार नहीं किया जा सकता है। साइबर एक्सपर्ट की मदद ली जा रही है। मुझसे दोस्ती करोगे...जैसे विज्ञापन भेज फंसा रहे दलाल कई बार आपके साथ ही ऐसा हुआ होगा कि किसी एप को चलाते हुए या इंटरनेट सर्फिंग के दौरान पूरे पेज का विज्ञापन आ जाता है जिसमें लिखा होता है पूरी रात बात करें वीडियो कॉल पर.... खूबसूरत लड़कियों से दोस्ती करें...। खुलेआम चल रहा है धंधा और नहीं जिस्मफरोशी के दलाल चला दरअसल इंटरनेट पर ये विज्ञापन कोई रहे हैं। ये गुमनाम दलाल शहर के हर गली और नुक्कड़ पर सक्रिय हैं। चोरी छिपे चलने वाला जिस्मफरोशी का धंधा अब दोस्ती करने के नाम पर खुलेआम चल रहा है। कमरे भी करा दिए जाते हैं उपलब्ध किसी के पास जगह न हो, तो घर के एक किमी के दायरे में कमरे भी उपलब्ध करा दिए जाते हैं। एसीपी क्राइम रंजीत कुमार ने बताया कि जिस्मफरोशी से जुड़े लोग सोशल मीडिया पर इस तरह के विज्ञापन प्रचलित करते हैं। इनको चिह्नित करने के लिए टीमें काम कर रही हैं। ये था पूरा मामला विनायकपुर के पंचवटी स्थित होटल रिद्धि पैलेस में रावतपुर पुलिस ने छापा मारकर जिस्मफरोशी रैकेट का खुलासा किया। होटल के कमरों में युवक-युवतियां आपत्तिजनक हालत में मिले। पुलिस ने होटल संचालक प्रमोद गुप्ता, तीन महिलाओं समेत पांच लोगों को गिरफ्तार कर जांच शुरू की। कमरों में हिडन कैमरे मिले हैं पुलिस को होटल के कमरों में हिडन कैमरे मिले हैं।

भाजपा सिर्फ सरकार नहीं देश बनाने के लिए काम करती है- केशव प्रसाद मौर्य

प्रयागराज (एजेंसी) भाजपा प्रयागराज महानगर का दो दिवसीय पंडित दीनदयाल उपाध्याय जिला प्रशिक्षण वर्ग का शुभारंभ रविवार को किया गया। उद्घाटन डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने किया। पंडित दीनदयाल उपाध्याय, डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी व भारत माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन और वंदेमातरम गीत के बाद प्रशिक्षण वर्ग का उद्घाटन किया गया। उद्घाटन सत्र में कार्यकताओं को संबोधित करते हुए डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि संगठन में प्रशिक्षण वर्ग का बहुत महत्व है। वर्ग में जो सीख कर जाएं उसे अन्य कार्यकताओं में बांटे। प्रशिक्षण वर्ग संगठन का आधार है। कार्यकताओं को पश्चिम बंगाल में सरकार बनने की बधाई देते हुए डिप्टी सीएम ने कहा कि पूरा देश उत्साह से लबरेज है। यह ऐतिहासिक विजय है। इस विजय का संदेश पूरे देश में गया हैं। विरोधी भी मानने लगे हैं कि 2027 में उनका नंबर नहीं आने वाला। 2014 के लोकसभा, 2017 के विधानसभा, 2019 के लोकसभा व 2022 के यूपी विधानसभा चुनाव में हमने मेहनत किया लेकिन 2024 के लोकसभा चुनाव में विपक्ष ने दुष्प्रचार किया। हमारे सांसदों की संख्या घट गई।

कनकधारा' ने किया भव्य सुंदरकांड पाठ आयोजित

प्रयागराज (एजेंसी) सनातनी संस्कृति के संवर्धन, विश्व शांति और देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी विजन को समर्पित 5 दिवसीय शनिवार सुंदरकांड पाठ अनुष्ठान का प्रथम सोपान आज सिविल लाइंस स्थित प्रसिद्ध श्री हनुमत निकेतन मंदिर में अत्यंत भव्यता और दिव्यता के साथ संपन्न हुआ। जेठ माह की पावन शनि अमावस्या एवं शनि जयंती के महाशक्तिशाली दुर्लभ संयोग पर 'कनकधारा' संस्था द्वारा आयोजित इस अनुष्ठान में शहर के प्रबुद्ध नागरिकों, राजनेताओं और मातृशक्ति का भारी जनसैलाब उमड़ा। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और संकटमोचन हनुमान जी की महाआरती के साथ हुआ। इसके पश्चात प्रख्यात पाठ वाचक आचार्य पं. हरे राम द्विवेदी ने सस्वर सुंदरकांड का संगीतमय पाठ कर उपस्थित श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। इस अवसर पर 'कनकधारा' संस्था की अध्यक्ष, सुप्रसिद्ध गायिका व अधिवक्ता स्वाती निरखी ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि आज संपूर्ण विश्व ऊर्जा, ईंधन और आर्थिक संकट की विभीषिका झेल रहा है। ऐसे संवेदनशील समय में आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा देशवासियों से की गई अपील–'तेल बचाओ, ईंधन बचाओ और ऊर्जा का संरक्षण करो'–केवल एक सरकारी नीति नहीं, बल्कि वैश्विक संकट को टालने का सनातन मार्ग है। स्वाती निरखी ने कहा कि 'कनकधारा' संस्था ने इस धार्मिक मंच के माध्यम से हनुमान जी के चरणों में प्रार्थना की है कि प्रधानमंत्री जी के इस लोक-कल्याणकारी विजन को और आत्मिक बल मिले, जिससे भारत विश्व गुरु के पद पर प्रतिष्ठित हो सके। अनुष्ठान में किन्नर महामंडलेश्वर आदरणीय कौशल्यानंद गिरी माता जी नीरज राय , सौरभ माथुर , दीपक श्रीवास्तव , हेमंत बैनर्जी आदि क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों, विभिन्न राजनैतिक दलों के वरिष्ठ पदाधिकारियों, अधिवक्ताओं और प्रबुद्ध जनों ने मुख्य रूप से सहभागिता की। सीनियर अधिवक्ता प्रदीप वर्मा ने कनकधारा संस्था की इस अनूठी वैचारिक व आध्यात्मिक पहल की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

वनवासी हत्याकांड में 25-25 हजार के दो इनामी अरेस्ट, पुलिस पर गोली चलाकर भाग रहे थे; घायल

गाजीपुर (एजेंसी) जिले के सैदपुर थाना क्षेत्र में दासू वनवासी हत्याकांड के दो 25-25 हजार रुपये के इनामी बदमाश पुलिस मुठभेड़ में घायल होकर गिरफ्तार किए गए। पुलिस के अनुसार दोनों ने पुलिस टीम पर फायरिंग की थी, जिसके जवाब में कार्रवाई की गई। आरोपियों के पास से दो तमंचे, कारतूस और खोखा बरामद हुए हैं। गाजीपुर के थाना सैदपुर पुलिस को अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी सफलता हाथ लगी है। दासू वनवासी हत्याकांड में वांछित चल रहे 25-25 हजार रुपये के दो इनामी अभियुक्तों को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद घायल अवस्था में गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने दोनों के कब्जे से अवैध तमंचे और कारतूस भी बरामद किए हैं। थाना प्रभारी सैदपुर राजेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि शुक्रवार को पुलिस

टीम पियरी बाजार क्षेत्र में वांछित एवं इनामी अपराधियों की तलाश में चेकिंग अभियान चला रही थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि दासू वनवासी हत्या प्रकरण में फरार चल रहे अभियुक्त रासबिहारी और हरिंद्र सेहमलपुर गांव स्थित निमार्णाधीन फायर सर्विस स्टेशन के पास मौजूद हैं। सूचना मिलते ही प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार त्रिपाठी तथा उपनिरीक्षक वासुदेव प्रसाद पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने की कार्रवाई पुलिस टीम को देखते ही दोनों अभियुक्तों ने खुद को घिरता देख पुलिस पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग शुरू कर दी। अचानक हुई फायरिंग से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। पुलिस टीम ने भी आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की। जवाबी फायरिंग में दोनों अभियुक्त गोली लगने से घायल होकर मौके पर गिर पड़े, जिसके बाद पुलिस ने उन्हें घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान रासबिहारी पुत्र बंजू निवासी मोलनापुर थाना नोनहरा तथा हरिंद्र पुत्र रासबिहारी निवासी मोलनापुर थाना नोनहरा के रूप में हुई है। दोनों लंबे समय से दासू वनवासी हत्याकांड में वांछित चल रहे थे और पुलिस ने उन पर 25-25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था।

पुलिस ने अभियुक्तों के कब्जे से दो अवैध तमंचे, दो खोखा कारतूस तथा एक जिंदा कारतूस बरामद किया है। घायल बदमाशों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सैदपुर भेजा गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। थाना प्रभारी ने बताया कि दोनों आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

रोटरी प्लैटिनम ने फिर रचा इतिहास- रक्तअर्पण-2 में 75 यूनिट रक्तदान

रक्तअर्पण-1 में भी हुआ था 75 यूनिट रक्तदान का ऐतिहासिक अभियान

प्रयागराज (एजेंसी) समाज सेवा के क्षेत्र में एक और उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए रोटरी प्रयागराज प्लैटिनम ने ह्नरक्तअर्पण 2.0ह्व के अंतर्गत अपने द्वितीय रक्तदान शिविर का सफल आयोजन इलाहाबाद नर्सिंग होम एसोसिएशन के सहयोग से एएनएचए ब्लड बैंक, सिविल लाइंस में किया। इस शिविर में एक बार फिर 75 यूनिट रक्तदान हुआ, जिससे अनेक जरूरतमंद मरीजों को नया जीवन मिलने की आशा जगी। विशेष उल्लेखनीय तथ्य यह रहा कि ह्नरक्तअर्पण 1ह्व की भांति इस बार भी 75 यूनिट रक्त संग्रह किया गया। पिछले 10 महीनों में कुल 150 यूनिट रक्त संग्रह कर रोटरी प्रयागराज प्लैटिनम ने समाज सेवा के क्षेत्र में एक नया इतिहास रचा है क्लब अध्यक्ष रोटेरियन डॉ. प्रतीक पाण्डेय ने कहा कि रक्तअर्पण केवल एक रक्तदान शिविर नहीं, बल्कि आजीवन चलने वाला जनसेवा अभियान है, जिसका उद्देश्य प्रयागराज में रक्त की कभी कमी न होने देना है।

उन्होंने बताया कि आने वाले समय में रोटरी प्रयागराज प्लैटिनम द्वारा ह्नरक्तअर्पण अभियानह्व के माध्यम से एएनएचए ब्लड बैंक को एक अत्याधुनिक रक्तदान वाहन समर्पित किया जाएगा, जिसके माध्यम से प्रतिमाह शहर एवं जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में लगभग 15 रक्तदान शिविर आयोजित किए जाएंगे। शिविर में रक्तदाता रोटेरियन नितिन चोपड़ा ने अपने जीवन का 50वां रक्तदान कर एक प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया। शिविर के मुख्य संयोजक रोटेरियन डॉ. शरद जैन रहे। रक्तअर्पण 2.0 का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ. आशीष टंडन, अध्यक्ष एएनएचए द्वारा किया गया। कार्यक्रम में डॉ. निकुंज अग्रवाल, डॉ. बी.बी. अग्रवाल, डॉ. पीयूष दीक्षित, डॉ. अनुराग अग्रवाल, डॉ. रंजना पाण्डेय, डॉ. संजीव गुप्ता, डॉ. अरुण गुप्ता, डॉ. अविनिश सक्सेना तथा डॉ. घनश्याम मिश्रा सहित अनेक वरिष्ठ चिकित्सकों की उपस्थिति रही। मीडिया प्रभारी रोटेरियन मनीष गर्ग ने अपने संदेश में कहा कि, एक यूनिट रक्त किसी की पूरी दुनिया बचा सकता है। रक्तदान केवल मानवता की सेवा नहीं, बल्कि जीवनदान का सबसे बड़ा माध्यम है।

विद्युत व्यवधान तत्काल दुरुस्त होने चाहिए:जिलाधिकारी

जौनपुर (एजेंसी) । जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन. द्वारा कलेक्ट्रेट सभागार में शनिवार देर सायं विद्युत विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की गई। जिलाधिकारी द्वारा सभी अधिकारियों को यह निर्देशित किया गया कि आंधी तूफान के कारण जो पोल क्षतिग्रस्त हुए हैं उनको युद्धस्तर पर विभिन्न एजेंसिया लगाकर दो दिनों के अंदर पोल लगाते हुए विद्युत आपूर्ति बहाल कराएं एवं पूर्ण रूप से बहाल होने तक प्रतिदिन की प्रगति से अधीक्षण अभियंता तथा अधिशासी अभियंता शाम को अवगत कराएं एवं आपूर्ति बहाल होने के पश्चात सभी पोलो की ग्राउटिंग करा लें,जहां पर स्टे की आवश्यकता है वहां पर स्टे लगा दिया जाए। अधिशासी अभियंताओं को निर्देशित किया कि परिवर्तक कम से कम क्षतिग्रस्त हो तथा सभी परिवर्तक पर सुरक्षा उपकरण जैसे टेललेस यूनिट एवं फ्यूज की स्थापना इत्यादि कर लिया जाए तथा अधिकारियों को पर्याप्त मात्रा में परिवर्तक उपलब्ध रखने हेतु निर्देशित किया गया जिससे कि परिवर्तक छतिग्रस्त होने पर तुरंत बदला जा सके। सभी उपखंड अधिकारियों को यह सचेत किया गया कि प्रत्येक उपभोक्ता के विद्युत बिल का निस्तारण उपखंड कार्यालय पर हो जाना चाहिए अगर इसमें कहीं पर भी लापरवाही पाई जाती है तो कार्यवाही कर दी जाएगी। जनपद मुख्यालय पर ट्रिपिंग की व्यवस्था का तत्काल निराकरण किया जाए एवं सभी विद्युत पोलो एवं तारों का अनुरक्षण एवं ट्री कटिंग कर लिया जाए जिससे कि आगामी वर्षा ऋतु में कहीं पर भी दुर्घटना की संभावना न बनी रहे तथा साथ ही साथ सभी परिवर्तकों की लोड बैलेंसिंग करते रहें। विशेषकर जल भराव वाले एरिया तथा भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में यह

सुनिश्चित कर ले कि कहीं पर भी करंट उतरने की संभावनाएं ना बनी रहे तथा इंसुलेशन ठीक विभाग के सभी अधिकारी और कर्मचारी अगले तीन माह तक अलर्ट मोड पर रहेंगे तथा विद्युत व्यवधान होने पर तत्काल कार्रवाई करते हुए विद्युत आपूर्ति बहाल करेंगे इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही क्षम्य नहीं होगी। समीक्षा बैठक के दौरान जवाब से संतुष्ट न होने पर अधीक्षण अभियंता द्वितीय को कारण बताओं नोटिस तथा उपखंड अधिकारी खेतासराय का अग्रिम आदेशों तक वेतन रोकने के निर्देश जिलाधिकारी द्वारा दिए गए। जिलाधिकारी द्वारा यह भी निर्देशित किया गया की 15 दिन के पश्चात समीक्षा बैठक की जाएगी और यदि उपरोक्त दिशा निदेर्शों का अनुपालन न किया जाना पाया जाएगा तो संबंधित के विरुद्ध प्रतिकूल कार्रवाई की जाएगी। अपर जिलाधिकारी वि0ध्रा0 परमानंद झा, मुख्य राजस्व अधिकारी अजय अंबष्ट, नगर मजिस्ट्रेट इंद्रनंदन सिंह, अधीक्षण अभियंता, अधिशासी अभियंता, उपखंड स्तर तक के अधिकारियों एवं भंडार सहित अन्य अधिकारियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

वाराणसी में छाता लेकर पैदल आए मेयर, ई-स्कूटी से पहुंचे नगर आयुक्त; ईंधन बचत का अनोखा संदेश

वाराणसी (एजेंसी) नगर निगम वाराणसी में ह्यनो फ्यूल डेह्व मनाया गया। मेयर अशोक तिवारी पैदल और नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल ई-स्कूटी से कार्यालय पहुंचे। नगर निगम ने हर शनिवार यह अभियान चलाने का निर्णय लिया है। वहीं महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ ने ऊर्जा संरक्षण के तहत शिक्षकों की विदेश यात्रा और स्टडी टूर पर रोक लगा दी है। नगर निगम वाराणसी में शनिवार को ह्यनो फ्यूल डेह्व का पालन किया गया। इस दौरान मेयर, नगर आयुक्त समेत अधिकारियों और कर्मचारियों ने पेट्रोल-डीजल से चलने वाले वाहनों का प्रयोग नहीं किया और लोगों को पर्यावरण संरक्षण तथा ईंधन बचत का संदेश दिया। मेयर अशोक तिवारी शनिवार सुबह पैदल ही कार्यालय पहुंचे। तेज धूप और गर्मी से बचने के लिए उन्होंने छाते का सहारा लिया। वहीं नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल ई-स्कूटी से कार्यालय पहुंचे। इसके अलावा अपर नगर आयुक्त समेत अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों ने ई-रिक्शा तथा साझा वाहनों का उपयोग किया। मेयर अशोक तिवारी ने कहा कि प्रधानमंत्री की ओर से देशवासियों से ईंधन की खपत कम करने और विदेशी मुद्रा की बचत करने की अपील की गई है। इसी के तहत नगर निगम ने यह पहल शुरू की है, ताकि आमजन को भी पर्यावरण के प्रति जागरूक किया जा सके। उन्होंने कहा कि यदि लोग सप्ताह में एक दिन भी निजी वाहनों का कम इस्तेमाल करें तो इससे प्रदूषण में कमी आएगी और ईंधन की बचत भी होगी। नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल ने बताया कि नगर निगम प्रशासन ने सामूहिक रूप से निर्णय लिया है कि यह अभियान केवल एक दिन तक सीमित नहीं रहेगा। अब प्रत्येक शनिवार को नगर निगम में ह्यनो फ्यूल डेह्व मनाया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों से अधिक से अधिक सार्वजनिक परिवहन, ई-वाहन और साझा वाहनों के उपयोग की अपील की। इधर, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ ने भी पर्यावरण एवं ऊर्जा संरक्षण को लेकर बड़ा निर्णय लिया है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने शिक्षकों की विदेश यात्रा पर अगले आदेश तक रोक लगा दी है। इसके साथ ही विभागाध्यक्षों, संकाय प्रमुखों और निदेशकों से छह महीने तक स्टडी टूर स्थगित करने को कहा गया है।

विश्वविद्यालय प्रशासन ने छात्र-छात्राओं, शिक्षकों, अधिकारियों और कर्मचारियों से डीजल-पेट्रोल वाहनों का प्रयोग कम करने तथा वाहन शेयरिंग अपनाने की अपील की है। कुलपति ने कहा कि ऊर्जा संरक्षण और पर्यावरण सुरक्षा के लिए सभी को सामूहिक प्रयास करने होंगे।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
टाइम्स ऑफ़ पीडिया

मन की साधना

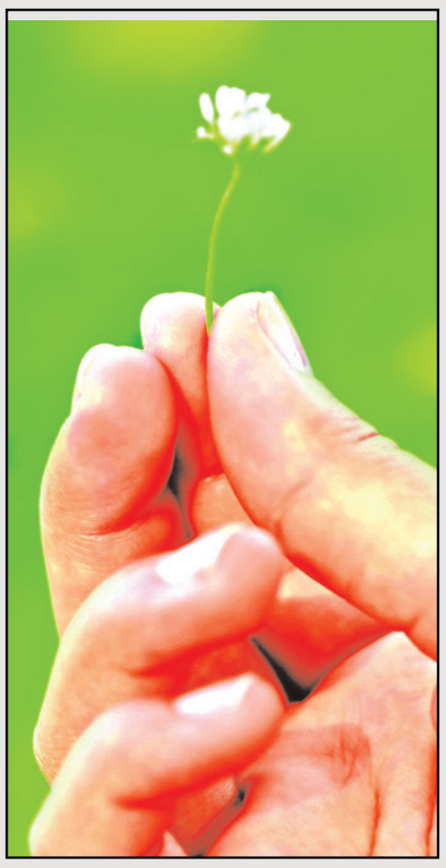

चतुर्मास का समय निकट आया तो भिक्षु सुशांत ने बुद्ध से आग्रह किया प्रभु, मैं नगरवधू सोमलता के सान्निध्य में अपना चतुर्मास व्यतीत करना चाहता हूं। कृपया इसकी आज्ञा प्रदान करें। यह सुनकर बुद्ध मुस्कराए। वह समझ गए कि यह वहां जाकर मन को साधकर सच्चा साधक होना चाहता है, लेकिन अन्य भिक्षुओं ने इस पर आपत्ति जताई। उन्हें संदेह था कि सुशांत कहीं अपने पथ से विचलित न हो जाए, पर बुद्ध ने भिक्षुओं के विरोध के बावजूद उसे आशीर्वाद देते हुए कहा, जाओ और आगे बढ़कर आना। सुशांत सोमलता के पास पहुंचा। वहां सब उसे देखकर आश्चर्यचकित रह गए। लेकिन सुशांत अपने संकल्प पर अडिग था।

इधर सोमलता के घुंघरुओं की आवाज गूंजती और उधर सुशांत अपनी साधना में लीन रहता। सोमलता सुशांत को रिझाने का प्रयास करती, मगर वह निर्लिप्त रहता। एक मास गुजर गया मगर सोमलता सुशांत को डिगा न सकी। हां, उससे थोड़ी सहानुभूति अवश्य होने लगी। उसने दूसरों को भी साधना के क्षणों में शांत रहने को कह दिया। चौथा मास आते-आते सुशांत ने अपने मन पर नियंत्रण पा लिया था। वह सोमलता या अन्य सुंदरियों की ओर आंख उठाकर भी नहीं देखता था। संगीत उसे बुद्ध-वाणी की तरह लगता था और नृत्यालय देवालय की तरह। चार मास पूर्ण हुए और सुशांत अपने मठ की ओर वापस चला तो सबने आश्चर्य से देखा- भिक्षुणी बनी सोमलता उसके पीछे-पीछे अपना सर्वस्व त्याग कर जा रही थी। सोमलता अपने रूप-रंग से सुशांत को रिझा न सकी, मगर सुशांत के तप का प्रभाव सोमलता पर दिख रहा था। सुशांत वास्तव में आगे बढ़ गया था।

भाग्य और पुरुषार्थ

राजा विक्रमादित्य के दरबार में कई ज्योतिषी थे। मगर वह कोई काम शुभ लग्न देख कर या ज्योतिषी की सलाह लेकर नहीं करते थे। एक दिन राज ज्योतिषी उनके पास आए और बोले, महाराज, आप के दरबार में कई ज्योतिषी हैं। आप की तरफ से उन्हें सभी सुविधाएं मिली हुई हैं, पर आप कभी हमारी सेवाएं नहीं लेते। आज मैं आप की हस्तरेखा देख कर यह जानना चाहता हूं कि आप ऐसा क्यों करते हैं?

राजा ने कहा, मेरे पास इतना समय नहीं रहता कि मैं आप लोगों से सलाह ले सकूं। जहां तक हस्तरेखा की बात है तो मैं इसमें विश्वास नहीं रखता। लेकिन आप कह रहे हैं तो देख लीजिए। हाथ देख कर राज ज्योतिषी चक्कर में पड़ गए। उनकी आवाज बंद हो गई। राजा ने पूछा, क्या हुआ। आप इतने परेशान क्यों हैं? राज ज्योतिषी ने कहा, राजन्, आप की हस्तरेखाएं तो कुछ और कहती हैं। ज्योतिष के अनुसार आप को तो दुर्बल और दीनहीन होना चाहिए था। लेकिन आप तो इसके विपरीत हैं। हजारों साल से ज्योतिष विद्या पर विश्वास करने वाले लोग आपकी रेखाएं देख कर भ्रमित हो जाएंगे। समझ में नहीं आ रहा कि ज्योतिष को सच मानूं या आप की रेखाओं को। विक्रमादित्य ने कहा, अभी तो आप ने मेरे बाहरी लक्षणों को ही देखा है, अब आप हमारे अंदर झांक कर देखिए। इतना कह कर राजा ने तलवार की नोक अपने सीने में लगा दी। राज ज्योतिषी घबरा कर बोले, बस महाराज, रहने दीजिए।

राजा ने कहा- ज्योतिषी महाराज, आप परेशान मत हों। ज्योतिष विद्या भी तभी सार्थक सिद्ध होती है, जब मनुष्य में कुछ करने का संकल्प हो। हस्तरेखाएं तो भाग्य नहीं बदल सकतीं, लेकिन मनुष्य में यदि पुरुषार्थ है, अभाग्य से लड़ने की शक्ति है तो उसकी नकारात्मक रेखाएं भी अपने रूप बदल सकती हैं। लगता है मेरे साथ ऐसा ही हुआ है। राज ज्योतिषी अवाक हो गए।

गीता में है जीवन का ज्ञान

गीता डॉक्टर की भांति है। बस फर्क इतना ही है कि डॉक्टर शरीर के रोगों का इलाज करता है, जबकि गीता मन के रोगों का इलाज करती है और उन्हें दूर करने का मार्ग दिखाती है।

गीता का उपदेश जीवन की धारा है। चूंकि गीता में जीवन की सच्चाई छिपी है और इसमें जीवन में आने वाली दुश्वारियों के कारण व निवारण दोनों को ही विस्तार से समझाया गया है। इसलिए गीता के उपदेश विश्व भर में प्रसिद्ध हैं और हर वर्ग को प्रभावित करते हैं।

गीता डॉक्टर की भांति है। बस फर्क इतना ही है कि डॉक्टर शरीर के रोगों का इलाज करता है, जबकि गीता मन के रोगों का इलाज करती है और उन्हें दूर करने का मार्ग दिखाती है। जिस प्रकार डॉक्टर रोगी को रोग के निवारण के साथ-साथ उसके कारण भी बताता है। ठीक उसी प्रकार से गीता का अगर गहनता से अध्ययन किया जाए तो इससे मन के रोगों का कारण और निवारण दोनों का पता चल जाता है। गीता मन के रोगों को दूर करने का एक सशक्त माध्यम है।

गीता ज्ञान से मानव जीवन में मोह को भी आसानी से दूर किया जा सकता है। मोह जीवन लीला को धीरे-धीरे नष्ट कर देता है। जीवन में दुखों का सबसे बड़ा कारण मोह ही है। जीवन को अगर सफल बनाना है और मोह से मुक्ति पानी है तो गीता की शरण में जाना पड़ेगा। गीता से ज्ञान पा कर मानव मोक्ष को प्राप्त कर सकता है। गीता का ज्ञान मनुष्य को उसकी आत्मा के अमर होने के विषय में बोध करवा कर अपने कर्तव्य कर्म को पूर्ण निष्ठा से करने को प्रेरित करता है। परमात्मा ने मनुष्य को देह केवल भोग के लिए प्रदान नहीं की है, अपितु हमें इसका उपयोग मोक्ष प्राप्ति के लिए करना चाहिए।

साधू व नदी कभी एक स्थान पर नहीं रुकते और निरंतर आगे बढ़ते हुए विभिन्न स्थानों पर जन-जन के हृदयों में अपने ज्ञान व भक्ति के प्रभाव से उन्हें लाभांवित व आनंदित करते हैं। प्रत्येक मानव को पूरी श्रद्धा व निष्ठा से पर-उपकार के लिए तैयार रहना चाहिए और अपने ज्ञान से जगत को प्रकाश मान करने का प्रयास करते रहना चाहिए, असल में यही मानव धर्म है।

अगर श्रीमद्भगवद् गीता का अध्ययन नित्य करें, तो इस बात का आभास सहजता से होता है कि उसमें सिखाया कुछ नहीं गया है, बल्कि समझाया गया कि इस संसार का स्वरूप क्या है? उसमें यह कहीं नहीं कहा गया कि आप इस तरह चलें या उस तरह चलें, बल्कि यह बताया गया है कि किस तरह की चाल से आप किस तरह की छवि बनाएंगे? उसे पढ़कर मनुष्य कोई नया भाव नहीं सीखता, बल्कि संपूर्ण जीवन सहजता से व्यतीत करने के मार्ग पर चल पड़ता है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि उसमें एक वैज्ञानिक सूत्र है कि 'गुण ही गुणों को बरतते हैं।' इसका मतलब यह है कि जैसे संकल्पों, विचारों तथा कर्मों से आदमी बंधा है, वैसा ही वह व्यवहार करेगा। उस पर खाने-पीने और रहने के कारण अच्छे तथा बुरे प्रभाव होंगे। सीधी बात यह है कि अगर आप यह चाहते हैं कि अपने ज्ञान के आईने में आप स्वयं को अच्छे लगें तो अपने संकल्प, विचारों तथा कर्मों में स्वच्छता के साथ अपनी खान-पान की आदतों तथा रहन-सहन के स्थान का चयन करना पड़ेगा।

अगर आप आने अंदर दोष देखते हैं तो विचलित होने की बजाय यह जानने का प्रयास करें कि आखिर वह किसी बुरे पदार्थ के ग्रहण करने या किसी व्यक्ति की संगत के परिणाम से आया है। जैसे ही आप गीता का अध्ययन करेंगे, आपको अपने अंदर भी ढेर सारे दोष दिखाई देंगे और उन्हें दूर करने का मार्ग भी पता लगेगा।

गीता किसी को प्रेम करना, अहिंसा में लिप्त होना नहीं सिखाती, बल्कि प्रेम और अहिंसा का भाव अंदर कैसे पैदा हो, यह समझाती है। सिखाने से प्रेम या अहिंसा का भाव नहीं पैदा होगा, बल्कि वैसे तत्वों से संपर्क रखकर ही ऐसा करना संभव है। कोई दूसरे को प्रेम नहीं सिखा सकता, क्योंकि जिस व्यक्ति का घृणा पैदा करने वाले तत्वों से संबंध है, उसमें प्रेम कहां से पैदा होगा?

श्रीमद्भगवद् गीता में चार प्रकार के भक्त बताए गए हैं। भगवान की भक्ति होती है तो जीव से प्रेम होता है। अतः भक्ति की तरह प्रेम करने वाले भी चार प्रकार के होते हैं-आर्ती, अर्थार्थी, जिज्ञासु तथा ज्ञानी। पहले बाकी तीन का प्रेम क्षणिक होता है जबकि ज्ञान का प्रेम हमेशा ही बना रहता है। अगर आपके पास तत्व ज्ञान है तो आप अपने पास प्रेम व्यक्त करने वालों की पहचान कर सकते हैं, नहीं तो कोई भी आपको हांक कर ले जाएगा और धोखा देगा।

जीवन का आधार है आध्यात्मिक ऊर्जा

ऊर्जा एक ऐसी अदृश्य शक्ति है, जिसे हम देख नहीं सकते, बल्कि उसका अनुभव कर सकते हैं। यही ऊर्जा हमारे जीवन का आधार है।

विज्ञान की भाषा

विज्ञान इन अदृश्य शक्तियों को एनर्जी कहता है। उदाहरण के लिए बिजली से बल्ब जलता है, पंखे चलते हैं, लेकिन हम बिजली को कभी नहीं देख पाते हैं। हम उसका न केवल कार्य, बल्कि परिणाम भी देखते हैं। उसके स्वरूप के बारे में जान पाना कठिन है। ठीक उसी प्रकार प्रत्येक जीव में ऊर्जा मौजूद होती है, जिससे जीव में प्राण-शक्ति का संचार होता रहता है। दूसरे शब्दों में कहें, तो इस प्राण-शक्ति को हम देख नहीं पाते हैं।

संसार के सभी प्राणियों में ऊर्जा मौजूद है। वास्तव में यह ऊर्जा हमारे जीवन का आधार है। इसे हम अणु, परमाणु, एनर्जी आदि नामों से जानते हैं। यानी अपनी सुविधा के अनुसार, हम ऊर्जा को अलग-अलग नाम दे देते हैं। यह एक ऐसी अदृश्य शक्ति है, जिसका हम केवल अनुभव ही कर सकते हैं, देख नहीं सकते। हम अपनी आंखों से तो पृथ्वी पर मौजूद सभी पदार्थों को देख लेते हैं, लेकिन ऊर्जा को देख पाना हमारे लिए संभव ही नहीं हो पाता है। लेकिन उन्हें महसूस जरूर कर सकते हैं। लेकिन फिर भी इन अदृश्य शक्तियों के अस्तित्व को अस्वीकार कर पाना हमारे लिए असंभव होता है।

ऊर्जा और अध्यात्म का संबंध

अध्यात्म की भाषा में ऊर्जा को न केवल प्राण-वायु या आत्मा कहा जाता है, बल्कि जीव को ईश्वर का अंश भी माना जाता है। यह ऊर्जा ही है, जो सभी जीवों को जिंदा रखने में मदद करता है। हम देखते हैं कि अदृश्य शक्ति, यानी ऊर्जा के सहारे हमारे शरीर के सभी अंग सुचारू रूप से काम करते हैं। जैसे ही वह अदृश्य-शक्ति की लोप होती है, हमारे शरीर की सभी क्रियाएं बंद हो जाती हैं। शरीर के सभी अंग-आंख, नाक, कान, यहां तक कि इंद्रियां भी काम करना बंद कर देती हैं और शरीर निष्क्रिय हो जाता है।

हम यह सोचने के लिए मजबूर हो जाते हैं कि आखिर वह कौन सी शक्ति है, जो हमारे अंगों को संचालित करती है? आज का विज्ञान भले ही चांद, तारों और ग्रहों के बारे में हमें जानकारी देता हो, लेकिन आज भी इस अदृश्य-शक्ति को समझने की क्षमता अभी तक विज्ञान के पास नहीं है। शायद इसलिए कहा जाता है कि जहां विज्ञान की सीमा समाप्त हो जाती है, वहीं से महा विज्ञान शुरू हो जाता है। वास्तव में यह महाविज्ञान अध्यात्म है, जीवन दर्शन है। हमारा जीवन-दर्शन न केवल जीवन के अनुभवों के बारे में बताता है, बल्कि जीवन के रहस्यों को भी समझने का प्रयास करता है। यही वजह है कि इसकी पढ़ाई विद्यालयों या महाविद्यालयों में नहीं होती है। ऋषि-मुनियों ने वर्षों पूर्व ऐसे ही रहस्यों को समझने की कोशिश की थी। यदि इस रहस्य को समझने की स्थिति में जीव आ जाता है, तो उसे जीवन-शक्ति का अनुभव भी होने लगता है।

जीवन-शक्ति का अनुभव प्राप्त करने के लिए हमे सबसे पहले ऊर्जा के अदृश्य स्वरूप का अनुभव प्राप्त करना पड़ेगा, क्योंकि जैसा कि हम सभी जानते हैं कि जीवन-शक्ति का केवल अनुभव किया जा सकता है, देखा या परखा नहीं जा सकता है। हमारी आंखें देखती हैं, कान सुनता है, लेकिन इस देखने और सुनने की प्रक्रिया को हम केवल अनुभव कर सकते हैं। यदि हम अपने अनुभवों को न केवल अपने अंतर्मन में उतार लेते हैं, बल्कि इस प्रक्रिया के आदी भी हो जाते हैं, तो इसे ही साधना कहा जाता है। यह साधना ही है, जिसके माध्यम से व्यक्ति अपने जीवन-शक्ति का अनुभव करने लगता है। इसके लिए हमें आत्म-केंद्रित होना अति आवश्यक होता है।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
टाइम्स ऑफ़ पीडिया

संक्षिप्त समाचार

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने वर्जीनिया का चुनावी नक्शा बहाल करने से किया इनकार

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को वर्जीनिया की उस अहम अपील को खारिज कर दिया है, जिसमें डेमोक्रेटिक पार्टी को फायदा पहुंचाने वाले चुनावी नक्शे (कांग्रेशनल मैप) को बहाल करने की मांग की गई थी। अदालत के इस बड़े फैसले से हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स (निचले सदन) में डेमोक्रेट्स को चार और सीटें जीतने का जो शानदार मौका मिल रहा था, वह अब पूरी तरह से खत्म हो गया है। यह आदेश अमेरिका में चल रहे चुनाव क्षेत्र परिसीमन (रिडिस्ट्रिक्टिंग) विवाद का एक नया और अहम मोड़ है। इस विवाद की शुरुआत पिछले साल तब हुई थी, जब मौजूदा अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने रिपब्लिकन शासित राज्यों से अपनी चुनावी सीमाएं दोबारा तय करने की अपील की थी। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट द्वारा 'वोटिंग राइट्स एक्ट' को कमजोर करने वाले हालिया फैसले ने रिपब्लिकन पार्टी के लिए जीतने लायक और सीटें खोल दी हैं। हाल के दिनों में सुप्रीम कोर्ट ने अलबामा और लुइसियाना में भी रिपब्लिकन के पक्ष में ही फैसले दिए हैं। हालांकि, वर्जीनिया का यह मामला थोड़ा अलग था। यह विवाद वर्जीनिया सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले के बाद शुरू हुआ था, जिसमें पिछले ही महीने मतदाताओं द्वारा मामूली अंतर से पास किए गए एक संवैधानिक संशोधन को 4-3 के बहुमत से रद्द कर दिया गया था। राज्य की अदालत ने अपनी जांच में पाया था कि डेमोक्रेट-नियंत्रित विधायिका ने वर्जीनिया के आम चुनावों में 'अर्ली वोटिंग' शुरू होने के बाद, अनुचित और गलत तरीके से इस संशोधन को मतपत्र पर रखने की प्रक्रिया शुरू की थी।

क्यूबा के पूर्व राष्ट्रपति राउल कास्त्रो पर शिकंजा, अमेरिका कर रहा अभियोग की तैयारी

हवाना, एजेंसी। अमेरिकी न्याय विभाग क्यूबा के पूर्व राष्ट्रपति राउल कास्त्रो के खिलाफ अभियोग (इंडिक्टमेंट) दायर करने की तैयारी कर रहा है। सूत्रों के मुताबिक, यह संभावित अभियोग 1996 में मियामी स्थित निर्वासित समूह 'ब्रदर्स टू द रेस्क्यू' के चार विमानों को मार गिराने में कास्त्रो की कथित भूमिका से जुड़ा है। उस समय कास्त्रो क्यूबा के रक्षा मंत्री थे। यह कदम ऐसे समय उठाया जा रहा है जब मौजूदा अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने क्यूबा को चेतावनी दी है कि यदि वहां का नेतृत्व अपनी अर्थव्यवस्था को अमेरिकी निवेश के लिए नहीं खोलता है, तो वे संभावित सैन्य कार्रवाई कर सकते हैं।

पूर्व पीएम इमरान खान की बहन ने जेल में अकेले रखे जाने को चुनौती दी, उच्च न्यायालय में याचिका

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की बहन अलीमा खान ने अदियाला जेल में उनके लंबे एकांत कारावास को अवैध बताते हुए उच्च न्यायालय में चुनौती दी है। अलीमा खान ने गुरुवार को याचिका दायर की, जिसमें कहा कि किसी भी अदालत ने खान को एकांत कारावास की सजा नहीं सुनाई है। आरोप है कि जेल अधिकारी उन्हें पिछले छह महीनों से प्रतिदिन करीब 22 घंटे एकांत में रख रहे हैं, जबकि कानूनन यह 14 दिनों से अधिक नहीं हो सकता। याचिका में यह भी कहा गया कि खान की दाहिनी आंख की 85 फीसदी रोशनी चली गई है और उनके इलाज की जानकारी परिवार को नहीं मिली। खान ने बताया कि उनकी पत्नी बुशरा बीबी भी उसी जेल में एकांत में हैं। पीटीआई नेताओं को गुरुवार को खान से मिलने नहीं दिया गया, जबकि उच्च न्यायालय ने सप्ताह में दो बार मिलने की अनुमति दी है।

अमेरिका- लकड़ी मिल में भीषण आग और जोरदार विस्फोट

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के मेन राज्य में शुक्रवार को एक लकड़ी मिल में भीषण आग और जोरदार विस्फोट हो गया। इस हादसे में एक फायरफाइटर की मौत हो गई, जबकि कम से कम 11 लोग घायल हो गए। अधिकारियों के मुताबिक हादसा मेन के मिडकोस्ट इलाके में स्थित रॉबिन्स लंबर मिल में हुआ। जानकारी के अनुसार मिल में लगी आग को बुझाने के लिए बड़ी संख्या में फायर ब्रिगेड और बचाव दल मौके पर पहुंचे थे। इसी दौरान मिल का एक बड़ा साइलो अचानक फट गया, जिससे हालात और गंभीर हो गए। बाद में एक फायरफाइटर का शव घटनास्थल से बरामद किया गया। घायलों को अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। पोर्टलैंड के मेन मेडिकल सेंटर में 10 लोगों का इलाज चल रहा है, जबकि एक व्यक्ति की हालत गंभीर बताई जा रही है। रॉबिन्स लंबर कंपनी 1881 से चल रही पारिवारिक कंपनी है और मेन राज्य की बड़ी लकड़ी कंपनियों में गिनी जाती है। कंपनी के प्रवक्ता ने इसे परिवार और इलाके के लिए 'बहुत दुखद दिन' बताया है। फिलहाल आग लगने और विस्फोट के कारणों की जांच की जा रही है।

चीन से लौटते ही ट्रंप के डेलीगेशन ने कचरे में फेंके फोन और लैपटॉप, क्यों राष्ट्रपति के खेमे में मचा हड़कंप?

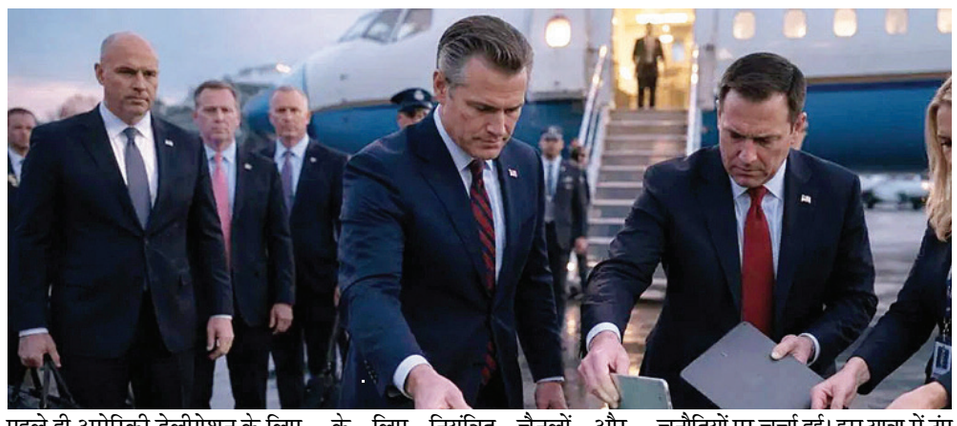

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हालिया चीन यात्रा ने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा है। 13 से 15 मई 2026 तक चली इस राजकीय यात्रा को दोनों देशों के बीच तनावपूर्ण रिश्तों को स्थिर करने की दिशा में एक बड़े कदम के रूप में देखा जा रहा था। लेकिन यात्रा समाप्त होते ही एक ऐसी दिलचस्प और हैरान कर देने वाली घटना सामने आई जिसने अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा हलकों में हलचल मचा दी है। रिपोर्टों के अनुसार, चीन से वापस लौटते ही अमेरिकी डेलिगेशन के सदस्यों ने अपने मोबाइल फोन, लैपटॉप और यहां तक कि एक्रेडिटेशन कार्ड्स को भी कचरे के डिब्बे में फेंक दिया।

क्यों उठाया गया ऐसा कदम : अमेरिकी सुरक्षाकर्मियों द्वारा उठाया गया यह कदम सीधे तौर पर चीन द्वारा की जाने वाली संभावित जासूसी की आशंका से जुड़ा है। अमेरिकी सुरक्षा एजेंसियों को इस बात का गहरा डर था कि चीन की यात्रा के दौरान इन उपकरणों में गुप्त रूप से जासूसी सॉफ्टवेयर या मैलवेयर प्लांट किए गए हो सकते हैं। यदि इन उपकरणों को वापस अमेरिकी नेटवर्क से जोड़ा जाता, तो वे भविष्य में संवेदनशील सरकारी जानकारी चुराने का जरिया बन सकते थे। यही कारण है कि सुरक्षा एजेंसियों ने डेलिगेशन के सभी सदस्यों को चीन में इस्तेमाल किए गए सामानों को फेंकने का निर्देश दिया।

क्लीन डिवाइस का इस्तेमाल : जानकारी के अनुसार, चीन जाने से पहले ही अमेरिकी डेलीगेशन के लिए सुरक्षा के बेहद सख्त इंतजाम किए गए थे। डेलिगेशन के सदस्य अपने मूल फोन और लैपटॉप अमेरिका में ही सुरक्षित छोड़कर गए थे। इसके बजाय, उन्हें चीन में उपयोग के लिए विशेष रूप से तैयार 'टेंपररी' या 'क्लीन डिवाइस' दिए गए थे। ये उपकरण अस्थाई लैपटॉप और नियंत्रित संचार प्रणालियों से लैस थे। जिन्हें जासूसी, हैकिंग या अवैध डेटा संग्रह के जोखिम को कम करने के लिए विशेष रूप से डिजाइन किया गया था। तकनीकी चुनौतियों का सामना इन कड़े सुरक्षा उपायों के कारण डेलिगेशन को काफी 'सिरदर्दी' और तकनीकी चुनौतियों का सामना करना पड़ा। सामान्य संदेश जो आमतौर पर एन्क्रिप्टेड ऐप्स या सिंक किए गए डिवाइस के जरिए तुरंत पहुंच जाते हैं, उन्हें भेजने के लिए नियंत्रित चैनलों और अस्थायी खातों का सहारा लेना पड़ा।

कई बार गोपनीय संदेशों को व्यक्तिगत रूप से पहुंचाना पड़ा ताकि डिजिटल हैकिंग की किसी भी संभावना को शून्य किया जा सके। अमेरिकी अधिकारी चीन को साइबर सुरक्षा के लिहाज से एक जोखिम भरा देश मानते हैं, इसलिए वहां किसी भी Digital Footprint को छोड़ना खतरनाक माना जाता है।

ट्रंप और शी जिनपिंग के क्या है मायने : लगभग 9 साल के लंबे समय के बाद किसी अमेरिकी राष्ट्रपति की यह पहली चीन यात्रा थी। इस तीन दिवसीय राजकीय दौरे के दौरान डोनाल्ड ट्रंप ने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की। दोनों शीर्ष नेताओं के बीच व्यापारिक समझौतों, टैरिफ, ताइवान के मुद्दे, ईरान युद्ध और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी बड़ी वैश्विक चुनौतियों पर चर्चा हुई। इस यात्रा में ट्रंप के साथ अमेरिका की बड़ी टेक कंपनियों के सीईओ भी शामिल थे, जिनमें एलन मस्क प्रमुख थे। हालांकि यह यात्रा मूल रूप से मार्च में होनी थी, लेकिन ईरान संकट के कारण इसे मई में पूरा किया गया।

'विमान में चीन का कुछ भी अलाउड नहीं : अमेरिकी प्रेस पूल के साथ यात्रा कर रहीं 'न्यूयॉर्क पोस्ट' की संवाददाता एमिली गुडिन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर इस बात की पुष्टि की। उन्होंने लिखा, 'विमान में चीन से जुड़ा कुछ भी ले जाने की अनुमति नहीं है। हम जल्द ही अमेरिका के लिए उड़ान भर रहे हैं।' वाशिंगटन लौट रहे ट्रंप प्रशासन या खुद वाइट हाउस की तरफ से सामानों को नष्ट किए जाने की इन रिपोर्ट्स पर अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

इजरायल लेबनान सीजफायर 45 दिनों के लिए बढ़ा, अमेरिकी मध्यस्थता में फैसला

येरुशलम, एजेंसी। इजरायल लेबनान सीजफायर को लेकर मिडिल-ईस्ट से बड़ी खबर आई है। वॉशिंगटन में अमेरिका की मध्यस्थता में चल रही उच्च स्तरीय शांति वार्ता पूरी तरह सफल रही है। दोनों देश अगले 45 दिनों के लिए अपने संघर्ष-विराम को और बढ़ाने पर राजी हो गए हैं। 16 अप्रैल को लागू हुआ यह युद्धविराम रविवार को खत्म होने वाला था, लेकिन सीमा पर हिंसा रोकने के लिए इसे बढ़ाया गया है। लेबनानी सरकार ने उग्रवादी संगठन हिजबुल्लाह के कड़े विरोध के बावजूद इस ऐतिहासिक शांति वार्ता में हिस्सा लिया।

दोनों पक्षों ने की आमने-सामने चर्चा : पिछले कई दशकों में पहली बार दोनों पक्षों के सैन्य और सुरक्षा अधिकारी आमने-सामने बैठे। लेबनान का पूरा जोर इस युद्ध को पूरी तरह से रोकने पर था। वहीं इजरायल ने किसी भी समझौते के लिए हिजबुल्लाह के निशस्त्रीकरण की शर्त रखी है। यह हिंसक तनाव 2 मार्च को शुरू हुआ था जब हिजबुल्लाह ने इजरायल पर मिसाइलें दागी थीं। इसके जवाब में इजरायल ने भी दक्षिणी लेबनान में भीषण हवाई और जमीनी सैन्य अभियान चलाया। इस खूनी युद्ध की वजह से लेबनान के करीब 12 लाख लोगों को विस्थापित होना पड़ा।

ट्रंप की अहम पहल हुआ था सीजफायर : इस भारी तबाही के बीच पिछले महीने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की पहल पर पहली बार सीजफायर हुआ था। इस अहम घोषणा से दोनों देशों के बीच खूनी संघर्ष काफी हद तक शांत हुआ। हालांकि, अभी भी दक्षिणी लेबनान में छिटपुट झड़पें लगातार जारी हैं। अमेरिकी प्रवक्ता टॉमी पिगॉट ने बताया कि 16 अप्रैल को लागू सीजफायर 45 दिनों के लिए बढ़ाया जा रहा है। वॉशिंगटन को उम्मीद है कि इससे दोनों देशों के बीच एक स्थायी शांति और सुरक्षा स्थापित होगी। यह संप्रभुता के सम्मान के लिए अहम कदम है।

स्थायी समझौते पर आगे की बातचीत का प्लान : इस सीजफायर को स्थायी समझौते में बदलने के लिए बैठकों का सिलसिला आगे भी जारी रहेगा। 29 मई से पेंटागन में 'सुरक्षा ट्रैक' की एक नई और अहम बातचीत शुरू होने वाली है। इसके बाद 2 और 3 जून को अमेरिकी विदेश विभाग में राजनीतिक वार्ता होगी।

कोलंबो एयरपोर्ट पर 10.8 करोड़ रुपये की कोकीन के साथ भारतीय गिरफ्तार

कोलंबो , एजेंसी। श्रीलंका के कोलंबो हवाई अड्डे पर सीमा शुल्क अधिकारियों ने शुक्रवार को एक भारतीय नागरिक (60) को भारी मात्रा में नशीले पदार्थों के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से लगभग 2.15 किलोग्राम कोकीन बरामद की गई है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 10.8 करोड़ रुपये (108 मिलियन श्रीलंकाई रुपये) आंकी गई है। अधिकारियों के अनुसार, आरोपी पेशे से भूविज्ञानी है। वह कतर एयरवेज की उड़ान से दोहा होते हुए युगांडा से कोलंबो पहुंचा था। संदिग्ध गतिविधियों के आधार पर जब उसके चेक-इन बैगेज की गहन तलाशी ली गई, तो अधिकारियों को बैग के अंदर बड़ी सफाई से छिपाई गई कोकीन की खेप मिली। अधिकारियों ने बताया कि आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

अमेरिकी किशोर बना बौद्ध भिक्षु शुरू किया आध्यात्मिक सफर : वाशिंगटन, एजेंसी। युद्धरत अमेरिका के मिनेसोटा के 19 वर्षीय जालु दोर्जे बौद्ध भिक्षु बन गए हैं। वह छह महीने पहले तक एक्सबॉक्स पर गेम खेलते और पिज्जा खाते थे, लेकिन अब हिमालय की तलहटी में स्थित मठ में बौद्ध लामा के रूप में लोगों को आशीर्वाद दे रहे हैं। जालु को बचपन में ही दलाई लामा ने एक पुनर्जन्म लामा के रूप में पहचान लिया था। पिछले साल हाई स्कूल की पढ़ाई पूरी कर भारत के मिंडरोलिंग मठ में शामिल हो गए।

इस्राइल : शहीद भारतीय यहूदी सैनिकों को राजदूत ने दी श्रद्धांजलि : येरुशलम, एजेंसी। इस्राइल में भारतीय राजदूत जेपी सिंह ने रिमेंबरेंस डे पर आयोजित कार्यक्रम में शिरकत की। उन्होंने इस्राइल के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले भारतीय यहूदी समुदाय के शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। नेशनल फेडरेशन ऑफ इंडियन ज्यूज द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में राजदूत ने कहा कि यह समुदाय इस्राइल के विकास और भारत-इस्राइल संबंधों को मजबूत करने में एक सेतु की भूमिका निभा रहा है। उधर, नई दिल्ली में इस्राइली राजदूत रूवेन अजर ने दोनों देशों के रिश्तों को प्रगाढ़ बताया।

'सच्चे खजाने' हैं मोदी! यूएई की मंत्री ने बांधे तारीफों के पुल, 200 अरब डॉलर के व्यापार का रखा लक्ष्य

अबुधाबी, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 15 मई 2026 की यूएई यात्रा भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीच बढ़ती गहरी रणनीतिक और आर्थिक साझेदारी का एक नया अध्याय है। यूएई की मंत्री रीम अल हाशिमी द्वारा पीएम मोदी के नेतृत्व की सराहना और उनके भव्य स्वागत ने यह साफ कर दिया है कि दोनों देशों के कूटनीतिक संबंध अब और भी मजबूत और प्रभावशाली हो गए हैं।

पीएम मोदी को बताया 'सच्चा खजाना : यूएई की मंत्री रीम अल हाशिमी ने समाचार एजेंसी एएनआई को दिए एक विशेष इंटरव्यू में प्रधानमंत्री मोदी के प्रति गहरा सम्मान व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी यूएई के नेतृत्व और यहां के लोगों के लिए एक सच्चे खजाने की तरह हैं। जब से पीएम मोदी ने पद संभाला है, यूएई और भारत का शीर्ष नेतृत्व साल में कई बार नियमित रूप से एक-दूसरे से मिलते रहे हैं। इसलिए यह दौरा उसी दोस्ती और रिश्ते का हिस्सा होगा। हम उनके यूएई आने को लेकर बहुत उत्सुक और उत्साहित हैं। हाशिमी ने इस बात पर जोर दिया कि जब से पीएम मोदी ने पद संभाला है, दोनों देशों के शीर्ष नेतृत्व के बीच नियमित संवाद बढ़ा है जो इस गहरी दोस्ती का प्रमाण है। उन्होंने यह भी विश्वास जताया कि मजबूत भारत और मजबूत यूएई के बिना एक सुरक्षित भविष्य की कल्पना करना कठिन है। 200 अरब डॉलर के व्यापार का लक्ष्य आर्थिक मोर्चे पर दोनों देशों के बीच सहयोग अब नई ऊंचाइयों को छू रहा है। मंत्री अल हाशिमी ने खुलासा किया कि भारत और यूएई अब 200 अरब डॉलर के व्यापार लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। गौरतलब है कि कुछ साल पहले हुए ऐतिहासिक व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते के बाद 100 अरब डॉलर का लक्ष्य पहले ही पार किया जा चुका है।

ऊर्जा सुरक्षा और क्षेत्रीय शांति पर चर्चा : पीएम मोदी की इस यात्रा के दौरान तेल और एलपीजी को लेकर अत्यंत महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर हुए हैं, जो भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिए निर्णायक साबित होंगे। द्विपक्षीय बैठक के दौरान पीएम मोदी ने यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के साथ क्षेत्रीय सुरक्षा पर भी चर्चा की। प्रधानमंत्री ने यूएई पर हुए हालिया ईरानी हमलों की कड़ी निंदा करते हुए इसे अस्वीकार्य बताया। उन्होंने पश्चिम एशिया में शांति बहाली के लिए भारत की ओर से हर संभव सहयोग देने की प्रतिबद्धता दोहराई। कूटनीतिक प्रोटोकॉल से हटकर, यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान खुद प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत करने हवाई अड्डे पहुंचे, जहां उन्हें 'गार्ड ऑफ ऑनर' दिया गया। पीएम मोदी ने इस गर्मजोशी भरे स्वागत के लिए अपने 'भाई' नाहयान का आभार व्यक्त किया। यह यात्रा न केवल व्यापार और ऊर्जा बल्कि रक्षा और तकनीक के क्षेत्र में भी दोनों देशों को एक-दूसरे के और करीब ले आएगी।

भूकंप: जापान में 6.3 की तीव्रता से हिली धरती, घरों-दफ्तरों से बाहर भागे लोग; क्या आने वाली है सुनामी?

टोक्यो, एजेंसी। जापान में शुक्रवार को भूकंप के तेज झटकों ने एक बार फिर दहशत फैला दी। रिक्टर स्केल पर इस भूकंप की तीव्रता 6.3 मापी गई है। इस झटके के कारण देश के कई शहरों में लोग अपने घरों और दफ्तरों से बाहर निकल आए। हालांकि राहत की बात यह है कि अभी तक किसी बड़े जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं मिली है और न ही सुनामी की कोई चेतावनी जारी की गई है।

भूकंप का केंद्र और गहराई : जापान मौसम विज्ञान एजेंसी के आंकड़ों के अनुसार, शुक्रवार शाम को आए इस भूकंप का केंद्र उत्तरी जापान के समुद्री क्षेत्र में स्थित था। विशेषज्ञों ने बताया कि भूकंप की गहराई जमीन से करीब 50 किलोमीटर नीचे थी। गहराई अधिक होने के कारण सतह पर इसका प्रभाव कम रहा लेकिन झटके कॉफी दूर तक लगे।

जनजीवन पर पड़ा असर : जैसे ही भूकंप के झटके महसूस हुआ, कई बड़े शहरों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सुरक्षा के लिहाज से प्रशासन ने तुरंत कदम उठाते हुए कई रूटों पर ट्रेन सेवाओं को कुछ समय के लिए स्थगित कर दिया। यात्रियों को किसी भी संभावित दुर्घटना से बचाने के लिए ट्रेनों को स्टेशनों पर ही रोक दिया गया था। जांच के बाद जब पटरियों और बुनियादी ढांचे को सुरक्षित पाया गया, तभी परिचालन फिर से शुरू करने की अनुमति दी गई।

सुनामी का कोई खतरा नहीं : तटीय क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के लिए सबसे बड़ी चिंता सुनामी को लेकर थी। हालांकि, मौसम विभाग ने स्पष्ट किया है कि वर्तमान परिस्थितियों में सुनामी आने की कोई संभावना नहीं है। अधिकारियों ने यह भी चेतावनी दी है कि अगले कुछ घंटों या दिनों में 'आफ्टरशॉक्स' आ सकते हैं, इसलिए नागरिकों को पूरी तरह सतर्क रहने की जरूरत है।

जापान में बार-बार क्यों आते हैं भूकंप : रिंग ऑफ फायर पर होने के नाते जापान में अधिकांश भूकंप के झटके आते रहते हैं। यहां पर चार प्रमुख टेक्टोनिक प्लेटों के आपस में टकराने और समुद्री प्लेटों के महाद्वीपीय प्लेटों के नीचे धंसने के कारण अत्यधिक भूगर्भीय दबाव बनता है।

हंतावायरस का प्रकोप: क्रूज जहाज के छह यात्री ऑस्ट्रेलिया में तीन सप्ताह के लिए क्वारंटीन, अब तक कितनी मौतें?

वाशिंगटन, एजेंसी। हंतावायरस की मार झेल रहे एक क्रूज जहाज के छह यात्रियों को क्वारंटीन करने का फैसला लिया गया है। शुक्रवार को इन्हें ऑस्ट्रेलिया पहुंचा दिया गया। कम से कम तीन सप्ताह के लिए क्वारंटीन में रखे जाने वाले इन संक्रमितों को किसी से मिलने की अनुमति नहीं होगी। जिस क्रूज जहाज पर हंता वायरस के मामले रिपोर्ट किए गए हैं, इसकी पहचान एमवी होंडियस के रूप में की गई है।

ऑस्ट्रेलिया के स्वास्थ्य मंत्री ने क्या कहा : हंतावायरस के कारण क्वारंटीन किए गए यात्रियों को नीदरलैंड से एक गल्फस्ट्रीम बिजनेस जेट की मदद से ऑस्ट्रेलिया लाया गया। विमान पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के पर्थ के बाहर आरएएएफ बेस पियर्स पर उतरा। यात्रियों, चालक दल और एक डॉक्टर को बस से बुल्सब्रुक क्वारंटीन सुविधा ले जाया गया। ऑस्ट्रेलियाई स्वास्थ्य मंत्री मार्क बटलर ने कहा कि सरकार दुनिया की सबसे मजबूत क्वारंटीन प्रतिक्रियाओं में से एक लागू करेगी। उन्होंने बताया कि अमेरिका और यूरोपीय देशों में लौटने वाले यात्रियों को कुछ दिनों के लिए क्वारंटीन में रखा जाएगा।

संक्रमितों में पांच ऑस्ट्रेलियाई और न्यूजीलैंड के एक नागरिक : गौरतलब है कि हंतावायरस से जुड़े खतरों को देखते हुए ऑस्ट्रेलिया ने वायरस के किसी भी प्रसार के जोखिम को रोकने के लिए कड़ा रुख अपनाया है। पांच ऑस्ट्रेलियाई और न्यूजीलैंड के एक नागरिक को तीन सप्ताह तक क्वारंटीन सेंटर में रखा जाएगा। इस केंद्र का निर्माण साल 2022 में कोविड-19 महामारी के दौरान किया गया था। हंतावायरस से बचाव के लिए किस तरह के एहतियात बरते जाने हैं? इसे लेकर विश्व स्वास्थ्य संगठनने कहा है कि संक्रमण की पुष्टि होने के बाद 42 दिनों की अवधि सबसे अधिक संवेदनशील है। शेष अवधि के लिए क्या सावधानियां बरतनी हैं, इस पर अभी निर्णय नहीं हुआ है। जिन छह यात्रियों को ऑस्ट्रेलिया में क्वारंटीन किया गया है, इनकी शुरुआती जांच रिपोर्ट निगेटिव आई थी। नीदरलैंड से निकलने से पहले वायरस के संक्रमण की जांच के नतीजे नकारात्मक आए थे। उड़ान के दौरान ही डॉक्टर ने उनका आकलन किया था। अमेरिका में स्वास्थ्य अधिकारियों के निर्देश पर दो यात्रियों को ओमाहा के राष्ट्रीय क्वारंटीन केंद्र में भेजा गया है।

हमास का शीर्ष कमांडर मारा गया? इजरायल ने गाजा पट्टी में किया बड़े मिलिट्री ऑपरेशन का दावा

येरुशलम, एजेंसी। इजरायल ने गाजा पट्टी में एक बहुत ही भयानक हवाई हमला किया है। इस बार इजरायली सेना के निशाने पर हमास का सबसे बड़ा सैन्य कमांडर था। यह गाजा हमला सीधे तौर पर इज्ज अल-दीन अल-हद्दाद को खत्म करने के लिए किया गया। पश्चिम एशिया में इस घटना से एक बार फिर डर और गहरी चिंता का माहौल बन गया है। हालांकि दोनों पक्षों के बीच अभी युद्धविराम लागू है, फिर भी गाजा में हमले जारी हैं। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने खुद इस बड़े हमले की आधिकारिक पुष्टि की है। रक्षा मंत्री इजरायल काट्ज ने भी इस गाजा हमला के बारे में अपनी तरफ से जानकारी दी है। फिलहाल यह साफ नहीं है कि हद्दाद इस हमले में मारा गया या वह केवल घायल हुआ है।

हमले में कई मासूमों की मौत : गाजा के स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार शुक्रवार शाम को इजरायल ने कम से कम दो बड़े हवाई हमले किए। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक पहला हमला गाजा शहर के रिमाल इलाके में एक रिहायशी इमारत पर किया गया था। इसके तुरंत बाद पास की सड़क पर जा रहे एक वाहन को भी मिसाइल से पूरी तरह उड़ा दिया गया। अस्पताल के रिकॉर्ड के अनुसार इन भयानक हमलों में तीन से सात लोगों की मौत हुई है। इसके अलावा 20 से ज्यादा लोग बुरी तरह घायल हुए हैं जिन्हें शिफा और सराय अस्पताल भेजा गया है। मारे गए लोगों में हद्दाद शामिल है या नहीं, यह अब भी पूरी तरह से एक रहस्य बना हुआ है।

हद्दाद को क्यों बनाया निशाना? : अल-हद्दाद इजरायल के लिए बहुत बड़ा दुश्मन है और 7 अक्तूबर 2023 के हमले का मुख्य साजिशकर्ता था। मई 2025 में मोहम्मद सिनवार की मौत के बाद उसे ही हमास का नया सैन्य प्रमुख बनाया गया था। इजरायल का आरोप है कि वह हजारों इजरायली नागरिकों की हत्या और अपहरण के लिए सीधे तौर पर जिम्मेदार है। प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने कहा है कि 7 अक्तूबर के हमले में शामिल किसी भी व्यक्ति को इजरायल कभी छोड़ेगा नहीं। उन्होंने खुली चेतावनी देते हुए कहा कि आज नहीं तो कल, इजरायल तुम तक पहुंच ही जाएगा। हमास की ओर से अभी तक इस गाजा हमला और अपने कमांडर की स्थिति पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

युद्धविराम के बाद गाजा के हालात : अक्तूबर 2025 में इजरायल और हमास के बीच एक कमजोर सा शांति समझौता या युद्धविराम हुआ था। लेकिन जमीन पर इसका कोई खास असर नहीं दिख रहा है और लगातार खूनी हमले हो रहे हैं। दोनों पक्ष लगातार एक-दूसरे पर इस शांति समझौते को तोड़ने का गंभीर आरोप लगाते रहते हैं।गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार युद्धविराम के बाद से 850 से अधिक फलस्तीनी नागरिक मारे जा चुके हैं। युद्ध शुरू होने से लेकर अब तक गाजा में 72,700 से ज्यादा लोगों की दर्दनाक मौत हो चुकी है।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
टाइम्स ऑफ़ पीडिया

हीरो मोटोकॉर्प का 1500 करोड़ का मेगा प्लान

कंपनी वित्त वर्ष 2026-27 तक स्कूटर उत्पादन क्षमता दोगुनी करेगी

नई दिल्ली ।

देश की अग्रणी दोपहिया वाहन विनिर्माता हीरो मोटोकॉर्प ने अपने स्कूटर कारोबार को आक्रामक रूप से विस्तार देने की घोषणा की है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2026-27 तक उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए 1,500 करोड़ रुपए के भारी निवेश का ऐलान किया है। इस पहल का लक्ष्य लोकप्रिय स्कूटर मॉडल की क्षमता दोगुनी कर बाजार में अपनी पकड़ मजबूत करना है। हीरो मोटोकॉर्प के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने बताया कि बढ़ती मांग को देखते हुए कंपनी वर्तमान 60,000 मासिक स्कूटर बिक्री को 1 लाख इकाई तक पहुंचाने की योजना बना रही है। डेस्टिनी मॉडल की क्षमता पहले ही 50 फीसदी बढ़ी है, जबकि जूम स्कूटर की क्षमता दोगुना करने की प्रक्रिया जारी है। कंपनी कलपुर्जा कारोबार भी मजबूत कर रही है, जिसके तहत दक्षिण भारत में 700 करोड़ रुपए के निवेश से एक वैश्विक कलपुर्जा केंद्र बनेगा। इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) सेगमेंट में भी बड़ी तैयारी है। कंपनी ने अपनी ईवी उत्पादन क्षमता 15,000 से बढ़ाकर 25,000 इकाई कर दी है, और इस साल के अंत तक इसे दोबारा दोगुना करने का लक्ष्य है। उन्होंने पश्चिम एशिया युद्ध के असर पर कहा कि अप्रैल-मई की शुरुआत तक मांग मजबूत है, पर वैश्विक अनिश्चितताओं के कारण भविष्य की स्थिति पर कड़ी नजर रखी जा रही है। युद्ध से पहले` वित्त वर्ष 26-27 में दोपहिया उद्योग के लिए बेहतर वृद्धि की उम्मीद थी, जो अब सतर्कता की मांग करती है।

यूसीआईएल झारखंड में तांबा अपशिष्ट से निकालेगी यूरेनियम

सरकारी कंपनी हिंदुस्तान कॉपर के खनन अपशिष्ट का होगा प्रसंस्करण

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी यूरेनियम कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (यूसीआईएल) झारखंड में एक विशेष रिकवरी संयंत्र स्थापित करेगी। इसका उद्देश्य सरकारी कंपनी हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड (एचसीएल) के तांबा खनन अपशिष्ट (टेलिंग्स) से यूरेनियम निकालना है। यह पहल देश की परमाणु ऊर्जा उत्पादन और रक्षा जरूरतों के लिए घरेलू यूरेनियम आपूर्ति बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही है। एचसीएल के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने बताया कि कंपनी ने यूसीआईएल के साथ सहमे ति बनाई है, जिसके तहत एचसीएल अपने टेलिंग्स यूसीआईएल को सौंपेगी। ये टेलिंग्स तांबे जैसे खनिजों को अयस्क से अलग करने के बाद बचे हुए बारीक अपशिष्ट होते हैं,` जिनमें यूरे नियम के अंशव मौजूद हैं। यूसीआईएल आधु निक तकनीक से इन अपे शिष्ट का प्रसंस्करण कर यूरे नियम` निकालेगी और उपचारित पदार्थ एचसीएल को लौटाएगी। उद्योग विशेषज्ञों के अनुसार यह परियोजना रणनीतिक और पर्यावरणीय दोनों दृष्टि से फायदेमंद है। भारत अभी परमाणु ऊर्जा के लिए काफी हद तक आयातित यूरेनियम पर निर्भर है। ऐसे में यह कदम घरेलू आपूर्ति बढ़ाएगा, पुराने खनन अपशिष्ट का बेहतर प्रबंधन करेगा और पर्यावरण पर बोझ कम करेगा। भारत का लक्ष्य 2047 तक 100 गीगावाट परमाणु ऊर्जा क्षमता हासिल करना है, जिसमें यह पहल अहम भूमिका निभाएगी।

साल में पहली बार वोडा-आइडिया को 51,970 करोड़ का मुनाफा

सोमवार को शेयर में बड़े उछाल की उम्मीद

मुंबई। संकटग्रस्त टेलीकॉम कंपनी वोडाफोन आइडिया ने वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में 51,970 करोड़ रुपए का चौंकाने वाला मुनाफा दर्ज किया है। लगभग छह साल में यह कंपनी का पहला मुनाफा है, जिसके पीछे मुख्य कारण समायोजित सकल राजस्व (एजीआर) देनदारी में मिली भारी राहत है। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी को 7,167 करोड़ रुपए का घाटा हुआ था, जिससे यह टर्नअराउंड और भी महत्वपूर्ण हो गया है। मुनाफे की मुख्य वजह दूरसंचार विभाग (डीओटी) द्वारा दी गई एजीआर (एडजस्ट ग्रॉस रेवेन्यू) देनदारियों में बड़ी राहत है। कंपनी के अनुसार डीओटी ने पहले 31 दिसंबर, 2025 तक बकाया एजीआर को 87,695 करोड़ रुपए बताया था। हालांकि, बाद में एक पुनर्मूल्यांकन समिति ने 2006-07 से 2018-19 की अवधि के लिए इस बकाया को घटाकर 64,046 करोड़ रुपए कर दिया। इस प्रक्रिया के चलते कंपनी की वित्तीय देनदारी से 80,502 करोड़ रुपए हटा दिए गए, जिससे संशोधित देनदारी 24,880 करोड़ रुपए रह गई। इसी राहत के कारण कंपनी ने पूरे वित्त वर्ष 2025-26 में भी 34,552 करोड़ रुपए का मुनाफा दर्ज किया।

कच्चे तेल और रुपए की चाल तय करेगी भारतीय शेयर बाजार की दिशा

विदेशी बिकवाली, कमजोर रुपया और बढ़ती महंगाई से निवेशक चिंतित

मुंबई ।

अमेरिका और ईरान के बीच गहराते भू-राजनीतिक तनाव, विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली और कच्चे तेल की बेलगाम कीमतों के कारण इस सप्ताह भी भारतीय शेयर बाजार में भारी उतार-चढ़ाव बने रहने की आशंका है। बाजार विशेषज्ञों ने आगाह किया है कि महंगाई की चिंता और रुपये की कमजोरी निवेशकों की बेचैनी बढ़ाएगी, जिससे दलाल पथ पर अनिश्चितता का साया गहराएगा। पिछले सप्ताह भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 96 के स्तर से नीचे गिर गया, जिसने निवेशकों की चिंता को और बढ़ा दिया है। विश्लेषकों का मानना है कि आने वाले दिनों में रुपये की चाल ही बाजार की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। बाजार के जानकारों ने बताया कि निवेशकों की नजर अमेरिका-ईरान संघर्ष और उसके वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले असर पर बनी रहेगी। उनके अनुसार, कच्चे तेल की कीमतों, महंगाई और वैश्विक जोखिम धारणा में बदलाव भारतीय बाजारों को सीधे प्रभावित करेगा। वहीं, एनरिच मनी के एक अे धिकारी ने होर्मुज जलडमरूमध्य के महत्व पर जोर दिया, जो वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति का एक महत्वपूर्ण मार्ग है। उन्होंने चेतावनी दी कि इस क्षेत्र में किसी भी तनाव से शेयर, मुद्रा और जिंस बाजारों पर भारी दबाव पड़ सकता है, जबकि कूटनीतिक हल से बाजार में तेजी आ सकती है। इस बीच ब्रेंट कच्चे तेल की कीमतें 109 डॉलर प्रति बैरल के स्तर तक पहुंच चुकी हैं, जिससे महंगाई को लेकर चिंताएं और बढ़ गई हैं। बाजार` विश्लेषकों के अनुसार भू-राजनीतिक घटनाक्रमों के अलावा, इस सप्ताह चीन, अमेरिका और भारत से आने वाले आर्थिक आंकड़े तथा फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की बैठक का ब्योरा भी बाजार की दिशा तय करने में अहम होगा। इसके साथ ही, इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी), भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन (बीपीसीएल), गेल और एनटीपीसी जैसी प्रमुख कंपनियों के तिमाही नतीजे भी निवेशकों के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। गौरतलब है।

गौतम एक्सिम में स्टॉक स्प्लिट का ऐलान, निवेशकों के लिए जानें पूरी डिटेल

रिकॉर्ड डेट 22 मई तय, हर शेयर के बदले मिलेंगे दो शेयर; जानें इसका मतलब

मुंबई ।

शेयर बाजार में निवेश करने वालों के लिए एक बड़ी खबर है। गौतम एक्सिम लिमिटेड अपने शेयरों का बंटवारा करने जा रही है, जिसे स्टॉक स्प्लिट कहते हैं। कंपनी ने इस बदलाव के लिए 22 मई 2026 की रिकॉर्ड डेट तय की है, जिसका फायदा मौजूदा निवेशकों को मिलेगा और नए निवेशकों के लिए भी शेयर अधिक आकर्षक हो जाएंगे। कंपनी ने 1:2 के अनुपात में स्टॉक स्प्लिट की घोषणा की है। इससे 10 रुपये फेस वैल्यू वाला शेयर 5 रुपये का हो जाएगा, यानी प्रत्येक शेयरधारक को एक शेयर के बदले दो शेयर मिलेंगे। हालांकि, कुल निवेश मूल्य समान रहेगा। कंपनियां आमतौर पर यह कदम शेयर को छोटे निवेशकों के लिए अधिक सुलभ बनाने और बाजार में लिक्विडिटी बढ़ाने के लिए उठाती हैं। इस कॉर्पोरेट एक्शन के लिए कंपनी ने 22 मई को एक्स-डेट और रिकॉर्ड डेट घोषित की है। इसका मतलब है कि जो निवेशक इस तारीख तक गौतम एक्सिम (जीईएल, कोड: 540613) के शेयर अपने डीमैट खाते में रखेंगे।

अंबुजा सीमेंट ने स्वीकारी विस्तार परियोजनाओं में देरी

वित्त वर्ष 2026-27 में कंपनी का पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) मध्यम स्तर पर रहेगा

नई दिल्ली।

देश की दूसरी सबसे बड़ी सीमेंट कंपनी अंबुजा सीमेंट ने अपनी महत्वाकांक्षी विस्तार परियोजनाओं के क्रियान्वयन में हुई देरी को स्वीकार किया है। कंपनी ने संकेत दिया है कि वित्त वर्ष 2026-27 में उसका पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) मध्यम स्तर पर रहेगा। निदेशक करण अदाणी ने निवेशकों के साथ एक बातचीत में इन देरी के पीछे ठेकेदारों से जुड़ी समस्याओं, एक मजबूत निष्पादन टीम की कमी और अधूरी इंजीनियरिंग योजनाओं को प्रमुख कारण बताया है। कंपनी अब नई परियोजनाएं शुरू करने से पहले रुककर सुधार की रणनीति अपना रही है। अंबुजा सीमेंट ने चालू वित्त वर्ष (2024-25) के लिए 6,000-6,500 करोड़ रुपये के निवेश का लक्ष्य रखा है, जो पिछले वित्त वर्ष के लगभग 7,500 करोड़ रुपये से कम है। करण अदाणी ने स्पष्ट किया कि सीमेंट कारोबार में परियोजनाओं के क्रियान्वयन का स्तर समूह की अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतर पाया। उन्होंने कहा कि सही ठेकेदारों के चयन में विफलताओं, एसीसी और अंबुजा सीमेंट के अधिग्रहण के बाद एक तैयार निष्पादन टीम का अभाव, और इंजीनियरिंग योजनाएं पूरी होने से पहले ही परियोजनाओं को शुरू करना इन देरी के मुख्य कारण रहे। अदाणी ने जोर दिया कि कंपनी अब पहले मौजूदा परियोजनाओं को पूरा करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। भविष्य में नई परियोजनाओं पर काम शुरू करने से पहले छह महीने तक इंजीनियरिंग तैयारियों को पूरा किया जाएगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस नई रणनीति के साथ, कंपनी तय समयसीमा के भीतर परियोजनाओं को सफलतापूर्वक पूरा कर पाएगी।

खाद्य तेल बाजार में उतार-चढ़ाव मूंगफली सस्ती, सरसों-सोयाबीन में तेजी

आयात शुल्क वृद्धि, रुपये की कमजोरी और कमजोर आवक से सरसों-सोयाबीन हुए महंगे

नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह खाद्य तेल-तिलहन बाजार में मिलाजुला रुख देखने को मिला। गुजरात में गर्मी की मूंगफली फसल की संभावना से मूंगफली तेल-तिलहन के दाम में` गिरावट देखी गई, वहीं कमजोर आवक और बढ़ती मांग के चलते सरसों, सोयाबीन, कच्चा पामतेल (सीपीओ) और बिनौला तेल के दाम में तेजी दिखाई दी। सरकार द्वारा सीपीओ और सोयाबीन डीगम पर आयात शुल्क मूल्य क्रमशः 4.5 रुपये और 1.5 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ाने के साथ-साथ डॉलर के मुकाबले रुपये के सर्वकालिक निचले स्तर के आसपास रहने से आयातित तेलों के दाम बढ़े। महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश के सोयाबीन प्लांटों द्वारा खरीद मूल्य बढ़ाने से भी सोयाबीन तेल-तिलहन में सुधार आया। बाजार के जानकारों के अनुसार, सरसों का तेल सस्ता होने के कारण इसकी मांग बढ़ी है। किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से अधिक दाम मिलने से वे अपनी फसलें नाप-तौल कर बेच रहे हैं, जिससे आपूर्ति सीमित रहने और मांग बढ़ने से सरसों, सोयाबीन और बिनौला तेल के दाम ऊंचे रहे। कपास नरम का भाव भी एमएसपी से 10-11 प्रतिशत अधिक, 9,000 रुपये क्विंटल से ऊपर बना हुआ है। सूत्रों के मुतो बिक बीते सप्ताह सरसों दाना 175 रुपये के सुधार के साथ 7,175-7,200 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों तेल 500 रुपये के सुधार के साथ 14,850 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल क्रमशः 60-60 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः

2,460-2,560 रुपये और 2,460-2,605 रुपये टिन (15 किलो) पर मजबूत बंद हुए। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाना और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमशः 350-350 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 7,300-7,350 रुपये और 6,950-7,025 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी प्रकार दिल्ली में सोयाबीन तेल 150 रुपये सुधार के साथ 15,825 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन इंदौर तेल 150 रुपये के सुधार के साथ 15,725 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल 25 रुपये सुधार के साथ 12,275 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। बीते सप्ताहांत मूंगफली तिलहन का दाम 125 रुपये टूटकर 6,225-7,000 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 250 रुपये टूटकर 15,500 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 30 रुपये टूटकर 2,470-2,770 रुपये प्रति टिन पर बंद हुए।

प्रमुख शहरों में घरों की बिक्री घटी, मांग में नरमी का असर

2026 की पहली तिमाही में 96 हजार इकाइयां बिकीं, सस्ती आपूर्ति का अभाव भी कारण

नई दिल्ली ।

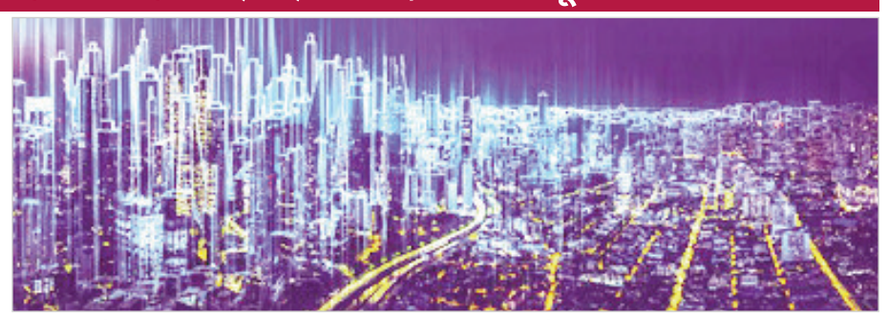

भारत के आठ प्रमुख शहरों में 2026 की पहली तिमाही (जनवरी-मार्च) के दौरान मकानों की बिक्री सालाना आधार पर दो प्रतिशत घटकर लगभग 96 हजार इकाई रह गई है। मांग में नरमी और सस्ते घरों की नई आपूर्ति कम रहने से बिक्री प्रभावित हुई है। यह जानकारी एक रियल एस्टेट परामर्श कंपनी ने अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की है।

ताजा रिपोर्ट के मुताबिक अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली-एनसीआर, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई महानगर क्षेत्र और पुणे जैसे आठ शहरों में कुल 95,973 आवासीय संपत्तियां बिकीं, जबकि एक साल पहले की समान अवधि में यह आंकड़ा 98,095 इकाई था।

इस दौरान मकानों की नई आपूर्ति भी 93,065 इकाई पर लगभग स्थिर रही।` रिपोर्ट में बताया गया है कि भारतीय आवास बाजार अब वास्तविक मांग, नियंत्रित भंडार और खरीदारों के भरोसे पर आधारित एक संतुलित दौर में है। शहरों के प्रदर्शन की बात करें तो बेंगलुरु ने सबसे बेहतर प्रदर्शन किया, जहां बिक्री 33 प्रतिशत बढ़कर 15,603 इकाई हो गई। चेन्नई में भी बिक्री बढ़कर 6,841 इकाई और हैदराबाद में 25 प्रतिशत बढ़कर 13,297 इकाई रही। दिल्ली-एनसीआर में आवासीय संपत्तियों की बिक्री में 11 प्रतिशत का उछाल देखा गया। हालांकि, मुंबई महानगर क्षेत्र में बिक्री 15 प्रतिशत घटकर 26,116 इकाई, पुणे में 21 प्रतिशत घटकर 13,565 इकाई और कोलकाता में 24 प्रतिशत घटकर 2,883 इकाई रह गई।

टेक्नो डिजिटल ने मुंबई में उतारा दूसरा एज डेटा सेंटर

लो-लेटेंसी व एआई-तैयार सेवाओं पर फोकस; रेलटेल से 20 वर्षीय राजस्व-साझेदारी

नई दिल्ली ।

टेक्नो इलेक्ट्रिक एंड इंजीनियरिंग कंपनी (टीईईसीएल) की डिजिटल अवसंरचना इकाई टेक्नो डिजिटल ने मुंबई के महालक्ष्मी में अपना दूसरा एज डेटा केंद्र (ईडीसी) शुरू किया है। 25 करोड़ रुपये के निवेश से बना यह केंद्र लो-लेटेंसी और एआई-तैयार डिजिटल सेवाओं की बढ़ती मांग को पूरा करेगा। रेलटेल कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया के साथ 20 वर्ष की राजस्व-साझेदारी में विकसित 800 किलोवाट क्षमता वाला यह ईडीसी वित्तीय, मीडिया और अन्य महत्वपूर्ण व्यावसायिक गतिविधियों को तेज व सुरक्षित डिजिटल सेवाएं देगा। इससे पहले कंपनी का एक एज डेटा सेंटर गुरुग्राम में पहले से संचालित है। टेक्नो डिजिटल के एक अे धिकारी ने बताया कि यह निवेश कंपनी की 1 अरब डॉलर की व्यापक योजना का हिस्सा है, जिसमें देशभर में हाइपरस्केल व एज डेटा सेंटर नेटवर्क का विस्तार शामिल है। वित्त वर्ष 2026-27 तक इस योजना का आधा से अधिक निवेश चेन्नई, नोएडा और कोलकाता के हाइपरस्केल परिसरों सहित विभिन्न परियोजनाओं में लगाया जाएगा। चालू वित्त वर्ष में कंपनी इंदौर, विशाखापत्तनम, चंडीगढ़, प्रयागराज और लखनऊ में भी विस्तार की योजना बना रही है।

भारत में बनेगा पहला एआई-केंद्रित डेटा सेंटर

कंपनी ने एआई सेवाओं से 2.3 अरब डॉलर कमाए, वित्तीय नतीजों में भी दिखी तेजी

मुंबई ।

टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने घोषणा की है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) अब दुनिया भर की कंपनियों के कामकाज का मुख्य आधार और बुनियादी ढांचा बन चुका है। अपनी 2025-26 की वार्षिक रिपोर्ट में शेयरधारकों को लिखे एक पत्र में उन्होंने बताया कि.ढ्ढ अब केवल एक तकनीकी परत नहीं रह गया है, बल्कि यह निवेश से लेकर आपूर्ति श्रृंखला, जोखिम प्रबंधन और ग्राहक सेवा तक, हर पहलू को पूरी तरह से बदल देगा। टीसीएस ने अपने ह्यूमन प्लस आई ऑपरेटिंग मॉडल के जरिए एआई सेवाओं से सालाना 2.3 अरब डॉलर की कमाई की है। कंपनी अब भारत में पहला उच्च-घनत्व वाला एआई-केंद्रित डेटा सेंटर बनाने की तैयारी में है, जबकि उसके वित्तीय नतीजे भी शानदार रहे हैं। चंद्रशेखरन के अनुसार, कंपनियां अब एआई का केवल प्रयोग नहीं कर रही हैं, बल्कि इसे सीधे अपने मुख्य और सबसे जरूरी कामकाज में शामिल कर रही हैं। एआई के अलावा, क्लाउड, डेटा और साइबर सुरक्षा जैसी नई तकनीक वाली सेवाओं से टीसीएस ने 11.5 अरब डॉलर का राजस्व हासिल किया है। भविष्य की रणनीति के तहत टीसीएस एक सुरक्षित और विश्वसनीय एआई ढांचा तैयार करने पर जोर दे रही है। कंपनी एक ऐसा एआई ऑपरेटिंग सिस्टम विकसित करना चाहती है, जिसे विभिन्न उद्योगों की जरूरतों के अनुसार इस्तेमाल किया जा सके। इसके साथ ही टीसीएस भारत का पहला एआई-फोकस्ड डेटा सेंटर स्थापित करेगी, जिसकी रैक डेंसिटी 160 किलोवाट से अधिक होगी। वित्तीय मोर्चे पर, मार्च तिमाही में टीसीएस का शुद्ध लाभ 12.22 फीसदी बढ़कर 13,718 करोड़ रुपये रहा। पूरे वित्त वर्ष 2025-26 के लिए, कंपनी का टैक्स के बाद मुनाफा 1.35 फीसदी की बढ़त के साथ 49,210 करोड़ रुपये दर्ज किया गया। कर्मचारियों की संख्या में आ रही गिरावट भी थम गई है; मार्च तिमाही में 2,356 नए कर्मचारी जोड़े गए, जिससे कुल संख्या 5,84,519 हो गई।

सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से नौ कंपनियों ने गंवाए 3.12 लाख करोड़

पश्चिमी एशिया में तनाव, सेंसेक्स-निफ्टी भी धड़ाम, रिलायंस को सबसे ज्यादा नुकसान

नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह पश्चिमी एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव, कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल और रुपये की कमजोरी जैसे वैश्विक और घरेलू कारकों के मेल ने भारतीय शेयर बाजार में भारी बिकवाली का माहौल पैदा किया। इसके चलते देश की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से नौ के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से 3.12 लाख करोड़ रुपये की बड़ी गिरावट दर्ज की गई।

इस दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज को सबसे अधिक नुकसान हुआ, जबकि भारती एयरटेल एकमात्र ऐसी कंपनी रही जिसने निवेशकों को सकारात्मक रिटर्न दिया। बाजार को लगे जोरदार झटके समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान, वैश्विक अनिश्चितताओं के कारण निवेशकों में घबराहट देखने को मिली। इस बिकवाली के कारण, बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स सप्ताह के दौरान 2,090.2 अंक यानी 2.7 प्रतिशत टूट गया, जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 532.65 अंक यानी 2.2 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ, जिससे निवेशकों की चिंताएं बढ़ गईं। शीर्ष 10 कंपनियों में से नौ के मूल्यांकन में गिरावट दर्ज की गई। सबसे ज्यादा नुकसान रिलायंस इंडस्ट्रीज को हुआ, जिसका बाजार पूंजीकरण 1,34,445.77 करोड़ रुपये घटकर 18,08,420.81 करोड़ रुपये रह गया। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को 52,245.3 करोड़ रुपये और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) को 47,415.04 करोड़ रुपये का घाटा हुआ। इसके अलावा, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो, हिंदुस्तान यूनिलीवर और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने भी अपने बाजार मूल्यांकन में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की। भारती एयरटेल की जोरदार उड़ान इस नकारात्मक माहौल के बीच, दूरसंचार क्षेत्र की दिग्गज कंपनी भारती एयरटेल ने एक अपवाद के रूप में दमदार प्रदर्शन किया। कंपनी का बाजार पूंजीकरण समीक्षाधीन सप्ताह में 42,470.13 करोड़ रुपये बढ़कर 11,60,525.16 करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जो निवेशकों के लिए एक सकारात्मक संकेत रहा और बाजार में उसके मजबूत स्थिति को दर्शाता है।

एनपीएस पेंशनर्स को राहत अब गंभीर बीमारी में सरेंडर कर सकेंगे एन्युटी पॉलिसी

मेडिकल इमरजेंसी में फंसे लाखों लोगों को मिलेगी बड़ी आर्थिक मदद

मुंबई ।

नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस) से जुड़े लाखों पेंशनर्स और नौकरीपेशा लोगों के लिए बड़ी राहत की खबर है। पेंशन फंड रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी (पीएफआरडीए) ने एन्युटी पॉलिसी सरेंडर करने के नियमों में महत्वपूर्ण बदलाव किया है। अब गंभीर बीमारी जैसी विशेष परिस्थितियों में एन्युटी पॉलिसी को बीच में बंद कर पैसा निकाला जा सकेगा, जिससे मेडिकल इमरजेंसी में आर्थिक संकट का सामना कर रहे लोगों को बड़ी मदद मिलेगी। पीएफआरडीए को मेडिकल इमरजेंसी में पूंजी तक पहुंच न होने संबंधी लगातार आवेदन मिल रहे थे, जिसके बाद यह फैसला लिया गया है। अब तक, नेशनल पेंशन सिस्टम के तहत रिटायरमेंट पर कुल फंड का कम से कम 40 फीसदी हिस्सा एन्युटी खरीदने में लगाना अनिवार्य होता था, जिसे एक बार खरीदने के बाद बीच में बंद करना लगभग असंभव था। नए नियमों से उन रिटायर्ड कर्मचारियों को खास राहत मिलेगी जो अचानक आई स्वास्थ्य संबंधी आपात स्थिति में आर्थिक संकट से जूझ रहे थे। नए सर्कुलर के तहत, स्वयं या परिवार के सदस्य की गंभीर बीमारी की स्थिति में बीमा कंपनियां विशेष परिस्थितियों में एन्युटी सरेंडर की अनुमति दे सकती हैं। हालांकि, यह प्रक्रिया स्वचालित नहीं होगी और बीमा कंपनियों द्वारा दस्तावेजों की जांच के बाद ही अंतिम मंजूरी मिलेगी। पीएफआरडीए ने पारदर्शिता सुनिश्चित करते हुए कहा है कि बीमा कंपनी को सरेंडर के बाद मिलने वाली राशि, सभी टैक्स और कटौतियों की विस्तृत जानकारी पेंशनर्स को लिखित में देनी होगी, और यह पूरी प्रक्रिया पेंशनर्स की लिखित सहमति से ही होगी। विशेषज्ञ हालांकि सलाह देते हैं कि तात्कालिक राहत के लिए एन्युटी सरेंडर करने से पहले इसके दीर्घकालिक वित्तीय असर पर विचार करना चाहिए, क्योंकि इसका मुख्य उद्देश्य बुढ़ापे में नियमित आय सुनिश्चित करना है।

स्टारबक्स करेगी 300 कॉर्पोरेट नौकरियों में कटौती, कई कार्यालय होंगे बंद

लाभप्रदता बढ़ाने और संचालन सुव्यवस्थित करने की रणनीति; स्टोर कर्मचारी अप्रभावित

मुंबई ।

कॉफी दिग्गज स्टारबक्स ने अमेरिका में 300 कॉर्पोरेट कर्मचारियों की छंटनी की घोषणा की है। यह कंपनी द्वारा अटलांटा, बरबैंक और शिकागो सहित कई शहरों में अपने लोकल सपोर्ट ऑफिस बंद करने के साथ-साथ कारोबार को मुनाफे की राह पर लाने की व्यापक रणनीति का हिस्सा है। कंपनी ने स्पष्ट किया है कि ये छंटनी सिर्फ कॉर्पोरेट भूमिकाओं तक सीमित हैं और इसका असर उसके कॉफीहाउस या स्टोर कर्मचारियों पर नहीं पड़ेगा। यह कदम स्टारबक्स की बैक टू स्टारबक्स रणनीति के तहत उठाया गया है, जिसका उद्देश्य विभिन्न विभागों की समीक्षा कर कामकाज को सरल बनाना, लागत कम करना और परिचालन क्षमता बढ़ाना है।

कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी के नेतृत्व में यह छंटनी का तीसरा दौर है।

इससे पहले कंपनी फरवरी 2025 में 1,100 नौकरियों में कटौती कर चुकी है, जिसके बाद 900 नॉन-रिटेल पद और खत्म

किए गए थे। बढ़ती प्रतिस्पर्धा और ग्राहकों की बदलती खर्च प्राथमिकताओं के कारण बिक्री में गिरावट का सामना कर रही स्टारबक्स इस पुनर्गठन पर करीब 400 मिलियन डॉलर खर्च करेगी। कंपनी अपने कैफे संचालन में सुधार, नए मेन्यू आइटम और स्टोर्स में अतिरिक्त कर्मचारियों की नियुक्ति जैसे कदमों के जरिए कारोबार को मजबूत करने पर भी ध्यान केंद्रित कर रही है।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
टाइम्स ऑफ़ पीडिया

आईपीएल में आज सीएसके को हराकर प्लेऑफ में पहुंचे उतेगी सनराइजर्स

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की टीम सोमवार को यहां आईपीएल के 63 वे लीग मैच में सनराइजर्स हैदराबाद का मुकाबला करेगी। सीएसके का लक्ष्य अपने घरेलू मैदान में ये मैच बड़े अंतर से जीत कर प्लेऑफ के लिए अपनी उम्मीदें बरकरार रखना रहेगा। उसके लिए हालांकि ये आसन नहीं रहेगा क्योंकि सनराइजर्स हैदराबाद का प्रदर्शन अब तक काफी अच्छा रहा है और वह जीत की प्रबल दावेदार है।

सीएसके अगर ये मैच हारी तो वह प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो जाएगी। दूसरी और सनराइजर्स इस मैच में जीत के साथ ही प्लेऑफ की ओर बढ़ जाएगी। लीग में सीएसके जहां 12 अंक के साथ छठे स्थान पर है। वहीं सनराइजर्स 14 अंक लिए लेकर तीसरी स्थान पर है। ऐसे में उसका मनोबल बढ़ा रहेगा दूसरी ओरे सीएसके पर दबाव रहेगा।

आंकड़ों पर नजर डालें तो अब तक दोनो ही टीमों के बीच 24 मैच हुए हैं। इसमें सीएसके ने 16 जबकि सनराइजर्स हैदराबाद ने 08 जीते हैं।

इस मैच में सीएसके के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी के भी खेलने की संभावना है। अगर धोनी इस मैच में खेलते हैं तो इससे सीएसके को मनोवैज्ञानिक लाभ होगा। टीम का मनोबल बढ़ने के साथ ही उसे धोनी से बेहतर मार्गदर्शन भी मिलेगा।

सीएसके की बल्लेबाज जहां कप्तान रुतुराज गायकवाड़ के अलावा संजू सैमसन पर आधारित रहेगी। वहीं सनराइजर्स की बल्लेबाजी अभिषेक शर्मा के अलावा ईशान किशन और हेनरिक क्लासेन पर निर्भर करेगी। सीएसके की गेंदबाजी अंकुल कंबोल और नुर अहमद

जबकि सनराइजर्स की ईशान मलिंगा, साकिब हुसैन, प्रफुल्ल हिंगे पर आधारित रहेगी।

टीम इस प्रकार है

चेन्नई सुपर किंग्स : रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), संजू सैमसन (विकेटकीपर), (कप्तान), उर्विल पटेल, कार्तिक शर्मा/एमएस धोनी (विकेटकीपर), डेवाल्ड ब्रेविस, प्रशांत वीर, अंशुल कंबोज, नूर अहमद, स्पेंसर जॉनसन, मुकेश चौधरी, गुरजापनीत सिंह। इम्पैक्ट प्लेयर- शिवम दुबे

सनराइजर्स हैदराबाद: पैट कमिंस (कप्तान), अभिषेक शर्मा, ईशान किशन (विकेटकीपर), हेनरिक क्लासेन, सलिल अरोड़ा, नितीश कुमार रेड्डी, स्मरण रविचंद्रन, शिवांग कुमार, ईशान मलिंगा, साकिब हुसैन, प्रफुल्ल हिंगे, इम्पैक्ट प्लेयर-ट्रैविस हेड

गॉफ को हराकर स्वीटिलोना ने इटेलियन ओपन टेनिस खिताब जीता

रोम (एजेंसी)। यूक्रेन की एलीन एलिना स्वितोलिना ने अमेरिका की कोको गॉफ को हराकर इटेलियान ओपन टेनिस खिताब जीत लिया है। स्वितोलिना ने महिला एकल सेमीफाइनल में गॉफ को एक रोमांचक मुकाबले में 6-4, 6-7 3, 6-2 से हराया। ये मैच लगभग 2 घंटे 49 मिनट तक चला। ये तीसरी बार है जब गॉफ ने ये खिताब जीता है। इससे पहले साल 2017 और 2018 में भी गॉफ ने ये खिताब जीता था।

मैच के पहले सेट में ही गॉफ ने अच्छी शुरुआत करते हुए 4-2 की बढ़त बना ली थी पर आठवें गेम में गॉफ की दो डबल फॉल्ट्स उन्हें भारी पड़ गयी। स्वितोलिना ने इसके बाद ब्रेक हासिल कर वापसी कर ली। इस खिलाड़ी ने नौवें गेम में तीन ब्रेक अंक बचाए और 6-4 से पहला सेट जीत लिया।

वहीं दूसरे सेट में गॉफ की वापसी अच्छी रही। दोनों खिलाड़ियों के बीच कांटे कड़ी टक्कर हुई। गॉफ ने 11वें गेम में ब्रेक हासिल किया पर उनके सर्व करने के दौरान ही स्वितोलिना ने मुकाबला टाईब्रेक तक पहुंचा दिया। टाईब्रेक में गॉफ ने शानदार खेल दिखाया और 7-3 से जीत दर्ज कर मुकाबला बराबरी पर ला दिया।

इसके बाद तीसरे सेट में स्वितोलिना ने जबरदस्त खेल दिखाते हुए पांचवें और सातवें गेम में ब्रेक हासिल कर मैच अपने कब्जे में कर लिया।। चैंपियनशिप के लिए सर्व करते समय उन्होंने तीन ब्रेक अंक भी बचाए और अपनी जीत तय की। यूक्रेनी खिलाड़ी ने जीत पर खुशी जतायी पर कहा कि उसे इसके लिए काफी संघर्ष करना पड़ा।

सनराइजर्स और टाइटन्स के खिलाफ अंतिम दो लीग मैचों के साथ विदायी लेंगे धोनी ?

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह आईपीएल के इस 19 सत्र में अब तक नहीं उतरे हैं। धोनी फिट नहीं होने के कारण अब तक टीम से बाहर थे पर अब उनके अंतिम लीग मैचों में उतरने की संभवना जतायी जा रही है। अटकलें लगायी जा रही हैं कि धोनी सनराइजर्स हैदराबाद और गुजरात टाइटन्स के खिलाफ मैच खेलकर लीग से विदायी ले लेंगे। एक रिपोर्ट के अनुसार धोनी अब पूरी तरह से फिट हैं। इसलिए भी टीम प्रशंसकों की खुशी के लिए उन्हें उतारना चाहती है। इस सत्र में प्रशंसक उनका खेल देखने का बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं।

धोनी लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मैच के लिए भी फिट थे पर इसके बाद भी नहीं उतरे थे क्योंकि वह नहीं चाहते थे कि उनकी वापसी से टीम का संतुलन बिगड़े। इसका कारण ये है कि शुरुआती मैचों में कुछ हार के बाद सीएसके ने अच्छी वापसी की थी और प्लेऑफ की दौड़ में खुद को मजबूती से शामिल कर लिया था। धोनी का मानना था कि ऐसे महत्वपूर्ण समय में टीम के विजेता संयोजन को बदलना ठीक नहीं होगा। लखनऊ के खिलाफ उस मैच में हालांकि सीएसके को करारी हार का सामना करना पड़ा, जिसके बाद अब धोनी की वापसी की संभावना फिर से बढ़ गई है। कहा जा रहा है कि वह अपने अनुभव और नेतृत्व के साथ टीम को मजबूती देने के लिए अंतिम दो लीग मैचों में उतरेंगे।

इस सत्र में सीएसके अपने खिलाड़ियों की चोटों से बुरी तरह प्रभावित रही है। उसके आधे दर्जन से ज़्यादा खिलाड़ी चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गये हैं या पूरी तरह से उपलब्ध नहीं हैं। धोनी भी इसी सूची में शामिल थे पर अब लग रहा है कि वह अपनी चोट से उबर गये हैं और वापसी के लिए तैयार हैं। अंतिम दो मैचों में धोनी के खेलने से टीम का मनोबल बढ़ने की भी संभावना है। इसके अलावा 44 साल के होने जा रहे धोनी आईपीएल से विदायी भी ले सकते हैं क्योंकि सीएसके के प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें नहीं हैं।

अफगानिस्तान सीरीज के लिए ईशान किशन की हो सकती हैं वापसी

– संजू सैमसन की जगह खतरे में

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2026 के समापन के तुरंत बाद भारतीय क्रिकेट टीम अफगानिस्तान के खिलाफ एक टेस्ट और तीन मैचों की वनडे सीरीज खेलेगी। भारत और अफगानिस्तान के बीच एकमात्र टेस्ट मैच 6 जून से न्यू चंडीगढ़ में शुरू होगा। इसके बाद 14 जून से वनडे सीरीज की शुरुआत होगी। पहला मुकाबला धर्मशाला में खेला जाएगा, दूसरा मैच 17 जून को लखनऊ में और तीसरा मुकाबला 20 जून को चेन्नई में आयोजित किया जाएगा। इस दौरे के लिए टीम चयन को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं और विकेटकीपर बल्लेबाजों की दौड़ सबसे ज्यादा चर्चा में बनी हुई है। रिपोर्ट्स के अनुसार, शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय टीम मैदान पर उतरेगी, जबकि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को आराम दिया जा सकता है। चयनकर्ताओं की पहली पसंद विकेटकीपर बल्लेबाज के रूप में केएल राहुल बताए जा रहे हैं। वहीं, बैकअप विकेटकीपर की भूमिका को लेकर बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। अब तक इस भूमिका में ऋषभ पंत को देखा जा रहा था, लेकिन खराब फॉर्म के कारण उनकी जगह ईशान किशन को मौका मिलने की संभावना जताई जा रही है।

ऐसे में टी20 विश्व कप 2026 में शानदार प्रदर्शन करने वाले और प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट बने संजू सैमसन के लिए टीम में जगह बनाना मुश्किल माना जा रहा है। आईपीएल 2026 में भी संजू सैमसन ने कई अहम पारियां खेली हैं और वनडे क्रिकेट में उनका रिकॉर्ड भी प्रभावशाली रहा है। इसके बावजूद चयनकर्ता उन्हें नजरअंदाज कर सकते हैं, जिससे क्रिकेट प्रशंसकों के बीच हैरानी देखी जा रही है। दूसरी ओर, ईशान किशन लंबे समय बाद वनडे टीम में वापसी करते नजर आ सकते हैं। उन्होंने अपना आखिरी वनडे मुकाबला दो साल पहले खेला था। हालांकि घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छे प्रदर्शन के बाद उन्हें न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज और फिर टी20 विश्व कप टीम में मौका मिला। अब माना जा रहा है कि उसी प्रदर्शन का फायदा उन्हें वनडे टीम में भी मिलेगा।

रिपोर्ट में दावा किया गया है कि 19 मई को अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट और वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम की घोषणा हो सकती है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने संभावित टेस्ट खिलाड़ियों को तैयारी शुरू करने के निर्देश भी दे दिए हैं। टीम प्रबंधन का मुख्य लक्ष्य विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में जगह बनाना और साथ ही 2027 वनडे विश्व कप की तैयारियों को मजबूत करना बताया जा रहा है।

आईपीएल को सीमित स्थलों पर बिना दर्शकों के आयोजित करने की मांग उठी

नई दिल्ली । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) को बिना दर्शकों के सीमित स्थल पर आयोजित किये जाने की मांग जोर पकड़ रही है। इस सत्र में आईपीएल मुकाबले अलग-अलग शहरों में खेले जा रहे हैं। इसके कारण हवाई यात्राओं का खर्च बढ़ रहा है। इसके अलावा हजारों दर्शकों के स्टेडियम पहुंचने के कारण भी प्रेट्रोल और डीजल की जमकर खपत हो रही है। ऐसे में सत्र में टीमों द्वारा की जा रही लगातार हवाई यात्राओं और भारी ईंधन खपत को लेकर केंद्रीय खेलमंत्री मनसुख मांडविया से इस मामले को देखने की अपील की गयी है। चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री ने केंद्रीय खेल मंत्री मांडविया से आईपीएल के शेष मैचों के लिए नया कार्यक्रम जारी करने और उन्हें सीमित मैदानों पर बिना दर्शकों के आयोजित करने की मांग की है। यह मांग ऐसे समय में उठी है जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर देश भर के सरकारी विभाग, राजनेता, अधिकारी और आम नागरिक अनावश्यक खर्चों से बचने का प्रयास कर रहे हैं। वहीं 28 मार्च से शुरू हुए इस आईपीएल में टीमों को अपने निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार देश के विभिन्न शहरों में यात्रा करनी पड़ रही है। अनुमान है कि अब तक टीमें हवाई और सड़क मार्ग से लाखों किलोमीटर का सफर तय कर चुकी होंगी। मौजूदा परिस्थितियों में, ये हवाई यात्राएं केंद्र सरकार और देश के संसाधनों पर अतिरिक्त दबाव डाल रही हैं। चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री के चेयरमैन बृजेश गोयल ने अपने पत्र में उल्लेख किया है कि इस मुश्किल वक्त में, जब हर क्षेत्र में कटौती और मितव्ययिता पर जोर दिया जा रहा है, आईपीएल ही एक ऐसा बड़ा आयोजन है जिसमें कोई संकट नहीं दिख रहा। इसी मुद्दे पर गोयल ने मांडविया को एक विस्तृत पत्र लिखा है। इस पत्र में उन्होंने दो प्रमुख मांगें रखी हैं। पहला, हवाई यात्रा में कटौती करते हुए लीग के बचे हुए मैचों के लिए एक नया और संशोधित शेड्यूल जारी किया जाए।

चेन्नई सुपर किंग्स के लिए अब हर मुकाबला फाइनल जैसा – माइकल हसी

लखनऊ। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में लखनऊ सुपर जायंट्स से मिली हार के बाद चेन्नई सुपर किंग्स की प्लेऑफ की राह मुश्किल जरूर हो गई है, लेकिन टीम ने अभी उम्मीद नहीं छोड़ी है। चेन्नई सुपर किंग्स के बल्लेबाजी कोच माइकल हसी का कहना है कि अब टीम के लिए बचे हुए दोनों मुकाबले फाइनल जैसे हैं और खिलाड़ी इसी मानसिकता के साथ मैदान पर उतरेंगे। उनका मानना है कि आईपीएल का यही रोमांच इसे दुनिया की सबसे बड़ी क्रिकेट लीग बनाता है। लखनऊ सुपर जायंट्स ने चेन्नई सुपर किंग्स को सात विकेट से हराकर उसके समीकरण बिगाड़ दिए। पहले बल्लेबाजी करते हुए चेन्नई ने निर्धारित 20 ओवर में 187 रन बनाए थे। टीम की ओर से कार्तिक शर्मा ने शानदार 71 रन की पारी खेली, जबकि शिवम दुबे और डेवाल्ड ब्रेविस ने भी उपयोगी योगदान दिया। इसके जवाब में लखनऊ ने मिचेल मार्श की तूफानी बल्लेबाजी के दम पर लक्ष्य आसानी से हासिल कर लिया। मार्श ने सिर्फ 38 गेंदों में 90 रन ठोकते हुए मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया। उनके अलावा जोश इंग्लिस और निकोलस पूरन ने भी तेज बल्लेबाजी की। इस हार के बाद चेन्नई सुपर किंग्स के 12 मैचों में 12 अंक रह गए हैं। अब टीम को प्लेऑफ में पहुंचने के लिए अपने बाकी दोनों मुकाबले जीतने होंगे। इसके साथ ही उसे अन्य टीमों के नतीजों पर भी निर्भर रहना पड़ेगा। माइकल हसी ने मैच के बाद कहा कि उन्होंने अंक तालिका का बहुत गहराई से अध्ययन नहीं किया है, लेकिन इतना साफ है कि शीर्ष चार स्थानों के लिए कई टीमें कड़ी टक्कर दे रही हैं। उन्होंने कहा कि टीम को फिलहाल सिर्फ अपने प्रदर्शन पर ध्यान देना चाहिए। माइकल हसी ने कहा कि टूर्नामेंट के अंतिम चरण में दबाव काफी बढ़ जाता है और इसी दौरान कई अप्रत्याशित परिणाम भी सामने आते हैं। उनके मुताबिक आईपीएल की यही सबसे बड़ी खासियत है कि आखिरी समय तक अधिकतर टीमें प्लेऑफ की दौड़ में बनी रहती हैं। उन्होंने कहा कि अभी भी चेन्नई सुपर किंग्स के पास मौका है और खिलाड़ी पूरी मेहनत के साथ आगे बढ़ेंगे। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ने आईपीएल की तारीफ करते हुए कहा कि यह दुनिया के सबसे बेहतरीन टूर्नामेंटों में से एक है।

सुपरस्टार बनने के लिए प्रदर्शन जरूरी, गौतम गंभीर की सोच पर बोले राहुल द्रविड़

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने टीम इंडिया में सुपरस्टार कल्चर को लेकर मौजूदा हेड कोच गौतम गंभीर के बयान पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। द्रविड़ का मानना है कि कोई भी खिलाड़ी बिना प्रदर्शन के सुपरस्टार नहीं बन सकता और भारत जैसे क्रिकेट प्रेमी देश में पहचान हासिल करने के लिए लगातार अच्छा खेल दिखाना जरूरी होता है। दरअसल, टीम इंडिया के मुख्य कोच बनने के बाद गौतम गंभीर ने कहा था कि भारतीय टीम में व्यक्तिगत उपलब्धियों से ज्यादा टीम की जीत और ट्रॉफी को महत्व दिया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा था कि जब तक वह कोच हैं, तब तक टीम में सुपरस्टार संस्कृति को बढ़ावा नहीं दिया जाएगा। अब एक पॉडकास्ट में इस मुद्दे पर बात करते हुए राहुल द्रविड़ ने कहा कि हर खेल को अपने नायकों की जरूरत होती है। उनके अनुसार भारत में कोई भी खिलाड़ी सिर्फ लोकप्रियता के दम पर सुपरस्टार नहीं बनता, बल्कि उसके पीछे लगातार शानदार प्रदर्शन और टीम की सफलता में योगदान होता है। द्रविड़ ने कहा कि भारत जैसे देश में खिलाड़ियों पर काफी दबाव और निगरानी रहती है, इसलिए यहां स्टार खिलाड़ी बनने का मतलब है कि उस खिलाड़ी ने लंबे समय तक बेहतरीन प्रदर्शन किया है। पूर्व कप्तान ने कहा कि भारतीय क्रिकेट टीम पिछले कई वर्षों से लगातार दुनिया की शीर्ष टीमों में शामिल रही है। उन्होंने बताया कि भले ही 2011 विश्व कप के बाद कुछ समय तक टीम ज्यादा आईसीसी ट्रॉफियां नहीं जीत सकी, लेकिन भारतीय टीम लगातार बड़े टूर्नामेंटों के सेमीफाइनल और फाइनल तक पहुंचती रही। उनके मुताबिक अब भारतीय क्रिकेट से लोगों की उम्मीदें काफी बढ़ चुकी हैं और हर मैच में टीम से जीत की अपेक्षा की जाती है। राहुल द्रविड़ ने भारतीय क्रिकेट प्रशंसकों की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि भारत और उपमहाद्वीप के फैंस ने विश्व क्रिकेट को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में बड़ी भूमिका निभाई है। उनके अनुसार भारतीय दर्शकों का खेल के प्रति जुनून और समर्थन क्रिकेट की सबसे बड़ी ताकतों में से एक है। द्रविड़ ने यह भी कहा कि मौजूदा भारतीय टीम की सफलता के पीछे वर्षों की मेहनत, बेहतर योजना, मजबूत ढांचा और संसाधनों का बड़ा योगदान है। उन्होंने माना कि भारतीय क्रिकेट ने पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह का विकास किया है, वह काफी सकारात्मक और प्रेरणादायक है।

सात्विक-चिराग थाईलैंड ओपन में उप-विजेता रहे, फाइनल में इंडोनेशिया से करना पड़ा हार का सामना

पटुमवान (थाईलैंड) (एजेंसी)। भारत की शीर्ष पुरुष जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी थाईलैंड ओपन में रनर-अप रहे, उन्हें इंडोनेशिया के लियो रोली कार्नांडो और डेनियल मार्टिन से 53 मिनट में 21-12, 25-23 से हार का सामना करना पड़ा। शुरुआती गेम में सात्विक और चिराग को मोमेंटम पाने के लिए संघर्ष करना पड़ा, जिसमें इंडोनेशियाई जोड़ी ने 21-12 से जीत हासिल की।

भारतीय जोड़ी ने दूसरे गेम में वापसी की, जोरदार वापसी की और गेम को आखिर तक खींचा, जहां लगातार पांच चैंपियनशिप पॉइंट बचाने के बाद, वे आखिरकार 25-23 से हार गए। 2026 बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर सीज़न के अपने पहले फाइनल में हिस्सा ले रहे टॉप सीडेड भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी, बिना सीड वाली इंडोनेशियाई जोड़ी से 53 मिनट में हार गए। लियो रोली कार्नांडो और डेनियल मार्टिन के

खिलाफ सात्विक और चिराग की यह पांच आमने-सामने की मुलाकातों में पहली हार थी।

सात्विक-चिराग ने आखिरी बार दो साल पहले बीडब्ल्यूफ़ टाइटल जीता था। इत्तेफाक से, उनकी आखिरी जीत 2024 थाईलैंड ओपन में हुई थी। भारतीय जोड़ी ने 2019 में भी यह टूर्नामेंट जीता था। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी पिछले साल चाइना मास्टर्स और हांगकांग ओपन के फाइनल में भी पहुंचे थे, लेकिन खिताब नहीं जीत पाए थे। बीडब्ल्यूएफ सुपर 500 टूर्नामेंट के फाइनल के शुरुआती गेम में, चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी 4-1 से पीछे हो गए और वापसी नहीं कर पाए।

दूसरा गेम काफी करीबी मुकाबला था। शुरुआत में 5-2 से पीछे रहने के बाद, सात्विक और चिराग ने वापसी करते हुए बराबरी कर ली और चार मैच पॉइंट बचाए। हालांकि, इंडोनेशियाई जोड़ी ने अपने पांचवें मैच पॉइंट का फायदा उठाकर उन्हें हरा दिया। सेमीफाइनल में, सात्विक और चिराग ने पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए तीसरी सीडेड मलेशियाई जोड़ी को 19-21, 22-20, 21-16 से हराया और उससे पहले क्वार्टर फाइनल में जापान के ताकुमी नोमुरा और युइची शिमोगामी को 21-12, 21-13 से हराया।

लक्ष्य सेन और पीवी सिंधु की हार के साथ सिंगल्स इवेंट्स में भारत की चुनौती क्वार्टर फाइनल में खत्म हो गई। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी अगले हफ्ते मलेशिया मास्टर्स बीडब्ल्यूएफ सुपर 500 टूर्नामेंट में खेलते हुए दिखाई देंगे।

आईपीएल में 'चिट सेलिब्रेशन' का नया ट्रेंड, खिलाड़ियों की अनोखी जश्न शैली ने खींचा ध्यान

नई दिल्ली । इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में इन दिनों खिलाड़ियों के बीच एक नया और अनोखा जश्न मनाने का तरीका तेजी से लोकप्रिय हो रहा है, जिसे फैंस 'चिट सेलिब्रेशन' के नाम से जान रहे हैं। इस ट्रेंड में खिलाड़ी अर्धशतक, शतक या विकेट लेने के बाद अपनी जेब से एक छोटी पर्ची निकालते हैं और उसे कैमरों की ओर दिखाते हैं। शुरुआत में दर्शक इस संदेश को नहीं पढ़ पाते, लेकिन बाद में कैमरा क्लोजअप और सोशल मीडिया के जरिए इन चिट्स में लिखे संदेश वायरल हो जाते हैं। इस अनोखे अंदाज ने मैदान पर रोमांच के साथ-साथ नई चर्चा भी पैदा कर दी है। 15 मई को लखनऊ सुपर जायंट्स और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच खेले गए मुकाबले में भी यह ट्रेंड देखने को मिला। लखनऊ के गेंदबाज आकाश सिंह ने चेन्नई के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ को आउट करने के बाद पहली बार इस तरह का इशारा किया। इसके बाद उन्होंने संजू सैमसन और उर्विल पटेल को भी आउट करने के बाद पर्ची निकालकर जश्न मनाया। इससे पहले भी इसी तरह के सेलिब्रेशन में उर्विल पटेल और मुंबई इंडियंस के रघु शर्मा का नाम सामने आ चुका है। मैच के बाद क्रिकेट विशेषज्ञों के बीच इस नए ट्रेंड को लेकर अलग-अलग राय देखने को मिली। कुछ लोगों का मानना है कि यह खिलाड़ियों की भावनाओं और आत्मविश्वास को व्यक्त करने का एक नया तरीका है, जबकि कुछ इसे सिर्फ मनोरंजन का हिस्सा मान रहे हैं। लेकिन पूर्व भारतीय क्रिकेटर अंबाती रायडू ने इस पर कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने खासतौर पर आकाश सिंह के सेलिब्रेशन की आलोचना करते हुए कहा कि इस तरह की चीजों को आईपीएल में जगह नहीं मिलनी चाहिए। आकाश सिंह की पर्ची पर लिखा संदेश भी चर्चा में रहा, जिसमें उनकी गेंदबाजी की तारीफ करते हुए आत्मविश्वास झलक रहा था। अंबाती रायडू ने एक स्पोर्ट्स शो में कहा कि यह तरीका भले ही कुछ लोगों को मजेदार लगे, लेकिन यह खेल की गंभीरता को प्रभावित कर सकता है। उन्होंने यहां तक कहा कि इस तरह की पर्चियों पर प्रतिबंध लगना चाहिए, क्योंकि क्रिकेट एक प्रोफेशनल खेल है और इसमें इस तरह के 'स्टंट' की जरूरत नहीं है। हालांकि, कुछ युवा खिलाड़ी इस ट्रेंड को आधुनिक क्रिकेट का हिस्सा मानते हैं और इसे अपनी व्यक्तिगत अभिव्यक्ति का माध्यम बताते हैं। सोशल मीडिया पर भी इस नए सेलिब्रेशन को लेकर लगातार बहस जारी है, जिससे साफ है कि यह ट्रेंड आने वाले समय में और ज्यादा चर्चा में रहने वाला है।

18 करोड़ में पाथिराना को खरीदकर पछता रही होगी केकेआर

कोलकाता । आईपीएल के इस सत्र में कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) के सबसे महंगे खिलाड़ी श्रीलंकाई पेसर मथीसा पाथिराना टीम के लिए घाटे का सौदा साबित हुए हैं। टीम ने काफी उम्मीदों के साथ इस तेज गेंदबाज को 18 करोड़ रुपये में खरीदा था पर उसे इसका लाभ नहीं मिला। ये तेज गेंदबाज फिट नहीं होने के कारण शुरुआती मैचों से से भी बाहर रहा था। लंबे इंतजार के बाद गुजरात टाइटंस के खिलाफ गत दिवस हुए मैच में फिट होने के कारण केकेआर ने उसे उतारा पर फायदा कुछ नहीं हुआ। पाथिराना इस मैच में 1.2 ओवर के बाद ही हैमस्ट्रिंग इंजरी के कारण फिर चोटिल हो गये। ये केकेआर के लिए दोहरी झटका रहा क्योंकि टीम लंबे समय से पाथिराना की फिटनेस का इंतजार कर रही थी। जब आखिरकार वह फिट हुए और खेलने के लिए तैयार दिखे, तो अपने पहले ही मैच में उन्हें फिर से चोटिल होकर बाहर बैठना पड़ा। इससे सोशल मीडिया पर पाथिराना और केकेआर दोनों पर ही प्रशंसकों ने सवाल उठाये हैं। प्रशंसकों ने टीम के खराब प्रबंधन और खिलाड़ी की फिटनेस पर सवाल उठाये हैं। चेन्नई सुपरकिंग्स के रिलीज करने के बाद पाथिराना को इस सत्र के लिए केकेआर ने 18 करोड़ रुपए में खरीदा था। केकेआर को श्रीलंका के इस युवा तेज गेंदबाज से काफी उम्मीदें थीं, खासकर उसकी धारदार यॉर्कर और डेथ ओवरों की गेंदबाजी को लेकर पर उनके चोटिल होने से सभी पर पानी फिर गया। मैच में मुश्किल क्षणों में टीम ने उन्हें उतारा था पर लाभ नहीं हुआ।

मैच फिक्सिंग के दौर में ऐसे संभाली थी टीम इंडिया, सौरव गांगुली ने सुनाया मुश्किल दिनों का किस्सा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट के इतिहास में साल 2000 को सबसे चुनौतीपूर्ण दौरों में गिना जाता है। उस समय क्रिकेट की दुनिया मैच फिक्सिंग के गंभीर आरोपों से घिरी हुई थी और खेल की विश्वसनीयता पर सवाल उठ रहे थे। प्रशंसकों का भरोसा टूट चुका था और भारतीय क्रिकेट मुश्किल दौर से गुजर रहा था। ऐसे समय में टीम इंडिया की कमान सौरव गांगुली के हाथों में आई। हाल ही में एक पॉडकास्ट में गांगुली ने उस दौर की यादें साझा करते हुए बताया कि कैसे उन्होंने टीम को संभाला और भारतीय क्रिकेट को फिर से नई दिशा देने का प्रयास किया। सौरव गांगुली ने बताया कि जब उन्हें कप्तानी सौंपी गई, तब उनकी उम्र केवल 27 साल थी। देशभर में मैच फिक्सिंग को लेकर हंगामा मचा हुआ था, लेकिन उन्हें इस बात का अंदाजा नहीं था कि यह सब किस तरह होता है। उन्होंने खुलासा किया कि उस समय वह अपने सीनियर खिलाड़ियों से अक्सर पूछा करते थे कि क्या वास्तव में किसी खिलाड़ी को फिक्सिंग के लिए संपर्क किया जाता है।

गांगुली ने बताया कि उन्होंने सीधे सचिन तेंदुलकर से पूछा था कि क्या कभी किसी ने उन्हें इस तरह के काम के लिए संपर्क किया है। सचिन का जवाब साफ तौर पर ÷नहीं÷ था। इसके बाद उन्होंने अनिल कुंबले और राहुल द्रविड़ से भी यही सवाल किया और सभी ने ऐसी किसी घटना से इनकार किया। गांगुली ने कहा कि यह उनके लिए राहत की बात थी कि टीम के मुख्य खिलाड़ी इन विवादों से पूरी तरह दूर थे। उन्होंने यह भी बताया कि कप्तानी संभालना उनके लिए आसान नहीं था, क्योंकि टीम में ऐसे दिग्गज खिलाड़ी मौजूद थे जिनकी कप्तानी में वह खुद खेल चुके थे। मोहम्मद अजहरुद्दीन और सचिन तेंदुलकर जैसे वरिष्ठ खिलाड़ियों के सामने पहली टीम मीटिंग लेने से पहले वह काफी घबराए हुए थे। उन्होंने अपनी पत्नी डोना से भी इस चिंता का जिक्र किया था कि वह इतने बड़े खिलाड़ियों को कैसे निर्देश देंगे।

गांगुली ने बताया कि कोच्चि में अपने पहले मैच से पहले उन्होंने टीम मीटिंग को केवल 15 मिनट में खत्म कर दिया ताकि माहौल सहज बना रहे। उनकी कप्तानी का असर जल्द ही मैदान पर दिखने लगा। भारत ने पहला मैच जीता और अगले मुकाबले में गांगुली ने खुद शतक जड़ा। यहीं से भारतीय क्रिकेट में ÷दादा युग÷ की शुरुआत मानी जाती है। गांगुली ने अपनी कप्तानी के दौरान कई युवा खिलाड़ियों को मौका दिया, जिनमें युवराज सिंह, मोहम्मद कैफ, हरभजन सिंह और वीरेंद्र सहवाग जैसे नाम शामिल रहे। उनके नेतृत्व में भारतीय टीम ने विदेशों में जीत दर्ज करना सीखा और 2003 विश्व कप फाइनल तक का सफर तय किया। क्रिकेट विशेषज्ञ मानते हैं कि गांगुली ने उस दौर में भारतीय क्रिकेट को नई पहचान और आत्मविश्वास दिया।

केकेआर को प्लेऑफ के लिए बड़े अंतर से जीतने होंगे बचे हुए मैच

कोलकाकता । आईपीएल के 19 वें सत्र में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) का प्रदर्शन मिला-जुला रहा है। शुरुआती मैचों में लगातार हार के बाद टीम ने बाद के 6 में से पांच मैचों में जीत के साथ वापसी की है। उसके एक मैच का परिणाम नहीं निकला। अब उसके 11 अंक है और अगर वह अगले दो मैचों को बड़े अंतर से लगातार जीत हासिल करती तो उसके 15 अंक हो जाएंगे, ऐसे में उसके प्लेऑफ की संभावननाएं बनी रहेंगी पर इसके लिए उसे अन्य मैचों के परिणामों के भी उसके अनुसार आने की उम्मीद करनी होगी। केकेआर का अगला मैच मुंबई इंडियंस के खिलाफ 20 मई को है, इसके बाद उसे दिल्ली कैपिटल्स से 24 मई को खेलना है। अभी केकेआर के अलावा गुजरात टाइटंस, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, सनराइजर्स हैदराबाद, पंजाब किंग्स, राजस्थान रॉयल्स, चेन्नई सुपर किंग्स प्लेऑफ की की दौड़ में हैं। दिल्ली की संभावनाएं तकरीबन समाप्त हो गयी हैं।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
टाइम्स ऑफ़ पीडिया

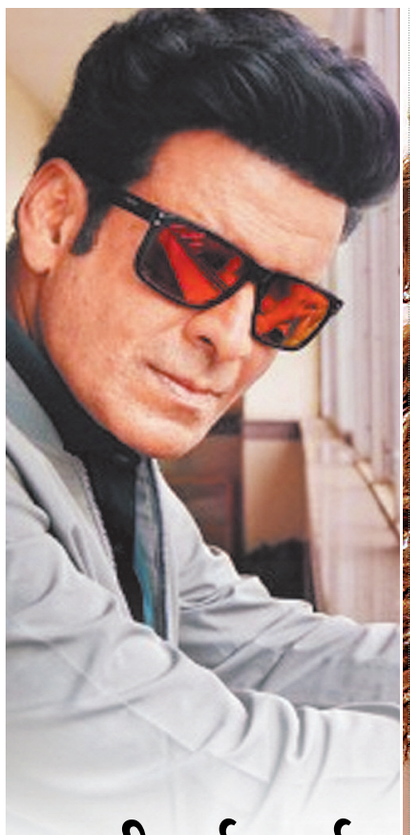

आरबीआई गवर्नर के किरदार में नजर आएंगे मनोज बाजपेयी

मनोज बाजपेयी की आगामी फिल्म 'गवर्नर' का टीजर रिलीज किया गया है। यह फिल्म 1990 के दशक के भारत के सबसे बड़े आर्थिक संकट पर आधारित है। मनोज बाजपेयी ने फिल्म में रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के गवर्नर की भूमिका निभाई है। उनका किरदार आरबीआई के तत्कालीन गवर्नर एस. वेंकटरमणन के जीवन से प्रेरित है।

मनोज बाजपेयी के जन्मदिन पर 'द साइलेंट सेवियर गवर्नर' का पोस्टर सामने आने के बाद से ही इसे लेकर काफी चर्चा है। अब मेकर्स ने इसका दमदार टीजर भी जारी कर दिया है, जो बेहद दिलचस्प मालूम पड़ता है। फिल्म सच्ची घटनाओं पर आधारित है और 1990 के दशक में भारत के सबसे बड़े आर्थिक संकट (इकोनॉमिक मेल्टडाउन) की कहानी को सामने लाती है। फिल्म में मनोज बाजपेयी पहली बार आरबीआई गवर्नर के किरदार में नजर आएंगे। टीजर में 1990 के समय की कहानी को दिखाया गया है, जब देश पर आर्थिक संकट आया था। उसके बाद कैसे एक आरबीआई गवर्नर ने एक साइलेंट सेवियर की भूमिका निभाते हुए देश को इस आर्थिक संकट से उबारा था। टीजर में मनोज बाजपेयी के अलावा अदा शर्मा और फिल्म की बाकी कास्ट की भी हल्की सी झलक देखने को मिलती है। मनोज बाजपेयी की 'गवर्नर' 12 जून को सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है।

'द केरल स्टोरी' के मेकर्स ने किया है निर्माण

विपुल अमृतलाल शाह द्वारा निर्मित 'गवर्नर' को मराठी सिनेमा के पावर-परफॉर्मर चिन्मय मांडलेकर ने निर्देशित किया है। फिल्म में मनोज बाजपेयी के साथ अदा शर्मा प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी। फिल्म की कहानी सुवेंदु भट्टाचार्जी, सौरभ भारत, रवि असरानी और विपुल अमृतलाल शाह ने लिखी है। फिल्म में जावेद अख्तर के गीत और अमित त्रिवेदी का संगीत है।

इंस्पेक्टर अविनाश में विजुअल परफेक्शन से ज्यादा भावनात्मक ईमानदारी जरूरी

बॉलीवुड अभिनेत्री उर्वशी रौतेला एक बार फिर वेब सीरीज 'इंस्पेक्टर अविनाश' के नए सीजन में पूनम मिश्रा के किरदार में नजर आने वाली हैं। इस बीच उर्वशी ने अपने किरदार और एक्टिंग को लेकर बात की। उन्होंने कहा कि उनकी पब्लिक इमेज हमेशा ग्लैमर से जुड़ी रही है, लेकिन 'इंस्पेक्टर अविनाश' जैसे प्रोजेक्ट्स में दिखावे से ज्यादा सच्ची भावनाओं की जरूरत होती है। उर्वशी ने आईएएनएस से बताया कि एक कलाकार के तौर पर आगे बढ़ने के लिए 'परफॉर्मेंस वैनिटी' यानी परफेक्ट दिखने की सोच को छोड़ना बहुत जरूरी होता है। उन्होंने कहा, 'लोग अक्सर मुझसे हर फ्रेम, हर एक्सप्रेशन और हर पल में परफेक्शन की उम्मीद करते हैं, क्योंकि मेरी छवि ग्लैमरस रही है। लेकिन 'इंस्पेक्टर अविनाश' जैसे प्रोजेक्ट विजुअल परफेक्शन से ज्यादा भावनात्मक ईमानदारी मांगती हैं।' एक्ट्रेस ने कहा कि इस किरदार के लिए उन्होंने खुद को ज्यादा 'प्रेजेंट' रखने पर ध्यान दिया उर्वशी ने कहा, 'असल जिंदगी में मुश्किल हालात से गुजर रहे लोग यह नहीं सोचते कि वे कैसे दिख रहे हैं। वे सिर्फ प्रतिक्रिया दे रहे होते हैं, हालात से जूझ रहे होते हैं और भावनाओं को महसूस कर रहे होते हैं। एक अभिनेता के तौर पर इस सच्चाई को समझना मेरे लिए बेहद जरूरी था।' उर्वशी ने यह भी कहा कि संयमित अभिनय यानी कम शब्दों और शांत अभिनय के जरिए भावनाएं दिखाना ज्यादा मुश्किल होता है। उन्होंने कहा, 'मौन, स्थिरता और नियंत्रित भावनाएं के लिए अलग तरह का आत्मविश्वास चाहिए होता है। कई बार कम करके सच दिखाना, ज्यादा ड्रामेटिक होने से भी कठिन होता है।' उर्वशी ने कहा, 'एक कलाकार के तौर पर, यह उनके लिए यकीनन आजादी देने वाला अनुभव था, क्योंकि इसने मुझे हर पल अपनी इमेज बनाए रखने के दबाव के बिना, अपनी भावनाओं को दिखाने का मौका दिया।' बता दें कि 'इंस्पेक्टर अविनाश' पहली बार साल 2023 में रिलीज हुई थी। इस सीरीज में रणदीप हुड्डा मुख्य भूमिका में हैं। यह शो यूपी के सुपरकॉप अविनाश मिश्रा की जिंदगी और सच्ची घटनाओं पर आधारित है, जिसमें राज्य में अपराध रोकने की कहानी दिखाई गई है। वर्कफ्रंट की बात करें तो उर्वशी रौतेला आखिरी बार फिल्म 'डाकू महाराज' में नजर आई थीं।

तेलुगु रोमांटिक थ्रिलर 'अगली स्टोरी' में नजर आएंगी अविका गौर

छोटे से लेकर बड़े पर्दे तक अपनी पहचान बनाने वाली अभिनेत्री अविका गौर एक बार फिर तेलुगु रोमांटिक थ्रिलर फिल्म 'अगली स्टोरी' को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। यह एक रोमांटिक थ्रिलर है, जिसमें सस्पेंस, जुनून और भावनाओं का एक अनोखा संगम देखने को मिलेगा। फिल्म में अविका के साथ नंदू विजय कृष्णा मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। अभिनेत्री अविका गौर ने बताया कि फिल्म की टीम पहले से ही इस बात को लेकर सतर्क थी कि 'टॉक्सिक' और 'जुनून' के बीच एक साफ अंतर दिखाई दे। उन्होंने कहा, 'फर्क हमेशा इरादे में होता है। हम फिल्म के जरिए टॉक्सिक रिश्तों को आकर्षक या कूल दिखाने की कोशिश नहीं कर रहे हैं। हमारा मकसद यह दिखाना है कि ऐसे रिश्ते किसी इंसान की मानसिक और भावनात्मक स्थिति पर असल में क्या असर डालते हैं।' अविका ने आगे बताया कि फिल्म में रिश्ते को महिमामंडित करने के बजाय उसके दर्दनाक नतीजों पर ध्यान दिया गया है। फिल्म में दर्शकों को वह बेचैनी, उलझन और नुकसान साफ महसूस होगा जो एक खराब रिश्ते से उपजता है। एक कलाकार के तौर पर मेरी जिम्मेदारी दर्शकों के सामने ईमानदारी से कहानी रखने की है। 'अगली स्टोरी' दर्शकों से झूठ नहीं बोलती, बल्कि एक कड़वी सच्चाई को गहराई से दिखाती है।

रियलिटी शो होस्टिंग में डेब्यू करेंगी रुबीना

मूविंग इमेज स्टूडियोज ने अपने नए नॉन-फिक्शन शो 'द वार्ड' की घोषणा कर दी है, जिसे रुबीना दिलैक होस्ट करेंगी। यह एक रियलिटी शो है, जो मां बनने की भावनात्मक, मनोवैज्ञानिक और सामाजिक सच्चाइयों को बहुत सही तरीके से दिखाएगा।

इस शो में 10 गर्भवती महिलाएं 10 दिनों तक एक छत के नीचे रहेंगी। इस शो को मेटरनिटी वार्ड जैसी सेटिंग में फिल्माया गया है। यह शो, मां बनने की राह पर उनकी असली भावनाओं, विचारों और रिश्तों को ईमानदारी से दिखाएगा। ये महिलाएं अलग-अलग क्षेत्रों से आई हैं। वे धीरे-धीरे अपने निजी अनुभव साझा करेंगी, एक-दूसरे से जुड़ेंगी और बातें करेंगी। इन बातों में शामिल होंगे- समाज की उम्मीदें, लड़कियों के प्रति भेदभाव, करियर की चाहत, परिवार में बदलते रिश्ते और मां बनने की चुनौतियां। रुबीना दिलैक सिर्फ होस्ट नहीं हैं, बल्कि वे सहानुभूति और समझ के साथ इन महिलाओं से जुड़ेंगी। खुद नई मां होने के नाते वे अपने अनुभव भी साझा करेंगी और सभी को सहारा देंगी। यह शो 15 मई को यूट्यूब चैनल पर रिलीज होगा। प्रतिभागियों के पति और परिवार वाले भी इस सफर का हिस्सा बनेंगे। वे साथ रहकर सीखेंगे, समझेंगे और रिश्तों को मजबूत करेंगे। शो में 24 घंटे कैमरा, डॉक्टरों की देखभाल और गहरी कहानी सुनाई जाएगी। इससे मातृत्व के सच्चे, कच्चे और दिल को छूने वाले पलों को दिखाया जाएगा।

शो को लेकर रुबीना दिलैक की राय

रुबीना ने अपने सोशल मीडिया पर शो का पोस्टर शेयर करते हुए लिखा, 'मां बनना मेरे जीवन का सबसे बड़ा और भावनात्मक सफर रहा है। यह बहुत खूबसूरत है, लेकिन इतना मुश्किल भी कि कोई आपको पहले से तैयार नहीं कर सकता। 'द वार्ड' उन अनकही भावनाओं को दिखाता है, जिन्हें हम अंदर ही दबा लेते हैं। यह मेरा पहला रियलिटी शो है और मैं कह सकती हूं कि यह हर किसी के लिए भावनाओं का रोलरकोस्टर होगा।

कुनिका सदानंद ने बताई इंडस्ट्री की सच्चाई

अभिनेत्री कुनिका सदानंद ने नए टीवी एक्टर्स के पेमेंट में हो रही देरी के मुद्दे पर खुलकर बात की है। 'बिग बॉस 19' की पूर्व कंटेस्टेंट कुनिका ने कहा कि यह समस्या कई सालों से चली आ रही है और नए कलाकारों को सबसे ज्यादा परेशानी का सामना करना पड़ता है।

खास बातचीत में कुनिका सदानंद ने बताया कि टीवी इंडस्ट्री में तेजी आने के बाद से पेमेंट अक्सर 45 से 90 दिनों तक लेट हो जाता है। उन्होंने इसकी मुख्य वजह भी बताई। कुनिका ने कहा, 'चैनलों को एडवरटाइजर से पैसे देर से मिलते हैं। फिर चैनल प्रोड्यूसर को पैसे देते हैं। इस पूरे कॉर्पोरेट सिस्टम की वजह से देरी होती है। पैसा पहले एडवरटाइजर से चैनल के पास, फिर चैनल से प्रोड्यूसर के पास जाता है। इसलिए स्वाभाविक रूप से देरी हो जाती है। अभिनेत्री ने इस समस्या का एक व्यावहारिक समाधान भी सुझाया। उन्होंने कहा कि नए कलाकारों को अपनी फीस थोड़ी ज्यादा तय करनी चाहिए, लेकिन इसमें भी दिक्कत है, क्योंकि थोड़ी ज्यादा फीस मांगने पर प्रोड्यूसर दूसरे कलाकार को चुन सकते हैं। कुनिका ने आगे कहा, 'हर कलाकार की जिंदगी में एक बफर सिस्टम होना चाहिए, लेकिन यह हर समय मुमकिन नहीं होता। यह एक बहुत गंभीर समस्या है।' उन्होंने बड़े प्रोडक्शन हाउस जैसे बालाजी की तारीफ करते हुए कहा कि उनके पास पर्याप्त रिजर्व फंड होता है, इसलिए उनसे समय पर पेमेंट की उम्मीद की जा सकती है। यह पहली बार नहीं है जब टीवी इंडस्ट्री में पेमेंट देरी का मुद्दा उठा है। इससे पहले वरुण बडोला और अर्जुन बिजलानी भी इस समस्या पर खुलकर बोल चुके हैं। कुनिका सदानंद का कहना है कि छोटे और नए कलाकारों को परेशानियों सामना करना पड़ता है। टीवी इंडस्ट्री में काम करने वाले कलाकारों के लिए समय पर भुगतान सुनिश्चित करना एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। कुनिका ने उम्मीद जताई कि प्रोड्यूसर्स और चैनल इस मुद्दे पर गंभीरता से विचार करेंगे ताकि नए कलाकारों को आर्थिक परेशानी न झेलनी पड़े।

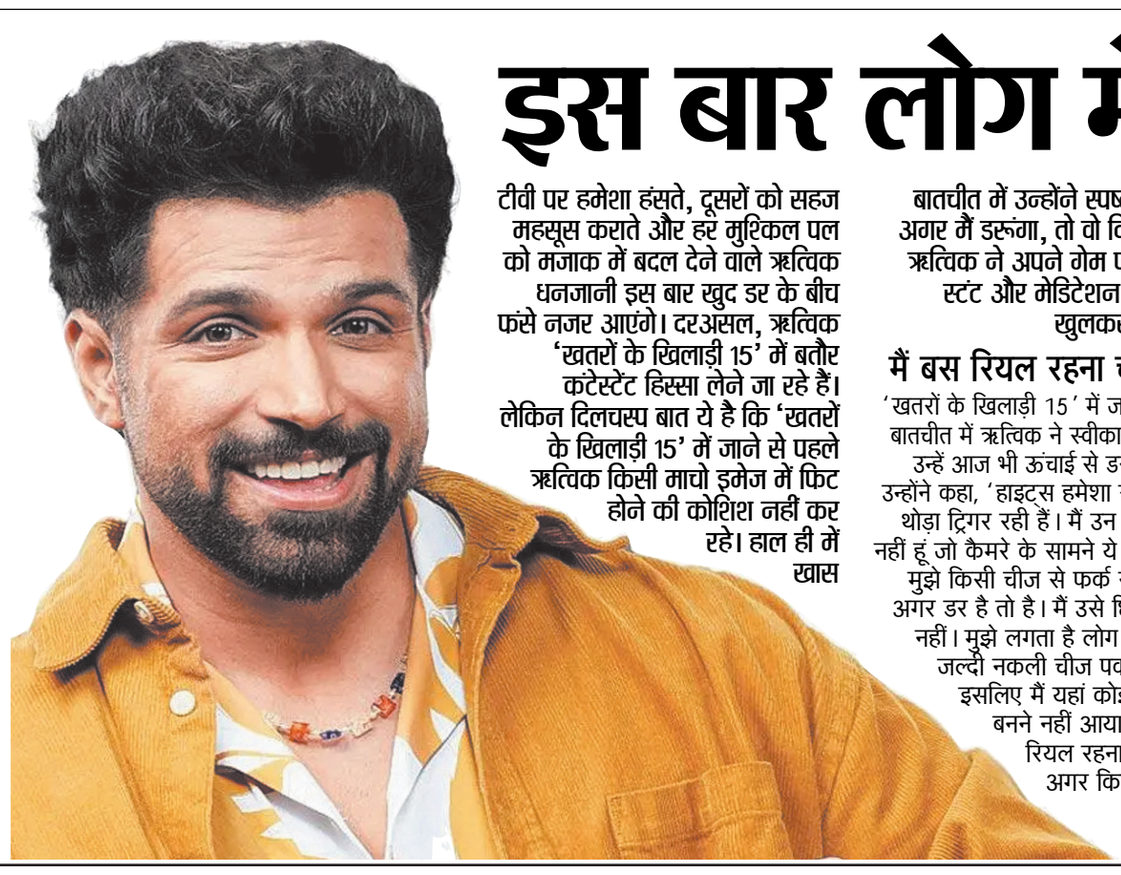

इस बार लोग मेरा थोड़ा अलग साइड देखेंगे

टीवी पर हमेशा हंसते, दूसरों को सहज महसूस कराते और हर मुश्किल पल को मजाक में बदल देने वाले ऋत्विक धनजानी इस बार खुद डर के बीच फंसे नजर आएंगे। दरअसल, ऋत्विक 'खतरों के खिलाड़ी 15' में बतौर कंटेस्टेंट हिस्सा लेने जा रहे हैं। लेकिन दिलचस्प बात ये है कि 'खतरों के खिलाड़ी 15' में जाने से पहले ऋत्विक किसी माचो इमेज में फिट होने की कोशिश नहीं कर रहे। हाल ही में खास बातचीत में उन्होंने स्पष्ट कहा कि अगर मैं डरूंगा, तो वो दिखेगा भी। ऋत्विक ने अपने गेम प्लान, डर, स्टंट और मेडिटेशन के बारे में खुलकर बात की।

मैं बस रियल रहना चाहता हूं

'खतरों के खिलाड़ी 15' में जाने से पहले बातचीत में ऋत्विक ने स्वीकार किया कि उन्हें आज भी ऊंचाई से डर लगता है। उन्होंने कहा, 'हाइट्स हमेशा से मेरे लिए थोड़ा ट्रिगर रही हैं। मैं उन लोगों में से नहीं हूं जो कैमरे के सामने ये दिखाएं कि मुझे किसी चीज से फर्क नहीं पड़ता। अगर डर है तो है। मैं उसे छिपाने वाला नहीं। मुझे लगता है लोग आज बहुत जल्दी नकली चीज पकड़ लेते हैं। इसलिए मैं यहां कोई सुपरहीरो बनने नहीं आया हूं। मैं बस रियल रहना चाहता हूं। अगर किसी स्टंट में मेरी हालत खराब होगी, तो होगी। अगर मैं पैनिक करूंगा, तो वो भी दिखेगा।' जब उनसे पूछा गया कि क्या वो इस शो के जरिए अपनी कोई इमेज बदलना या तोड़ना चाहते हैं? इस पर एक्टर ने कहा, 'मैं कोई इमेज नहीं तोड़ना चाहता, क्योंकि सच कहूं तो मैंने कभी खुद को किसी इमेज में बांधा ही नहीं। लेकिन हां, लोग मुझे हमेशा हंसते हुए देखते हैं, मजाक करते हुए देखते हैं। इस बार शायद वो मेरा वो साइड भी देखेंगे जो चुप हो जाता है, डरता है और जो खुद से लड़ता है।' शो में खुद को संभालने के लिए ऋत्विक किसी मोटिवेशनल स्पीच पर नहीं, बल्कि मेडिटेशन पर भरोसा कर रहे हैं। क्योंकि उनका मानना है कि स्टंट से ज्यादा लड़ाई आपके दिमाग के अंदर चल रही होती है।

इस बार सेट पर ड्रामा मस्ती ज्यादा होगी

बाकी कंटेस्टेंट्स की बात आते ही ऋत्विक ने फनी अंदाज में कहा कि हर्ष (गुजराल) तो पहले से दोस्त है और मुझे पता है कि हम दोनों मिलकर बहुत पागलपन करने वाले हैं। जैस्मिन (भसीन) के साथ भी बहुत मजा आएगा। सेट पर ड्रामा कम और मस्ती ज्यादा होने वाली है। जब उनसे पूछा गया कि ज्यादा चोट किस चीज से लगेगी, स्टंट हारने से या सबके सामने डर जाने से, तो उन्होंने कहा कि ईगो दोनों में हर्ट हो सकता है। लेकिन शायद ज्यादा तब, जब आप खुद को निराश कर दो।

स्वामी, प्रकाशक, संपादक : अली आदिल खान द्वारा सांई प्रिन्टिग प्रेस डी–85, न्यू अशोक नगर, नोएडा, गौतमबुद्धनगर यूपी से मुद्रित कराकर सी–148, साउथमोती बांग, पो0 चान्यक्यपुरी, नई दिल्ली–110021 से प्रकाशित किया।
RNI.No. : DELMUL/2012/47011 Email.timesofpedia@gmail.com